RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 January, 2020

अंक - 7 (मासिक) वर्ष - 15 जनवरी, 2020 मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

स्वागतम् 2020 नववर्ष

महामंत्री

संदीप काबरा

अर्थ मंत्री

आर. एल. काबरा

संगठनमंत्री

अजय काबरा

उपसभापति

कैलाश काबरा

अशोक सोमानी

राजेशकृष्ण बिड़ला

अशोक बंग

त्रिभुवन काबरा

संयुक्त मंत्री

श्यामसुन्दर राठी

विनीत केला

कैलाश सोनी

सुरेन्द्र मानधने

विजय राठी

29वें सत्र की कमान फिर श्यामसुंदर सोनी के हाथ

शनिदेव
करेंगे राशि परिवर्तन
बनायेंगे राजयोग

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

श्री माहेश्वरी मेलापक

शीघ्र प्रकाशित
वैवाहिक डायरेक्टी
श्री माहेश्वरी मेलापक 2019

Visit us @ www.srimaheshwaritimes.com

RR KĀBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • **www.rrglobal.in**

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-7 जनवरी, 2020 वर्ष-15

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री रामकुमार टावरी (नईदिल्ली)

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादक
नन्दलाल नरानीवाल (भीलवाड़ा)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

मुखिया के लिए प्रश्न-दर्पण!

नया-नया कुर्सी पर बैठा पदाधिकारी पद पाकर कैसा व्यवहार करें? उसका आचरण कैसा हो? कैसे वह विगत को भूलकर भावी समाज के निर्माण के लिए सबको साथ लेकर चले? अगर किसी को यह समझना हो तो महाभारत के सभापर्व का पाँचवा अध्याय अवश्य पढ़े।

इस अध्याय में देवर्षि नारद और युधिष्ठिर का संवाद है जिनमें कुल 129 श्लोकों में नारदजी ने अभी-अभी इंद्रप्रस्थ के सिंहासन पर बैठे युधिष्ठिर से पूरे 100 प्रश्न किए हैं। इन प्रश्नों के जरिये मानों पद पर विराजमान हर देश, काल, समाज, संगठन के मुखिया को सीख है कि उसका आचरण और व्यवहार कैसा हो। इनमें एक राजा के लिए जरूरी राजनीति और कूटनीति का उपदेश तो है ही, व्यक्ति मात्र के लिए या 'मुखिया' की छोटी से छोटी भूमिका निभाने वाले के लिए भी अनेक कारगर सूत्र हैं।

उदाहरण के लिए जैसे नारदजी ने पूछा कि युधिष्ठिर क्या तुमने पहले अपनी इंद्रियों और मन को जीता है? क्या तुम्हें हर प्रकार के व्यक्ति की पहचान है? क्या तुम समय पर सारे काम करते हो? क्या तुम्हारे सलाहकार समझदार और समाज के कल्याण की धर्मसम्मत सलाह देने वाले हैं? क्या तुम धन का सदुपयोग करते हो और क्या तुम सभी की सहमति से काम करते हो? क्या तुमने निद्रा, आलस्य, भय, क्रोध, कठोरता और दीर्घसूत्रता; इन छह दोषों को त्याग दिया है या नहीं? इसलिए कि जो स्वयं इनके विपरीत आचरण व व्यवहार करता हो वह कैसे दूसरों से इनकी अपेक्षा का अधिकारी होगा! और उससे भी अधिक महत्व का प्रश्न...

कच्चित् कृतं विजानीषे कर्तारं च प्रशंससि। सतां मध्ये महाराज सत्करोषि च पूजयन्।।

अर्थात् हे महाराज! क्या तुम्हें किसी के किए हुए उपकार का पता चलता है? क्या तुम उस उपकार की प्रशंसा करते हो? साधु पुरुषों से भरी हुई सभा के बीच उस उपकारी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए उसका आदर सत्कार करते हो या नहीं?आशय है हर युग के मुखिया को स्वयं से लगातार ये प्रश्न करते रहना चाहिए। ये दर्पण की भाँति हमें अपने आप को देखना सिखाते हैं। ये प्रश्न अपने आप में सिद्धांत हैं, सूत्र हैं, कर्तव्य हैं और उत्तर भी हैं।

स्मरण रखिए कथा में युधिष्ठिर ने नारदजी को कोई उत्तर नहीं दिया था। जैसे कि सवाल किए जाने पर आजकल के मुखिया तुनककर जवाब देने या सफ़ाई देने लगते हैं।

युधिष्ठिर ने बस इतना ही कहा था, 'एवं करिष्यामि यथा त्वयोक्तं प्रज्ञा हि मे भूय एवाभिवृद्धा।' अर्थात् हे देवर्षि! आपने जैसा उपदेश दिया है, वैसा ही करूँगा। आपके इन 'प्रवचन' से मेरी प्रज्ञा और भी बढ़ गई है।

• डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

धुरंधर जनादेश

समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की समाप्ति के साथ ही 29वें सत्र के लिए चुनावी सरगर्मी प्रारम्भ हो गई थी। भारी उहापोह के बीच चली चुनावी तैयारियों के बाद आखिरकार महासभा के चुनाव निर्विघ्न व शांतिपूर्वक संपन्न हो ही गये। इसमें महासभा के वर्तमान सभापति श्यामसुंदर सोनी को फिर समाज ने समाज के नेतृत्व का जनादेश दिया है। उन्हें व उनकी पूरी कार्यकारिणी को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 29वें सत्र के चुनाव में मतदाताओं ने जिस तरह मौजुदा सभापति श्यामसुंदर सोनी और उनकी पैनल को धुरंधर मतदान किया है, उससे श्री सोनी और उनके साथियों की पहली पारी की सफलता साबित हो गई है। प्रत्यक्ष प्रणाली के माध्यम से चुनकर आए इन समाजसेवियों के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाने वालों के लिये यह जवाब की तरह है, निश्चित तौर से चुनाव प्रेक्षक इस चुनाव की समीक्षा करते हुए अपने तर्क रखें, लेकिन मतदाताओं का फैसला शिरोधार्य करना ही वास्तविक लोकतंत्र की नींव है। इस चुनाव में सोनी पैनल का दोबारा लौटना समाज संगठन के हित में कितना कारगार रहेगा, यह फैसला तो भविष्य में सोनी जी और उनके साथियों द्वारा उठाए जाने वाले कदमों से होगा, लेकिन चुनाव के बाद अपनी दूसरी पारी की शुरुआत करने वाले सोनी जी ने जो भरोसा जताया है, उस पर अडिग रहने की आवश्यकता है।

श्री माहेश्वरी टाइम्स से चर्चा में उन्होंने कहा है कि समाज के निर्बल परिवारों के लिए काम करेंगे। निश्चित ही यह एक जरूरी अहम है। आमतौर पर माहेश्वरी समाज संपन्न और विकसित समाज माना गया है, लेकिन समाज में अभी भी ऐसे कई परिवार हैं, जो कमजोर हैं और मुख्यधारा से दूर हैं, उनका जीवन स्तर भी ऊँचा उठे। इसके लिए महासभा और अन्य सहयोगी संगठनों के माध्यम से संयुक्त पहल हो सकती है। समाज में ऐसे भी संगठन हैं, जो ऐसे परिवारों की चहुंदिशा से मदद कर सकते हैं। संयुक्त मंच पर योजना बनाकर इस दिशा में नई पहल की जा सकती है। महासभा, युवा और महिला संगठन को खासतौर से मिल कर इस काम को हाथ में लेना चाहिए। सोनी जी ने अपने पहले कार्यकाल की अधूरी योजनाओं को भी पूरा करने का भी भरोसा दिया है। निश्चित तौर से यह उनका कर्त्तव्य भी है, लेकिन इसके साथ महासभा को नए लक्ष्य भी तय करना होंगे। खासकर युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार प्रबंध और उन्हें संस्कृति से जोड़े रखने के लिए नया क्या किया जा सकता है? इस पर मंथन करना होगा।

चुनाव में पराजित पक्ष की यह जिम्मेदारी है कि वह नई कार्यकारिणी को अपने स्तर पर सुझाव दें और समाज के उत्थान के लिए किए गये निर्णयों को पूरा करने में भी मदद करें। चुनाव को लेकर मन में किसी प्रकार की गांठ बांधना निरर्थक ही है। माहेश्वरी टाईम्स नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देता है। यह उम्मीद भी कि उन्होंने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने का श्रीगणेश वे शीघ्र करें। सभी को नए कार्यकाल की सफलता के लिए शुभकामनाएं। इधर पश्चिम मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव भी हुए हैं। इस चुनाव से प्रदेश की बागडोर सम्भालने वाली ओमप्रकाश भराणी व उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई।

इस अंक में महासभा के चुनाव की विस्तृत रपट प्रस्तुत है। इसके अलावा अन्य सभी स्थायी स्तंभों के साथ विविध विषयों पर आलेख और पठनीय सामग्री का समावेश भी किया गया है। नववर्ष 2020 की सभी पाठकों एवं सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह अंक आपको कैसा लगा, इससे हमें अवगत कराना न भूलें।

जय महेश

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

स्टील उद्योग में भीलवाड़ा को विशिष्ट पहचान देने वाले ख्यात व्यवसायी श्री नंदलाल नराणीवाल का जन्म 18जून 1958 को चित्तौड़गढ़ जिले की बेगु तहसील के नंदवाई गांव में हुआ था। बचपन से ही पिता श्री बंशीलाल नराणीवाल व माता श्रीमती लाड़बाई से स्नेह के साथ ही मानवीय संवेदना का पाठ भी मिला। इसी का परिणाम है कि न सिर्फ वे मानव सेवा बल्कि मूकपशु-पक्षी सेवा में भी वे सपरिवार समर्पित हैं। श्री नराणीवाल का बचपन अत्यंत अभावों में व्यतीत हुआ। फिर उनका परिवार सन् 1976 में भीलवाड़ा आ गया। यहां श्री नराणीवाल ने पढ़ाई के साथ अपने परिवार के लिये 11 साल तक नौकरी भी की। मेहनती तो वे थे ही, साथ ही पांच छोटे भाइयों का साथ भी मिला और व्यवसाय के पथ पर सतत अग्रसर होते ही चले गये। वर्तमान में श्री नराणीवाल चारभुजा इस्पात के नाम से क्षेत्र में अपना प्रतिष्ठित स्टील व्यवसाय कर रहे हैं। समाज में आपकी प्रतिष्ठा समाज के एक गहन चिंतक के रूप में भी है।

उत्तिष्ठ जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधतः ...

अ.भा. माहेश्वरी महासभा माहेश्वरी समाज की शीर्ष व गरिमामय संस्था है। इसे हमारे पूर्वजों ने अपने सेवाभाव व समर्पण से सींचा है। गत दिनों सम्पन्न हुए महासभा के 29 वें सत्र के चुनावों के पश्चात् नवनिर्वाचित समस्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनसे अपेक्षा भी करता हूँ कि वे इस गरिमामय संगठन की प्रतिष्ठा बढ़ाते हुए चुनावी मतभेदों से परे हटकर समाज के सर्वांगीण विकास के लिये कार्य करेंगे। वास्तव में वे यदि चाहें तो बहुत कुछ कर सकते हैं, क्योंकि वर्तमान में महासभा की बागडोर अधिकांशतः युवा वर्ग के हाथ में है। युवा वर्ग में वह शक्ति होती है, जो कोई भी परिवर्तन करने की सामर्थ्य रखती है और जब अवसर सकारातमक परिवर्तन का मिला हो तो निःसंदेह जो होगा, वह सकारात्मक ही होगा।

अब मैं समाज के युवा वर्ग से कहना चाहता हूँ कि युवा शक्ति देश व समाज की रीढ़ होती है अर्थात् युवा ही किसी भी देश या समाज को उनति के नये शिखर पर ले जाते हैं। युवा य दि देश का वर्तमान हैं, तो भूतकाल व भविष्य काल का सेतु भी। अतः उन पर जिम्मेदारी भी तीन गुना अधिक होती है। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का ही होता है। सभी युवाओं को अपनी आंखों में इंद्रधनुषी स्वप्न अवश्य देखने चाहिये, क्योंकि उनके ये स्वप्न ही साकार होने पर भविष्य का सृजन करेंगे।

इतिहास गवाह है कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी युवाओं ने अपनी शक्ति का परिचय दिया था और नतीजा क्या रहा, सबके सामने है। परंतु वर्तमान में देखने में आ रहा है कि युवाओं में नकारात्मकता जन्म ले रही है। उनमें धैर्य की कमी है। वे हर वस्तु अतिशीघ्र प्राप्त कर लेना चाहते हैं। वे आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम की बजाय शॉर्टकट खोजते हैं। आधुनिक चकाचौंध उन्हें प्रभावित करती है। उच्च पद, धन-दौलत और ऐश्वर्य पूर्ण जीवन उनका आदर्श बन गये हैं। अपने इस चकाचौंध भरे लक्ष्य को प्राप्त करने में वे जब असफल हो जाते हैं, तो उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है। युवाओं की इस नकारात्मकता को सकारात्मकता में परिवर्तित करना होगा।

मेरा समाज के सभी युवाओं को यही संदेश है ''उत्तिष्ठ जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधतः''। अर्थात् ''उठो जागो और तब तक मत रुकों जब तक अपने लक्ष्य तक न पहुंच जाओ''। याद रखें किसी कार्य की सफलता के लिये अच्छी शुरुआत तो जरूरी है ही, साथ ही निरंतर प्रयास भी जरूरी हैं और वे भी तब तक जब तक हम अपने इच्छित लक्ष्य को प्राप्त न कर लें। यदि शुरुआत करने के पश्चात् हम रुक जाते हैं, तो लक्ष्य हमसे बहुत दूर रह जाता है। समय की गति से वह कई बार ऐसी स्थिति में हमारी पहुंच से भी दूर हो जाता है। अतः जो भी करें पूर्ण ईमानदारी से करें। याद रखें सफलता का सूत्र सिर्फ ईमानदारी से प्रयास करना मात्र है, इसका कोई ''शार्टकट'' नहीं होता।

अंत में मैं समस्त समाजजनों व स्नेहील पाठकों को नववर्ष 2020 की शुभकामनाऐं देता हूँ और उनके तथा उनके परिवार के लिये यह नववर्ष मंगलमय हो, ऐसी भगवान महेश से प्रार्थना करता हूँ।

नन्दलाल नरानीवाल, भीलवाड़ा
अतिथि सम्पादक

बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ

श्यामसुंदर जी सोनी

संदीप जी काबरा

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 29वें सत्र के लिए
सभापति पद हेतु श्री श्यामसुंदर जी सोनी
एवं महामंत्री पद हेतु श्री संदीप जी काबरा
सम्पन्न हुए चुनाव में प्रचंड बहुमत से दूसरी बार विजयी हुए।

यह विजय आपके समर्थन,
आप सबके सेवाभाव व कर्मठ कार्यशैली की है।
मैं आपको व आपके सभी साथियों को हार्दिक बधाई देते हुए
आपका अभिनन्दन करता हूँ।
मुझे पूर्ण विश्वास है कि
आगामी सत्र में भी आपका सामाजिक कार्य कीर्तिमान रहेगा।

नथमल डालिया
पूर्व उपसभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी बोर्ड

श्री नवासन माताजी

टीम SMT

श्री नवासन माताजी माहेश्वरी समाज की नुवाल और खुवाल खाँप की कुलदेवी है।

श्री नवासन माताजी का मंदिर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गंगापुर के समीप रायपुर ग्राम में स्थित है। मंदिर तो अधिक पुराना नहीं है लेकिन प्रतिमा प्राचीन बताई जाती है। इस मंदिर में माताजी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है। माहेश्वरी समाज के साथ ही स्थानिय निवासी भी मातजी के प्रति विशेष श्रद्धा रखते है और नवरात्रि में यहाँ विशेष आयोजन होता है।

पूजा विधि

यहाँ माताजी के पूजन में चुनरी, कुंकु, चाँवल, नारियल, काजल, मोली व मेहन्दी चढ़ाई जाती है। माताजी को विशेष रूप से लापसी का भोग लगाया जाता है।

कैसे पहुँचें

भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से रायपुर ग्राम तक पहुँचा जा सकता है। यह गाँव गंगापुर के समीप है और भीलवाड़ा से ८० कि.मी. दूर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिये रायपुर गाँव तक बस सुविधा उपलब्ध है।

कहाँ ठहरें-

ठहरने के लिये गंगापुर में धर्मशाला, लॉज आदि उपलब्ध है। उत्तम श्रेणी की होटल भीलवाड़ा में उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-

श्री माणकलाल जगदीशचन्द्र नुवाल
बड़े मंदिर के पास ग्राम व पोस्ट-रायपुर
जिला भीलवाड़ा, फोन.- 01481-230058

विनम्र आभार...

सेवा संकल्प के इस मार्ग पर
चलने के लिए मुझ पर किये गए
विश्वास और समाज के विकास के लिए
आपके समर्पण को मैं प्रणाम करता हूँ
फिर आप सभी के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष
प्यार, उत्साह और समर्थन के लिए आभार.

नववर्ष की सभी समाजजनों को
हार्दिक शुभकामनाएँ

कमल किशोर लड्ढा

कार्यसमिति सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पश्चिमी मध्यप्रदेश

Harish Chandak
Mo. : 9100713837

समस्त समाज बन्धुओं को
नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएं

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises

(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS | ALMONARD | HAVELL'S | khaitan | USHA | ANCHOR by Panasonic | Goldmedal | V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

अ.भा. माहेश्वरी महासभा निर्वाचन सत्र 29

मतदाताओं ने लगाई 'फिर वही' पर 'मुहर'

महासभा की बागडोर फिर सम्भालेंगे श्यामसुन्दर सोनी

समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सत्र 29 को लेकर हो रहे चुनावों की सरगर्मी व ऊहापोह अब चुनाव परिणाम के साथ समाप्त हो गई है। गत 22 दिसंबर को हुए चुनाव में मतदाताओं ने 'फिर वही' या 'परिवर्तन' के बीच अपनी मुहर 'फिर वही' पर लगाकर वर्तमान सभापति श्यामसुंदर सोनी को फिर समाज के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपकर अपने कार्यकाल के अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का अवसर दिया है। उनके पैनल को भी कार्यकारिणी के मतदान होने वाले 12 पदों में से 10 पदों पर एक तरफा बढ़त मिली है।

उपसभापति

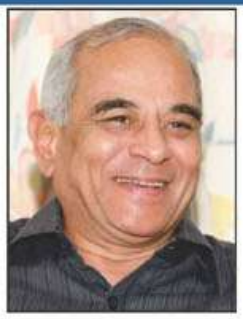

संयुक्त मंत्री

अभा माहेश्वरी महासभा के नवीन 29वें सत्र हेतु गत 22 दिसंबर को हुए चुनावों की तैयारी 90 दिवस पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी प्रकाशचंद बाहेती के निर्देशन में प्रारंभ हो गई थी। इस बार ये चुनाव कुछ ऊहापोह वाली स्थितियों में हुए। सर्वप्रथम तो चुनाव के बजाए चयन के प्रयास किए गए। जब इस कार्य में किन्हीं कारणवश सफलता नहीं मिल पाई तो चुनावी बिगुल बजा दिया गया। इस चुनाव में महासभा के वर्तमान सभापति श्यामसुंदर सोनी के नेतृत्व वाली सोनी पैनल तथा इंदौर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी रामअवतार जाजू के नेतृत्व वाली पैनल आमने-सामने थी। पश्चिमांचल उपसभापति पद के लिए एकमात्र कोटा निवासी राजेशकृष्ण बिरला ही प्रत्याशी थे। अतः इस चुनाव में श्री बिरला निर्विरोध निर्वाचित हुए। सोनी पैनल ने सभापति सहित समस्त 13 पदों में से 11 पदों पर अपनी एकतरफा जीत का परचम लहरा दिया। जाजू पैनल से केवल मध्यांचल में उपसभापति पद पर त्रिभुवन काबरा तथा संयुक्त मंत्री पद पर विजय राठी ही निर्वाचित हो सके।

इस बार हुआ 5 स्थानों पर मतदान

अभा माहेश्वरी महासभा का यह सम्पन्न चुनाव गत चुनावों की तुलना में कुछ अलग ही रहा। अभी तक के चुनावों में मतदान एक ही स्थान पर होता था। इसके लिए समस्त कार्यकारी मंडल सदस्य वहीं पर एकत्र होते थे और एक ही दिन एक ही स्थान पर मतदान करते थे। इससे व्यवस्थाओं व आवागमन को लेकर भारी समस्या आती थी। इसके लिए समाज की एक बड़ी धनराशि आगंतुकों के ठहरने खाने-पीने तथा इतने लोगों की अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च होती थी। मतदाता भी लंबी दूरी तयकर उस स्थान तक पहुंचते थे। इस बार इन परेशानियों का हल 5 अंचलों में 5 मतदान केंद्र बनाकर निकाला। इसके अनुसार पूर्वांचल में कोलकाता, उत्तरांचल में फरीदाबाद, पश्चिमांचल में भीलवाड़ा, मध्यांचल में नागपुर तथा दक्षिणांचल में नासिक में मतदान करवाया गया। इससे मतदाताओं को उनके अंचल में ही मतदान की सुविधा प्राप्त हो गई। चुनाव परिणाम की घोषणा मतदान के ठीक पश्चात हुई मतगणना के बाद सभी मतदान केंद्र के कुल परिणाम के आधार पर चुनाव अधिकारी द्वारा की गई।

फिर सभापति बने श्यामसुंदर सोनी

अभा माहेश्वरी महासभा के शीर्ष सभापति पद पर महासभा के वर्तमान 28वें सत्र के सभापति श्यामसुंदर सोनी 29वें सत्र हेतु पुनः उम्मीदवार थे। इस पद पर उनकी चुनावी टक्कर इंदौर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी रामअवतार जाजू से थी। वास्तव में उन दोनों के बीच चुनाव का मुख्य मुद्दा 'फिर वही' या 'परिवर्तन' था। श्री सोनी अपने 28वें सत्र की अधूरी योजनाओं को पूर्ण करने के उद्देश्य को लेकर चुनावी मैदान में उतरे थे, तो श्री जाजू समाज के लिए कुछ नया करने के लिए। इसमें मतदाताओं ने 'फिर वही' पर मुहर लगाकर श्री सोनी को अपनी अधूरी योजनाएं पूर्ण करने का पुनः अवसर दे दिया। इस चुनाव में कुल 884 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें श्यामसुंदर सोनी 507 मत प्राप्त कर विजयी रहे। श्री जाजू 370 मत प्राप्त कर 137 मतों से पीछे रह गए।

श्री सोनी की सेवा यात्रा

श्री सोनी 27वें सत्र में महामंत्री रहे एवं 28वें सत्र में सर्वसम्मति से सभापति निर्वाचित हुए। वैसे तो वे इस पद पर 3 वर्ष अपनी सेवा दे चुके हैं, लेकिन उनका सपना था, अपने द्वारा प्रारंभ योजनाओं को पूरा करना। श्री सोनी पूर्व सभापति रामपाल सोनी की तरह सतत् दूसरे सत्र के लिए चुनावी मैदान में उतरे थे। बीटेक तक उच्च शिक्षा प्राप्त श्री सोनी व्यावसायिक रूप से उद्यमी हैं। अपनी सेवा यात्रा के प्रारंभ में युवा संगठन के 18वें सत्र के दौरान कार्यसमिति सदस्य के रूप में जुड़े तो फिर युवा संगठन विदर्भ प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष, राष्ट्रीय अर्थमंत्री तथा 20वें सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इसके पश्चात महासभा से भी जुड़े तथा 21वें सत्र में विदर्भ प्रादेशिक सचिव, 22वें सत्र में महासभा के कार्यसमिति सदस्य, 23वें सत्र में संगठन मंत्री तथा गत 24वें व 26वें सत्र में महामंत्री रहे। युवा संगठन से जुड़ाव के कारण श्री सोनी की प्रतिष्ठा युवा वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में रही है। इसके पश्चात महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में भी सभापति के रूप में सेवा दे रहे थे।

''सभी के आग्रह को मैं टाल न सका''

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र के सभापति के रूप में मेरी समाज के प्रति कई जिम्मेदारियाँ थीं। इन्हें पूर्ण करने के लिये इन तीन वर्षों में देशभर में 800 से अधिक कार्यक्रमों में शामिल हुआ। इनके कारण अधिकांश समय घर-परिवार से दूर रहन पड़ा। ऐसे में जब साथियों व कार्यकारी मंडल सदस्यों ने मेरे सामने पुनः सभापति पद स्वीकारने का प्रस्तव रखा तो मेरे लिये निर्णय लेना अत्यंत मुश्किल था। आखिर इन तीन साल के बाद फिर से तीन साल समाज को समर्पित करना थे। निर्णय लेना तो मुश्किल था, लेकिन परिवार व माता-पिता का आशीर्वाद साथ था, तो फिर से हिम्मत जुटा ली। मन में जज्बा भी था, समाज के गरीब परिवारों के उत्थान के लिये कुछ करने का। मुझे खुशी है कि मुझे इस कार्यकाल में भी बहुत ही योग्य साथियों का साथ मिला है। गत सत्र से पूर्व अपने इन पदाधिकारियों के साथ मैंने कभी काम नहीं किया था। वे चुनकर आये थे, तो अपनी योग्यता से ही चुनकर आये थे। अपनी अधूरी योजना ही नहीं बल्कि अपनी हर घोषणा को हम शीघ्र ही पूर्ण करेंगे।

- श्यामसुंदर सोनी

नवनिर्वाचित सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

संदीप काबरा

महामंत्री

अभा माहेश्वरी महासभा के इस महत्वपूर्ण पद के लिए मतदाताओं ने अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में निर्विरोध महामंत्री रहे संदीप काबरा को जनादेश दिया है। इस पद के लिए उनकी पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर मंत्री से कड़ी टक्कर थी। दोनों की ही अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अच्छी छवि थी, फिर भी मतदाताओं ने श्री काबरा की सेवाओं का सम्मान करते हुए उन्हें इस पद पर समाज की सेवा करने का अवसर दिया है। सोनी पैनल के श्री काबरा इस पद पर कुल 932 मतों में से 557 मत प्राप्त कर विजयी रहे। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री मंत्री 317 मत प्राप्त कर 240 मतों से पीछे रह गए। इसमें 10 मत निरस्त हुए।

श्री काबरा महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में महामंत्री हैं तथा 27वें सत्र में संगठन मंत्री एवं महासभा के 26वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य रहे हैं। वर्ष 2010-12 में अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में प्रबंध समिति सदस्य, वर्ष 2000-09 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन में कार्यकारी मंडल सदस्य, वर्ष 1992-2000 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन व वर्ष 1992-2000 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारी मंडल सदस्य, वर्ष 2000-03 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन कार्यसमिति सदस्य, माहेश्वरी पंचायत जोधपुर सदस्य तथा श्री माहेश्वरी भवन जोधपुर में प्रबंध समिति सदस्य, वर्ष 2007-12 में भी माहेश्वरी पंचायत सभा जोधपुर में सहवृत सदस्य रहे हैं। श्री काबरा ने महासभा के 27वें सत्र के संगठन मंत्री के रूप में महासभा की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी का नतीजा था कि उन्हें 28वें सत्र में सर्वसम्मति से महामंत्री निर्वाचित किया गया। वर्तमान सत्र में उन्होंने महामंत्री पद की जो सफलता पूर्वक जिम्मेदारी निभाई। अब मतदाताओं ने उन्हें इसीलिये पुनः जनादेश दिया है।

आर.एल. काबरा

अर्थमंत्री

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से मुंबई निवासी सीए माणकचंद काबरा व सोनी पैनल के मुंबई निवासी सीए तथा महासभा के वर्तमान अर्थमंत्री रामेश्वर काबरा के बीच कड़ी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने सोनी पैनल के रामेश्वरलाल काबरा को जनादेश दिया। इसमें श्री काबरा को कुल 932 मतों में से 503 मत प्राप्त हुए। पराजित प्रतिद्वंद्वी श्री काबरा मात्र 376 मत प्राप्त कर 127 मतों से पीछे रह गए। 68 वर्षीय श्री काबरा डायरेक्ट लॉ, इंटरनेशनल टैक्स प्लानिंग, कंपनी लॉ, कार्पोरेट टैक्सेशन, पब्लिक व प्राइवेट सेक्टर ऑडिट्स आदि क्षेत्र के एक ऐसे विशेषज्ञ हैं, जिनकी विशेषज्ञता का लाभ 35 से अधिक देशों के उनके क्लाइंड ले रहे हैं। इतना ही नहीं देश की कई ख्यात बैंकें ही नहीं बल्कि शासन ने भी उनकी विशेषज्ञता का सम्मान करते हुए आवश्यकता होने पर हमेशा ही उनकी सेवा ली है। महासभा को भी इन्होंने अपनी ऐसी ही विशिष्ट सेवाएं देने का अपने कार्यकाल में प्रयास किया है। अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद श्री काबरा समाजसेवा में अपना योगदान देने में भी कभी पीछे नहीं रहे। मतदाताओं ने उनकी इन्हीं सेवाओं का सम्मान करते हुए उन्हें पुनः अवसर प्रदान किया है।

अजय काबरा

संगठनमंत्री

इस पद के लिए जाजू पैनल के प्रत्याशी अभा माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष कमल भूतड़ा तथा अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र के संगठन मंत्री अजय काबरा के बीच कड़ी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने श्री काबरा की सेवा का सम्मान करते हुए उन्हें पुनः जनादेश दिया है। इस चुनाव में श्री काबरा को कुल 932 मतों में से 490 मत प्राप्त हुए। श्री भूतड़ा 384 मत प्राप्त कर 106 मतों से पीछे रहे गए। महासभा के गत दो सत्रों में श्री काबरा कार्यकारी मंडल सदस्य रहे हैं। उनको समाज संगठन में जब उत्तरांचल के संयुक्त मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई, जो उन्होंने बखूबी निभाई थी। श्री काबरा अभा माहेश्वरी महासभा में वर्तमान में संगठन मंत्री हैं और इससे पूर्व 27वें सत्र में संयुक्त मंत्री उत्तरांचल रहे हैं। कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में 25वें सत्र से महासभा को अपनी सेवा दे रहे हैं। श्री बांगड़ मेडिकल माहेश्वरी वेलफेयर सोसायटी को गोल्ड सदस्य तथा अभा माहेश्वरी एजुकेशन ट्रस्ट दिल्ली को ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। वर्ष 2007-2010 तक पूर्वी उप्र माहेश्वरी सभा के प्रदेश मंत्री तथा वर्ष 2010-2013 में श्री महेश सेवा प्रादेशिक ट्रस्ट पूर्वी (उप्र) के सचिव रहे हैं।

पूर्वांचल

कैलाश काबरा
उपसभापति

इस पद के लिए जाजू पैनल के रांची निवासी पवनकुमार मंत्री तथा सोनी पैनल के प्रत्याशी गुवाहाटी निवासी कैलाश काबरा के बीच चुनावी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने श्री काबरा की सेवाओं का सम्मान करते हुए सेवा पथ पर उनका विजय तिलक किया। इसमें श्री काबरा कुल 147 में से 115 मत प्राप्त कर विजयी रहे। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री मंत्री मात्र 32 मत प्राप्त कर 83 मतों से पीछे रहे गए। श्री काबरा खाद्य तेल के वृहद व्यवसाय व उद्योग से संबंधित हैं। श्री काबरा स्वयं तो गत 30 वर्षों से सतत रूप से समाज को अपनी समर्पित सेवा दे ही रहे हैं, साथ ही उनकी धर्मपत्नी सरला काबरा भी अपना सक्रिय योगदान दे रही हैं। श्रीमती काबरा स्थानीय महिला समिति तथा पूर्वोत्तर स्तर पर मंत्री रही हैं और वर्तमान में अभा माहेश्वरी महिला संगठन में पूर्वांचल की उपाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने लगातार दो सत्रों तक अभा मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्ष के रूप में भी सराहनीय योगदान दिए हैं।

श्यामसुंदर राठी
संयुक्त मंत्री

इस पद के लिए जाजू पैनल के पुरुषोत्तमदास मूंधड़ा तथा सोनी पैनल के श्यामसुंदर राठी के बीच चुनावी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने श्री राठी को अपना जनादेश देकर पूर्वांचल के विकास का ध्वज सौंपा है। श्री राठी कुल 147 में से 87 मत प्राप्त कर विजयी रहे। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री मूंधड़ा मात्र 60 मत प्राप्त कर 27 मतों से पीछे रह गए।

श्री राठी कोलकाता में अपने व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में आपकी छवि एक ऐसे समाजसेवी के रूप में है, जिनमें विशिष्ट प्रबंधन क्षमता है। श्री राठी अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य में रूप में सेवा दे रहे हैं व माहेश्वरी सभा हावड़ा के अध्यक्ष भी हैं। माहेश्वरी सभा हावड़ा को श्री राठी मंत्री तथा उपाध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुके हैं। महासभा के 25वें सत्र से लेकर 28वें सत्र तक कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में सेवा दे चुके हैं। माहेश्वरी युवा मंच हावड़ा को अध्यक्ष तथा वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन को उपाध्यक्ष तथा कोषाध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं।

उत्तरांचल

अशोक सोमानी
उपसभापति

इस पद के पर जाजू पैनल की ओर से बुलंदशहर के प्रेमचंद माहेश्वरी तथा सोनी पैनल की ओर से रेवाड़ी (हरियाणा) निवासी अशोक सोमानी के बीच चुनावी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने श्री सोमानी को जनादेश देकर उत्तरांचल की कमान पुनः सौंपी है। इसमें श्री सोमानी 129 कुल मतों में से 104 मत प्राप्त कर विजयी रहे। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री माहेश्वरी मात्र 22 मत प्राप्त कर 82 मतों से पराजित हो गए। अशोक सोमानी क्षेत्र के प्रतिष्ठित स्टोन निर्यातक हैं। इसके साथ ही वे सोमानी पब्लिक स्कूल का संचालन भी कर रहे हैं। समाज में उनकी विशिष्ट पहचान एक ऐसे समर्पित समाजसेवी के रूप में है, जिन्होंने अपने प्रदेश संगठन 'हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा' को दो सत्रों में प्रदेशाध्यक्ष के रूप में सेवा दी है। सोनी पैनल में श्री सोमानी की पहचान उनकी पैनल के प्रमुख सेनानायकों में से एक है। उनके द्वारा वर्तमान में दी गई सेवाएं इस चुनाव में निर्णायक साबित हुईं। हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सतत दो सत्र तक प्रदेशाध्यक्ष रहे। वर्ष 2010 से अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य हैं।

विनीत केला
संयुक्त मंत्री

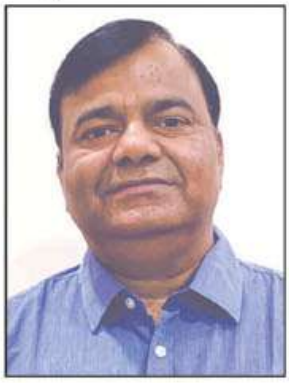

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से कानपुर निवासी केदारनाथ चांडक तथा अलीगढ़ निवासी विनीत केला के बीच चुनावी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने श्री केला को जनादेश देकर इस पद पर आसीन किया है। चुनाव में श्री केला 129 मतों में से 82 मत प्राप्त हुए। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री चांडक 42 मत प्राप्तकर 40 मतों से पीछे रह गए।

श्री केला स्वरूप फार्मास्युटिकल प्रालि, मेनसेफ हेल्थकेयर प्रालि, श्री जगदंबा आईस एंड कोल्ड स्टोरेज तथा श्री जगदंबा फिलिंग स्टेशन आदि व्यवसायों का संचालन कर रहे हैं। वे अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद लंबे समय से समाज को अपना यथासंभव योगदान देते आए हैं। अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही जिला माहेश्वरी सभा अलीगढ़ को अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। समाज में उनकी छवि एक ऐसे समाजसेवी के रूप में है, जिन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई, उन्होंने वह निभाने का प्रयास किया। उनकी इन्हीं सेवाओं का मतदाताओं ने सम्मान किया है।

पश्चिमांचल

राजेशकृष्ण बिरला
उपसभापति

मध्यांचल उपसभापति पद पर कोटा निवासी राजेशकृष्ण बिरला निर्विरोध प्रत्याशी थे। अतः उनका इस पद पर आसीन होना तो बिल्कुल तय ही था। महासभा निर्वाचन के 14 पदों में से मात्र इसी पद पर निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बनी थी। श्री बिरला की पहचान राजस्थान के वरिष्ठ सहकार नेता के रूप में है। आप कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय युवा सांसद व वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सबसे बड़े भ्राता हैं। छात्र राजनीति में राजकीय महाविद्यालय कोटा से सन 1971 में कक्षा प्रतिनिधि बनने के बाद विधायक स्व. श्री हरीश शर्मा के छात्रसंघ में कार्यकारिणी सदस्य रहे। सन् 1977-78 में राजकीय महाविद्यालय कोटा में हिस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1978-79 में राजकीय महाविद्यालय कोटा के छात्रसंघ में वाइस प्रेसिडेंट रहे। वर्ष 1984-85 में माहेश्वरी समाज कोटा के मंत्री रहे। वर्ष 1991-98 तक श्री हितकारी विद्यालय सहकारी शिक्षा समिति लि. कोटा के अध्यक्ष रहे। आपकी लोकप्रियता के कारण आप माहेश्वरी मंडल, दादाबाड़ी, कोटा के गत 30 वर्षों से लगातार अध्यक्ष पद पर आसीन हैं। वर्ष 1978-80 तक जनता युवा मोर्चा के शहर महामंत्री एवं 1980-86 तक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य रहे।

कैलाश सोनी
संयुक्त मंत्री

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से अजमेर निवासी सुनीलकुमार मूंदड़ा तथा सोनी पैनल की ओर से कैलाश सोनी में कड़ी टक्कर थी। इसमें मतदाताओं ने श्री सोनी को बहुमत प्रदान कर जनादेश दिया है। इसमें हुए कुल 211 मतदान में से श्री सोनी को कुल 132 मत प्राप्त हुए। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री मूंदड़ा 79 मत प्राप्त कर 53 मतों से पीछे रह गए । व्यावसायिक रूप से श्री सोनी 'बॉल बैरिंग तथा रोड कन्स्ट्रक्शन व माईनिंग में उपयोग में आने वाली हेवी अर्थ मूविंग मशीन्स के स्पेयर पार्ट्स से संबंधित हैं। वर्तमान में आपके दिल्ली व जयपुर आदि स्थलों पर कार्यालय हैं।श्री सोनी अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद समाज संगठन में हमेशा ही सक्रिय सहयोग देते आए हैं। वर्तमान में श्री सोनी जयपुर जिला माहेश्वरी सभा के आजीवन सदस्य तथा अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र के कार्यकारी मंडल तथा पदेन कार्यसमिति सदस्य हैं। वर्ष 2012-2016 में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री तथा वर्ष 2016-2019 में प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर को सत्र 2012-2016 तथा 2016-2020 तक मंत्री तथा 27वें सत्र में भी कार्यकारी मंडल सदस्य रहे हैं।

दक्षिणांचल

अशोक बंग
उपसभापति

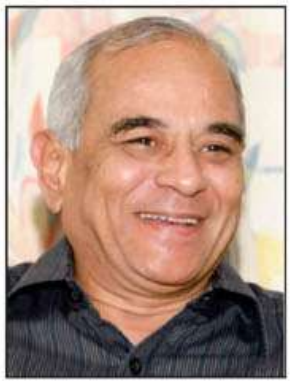

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से पांडिचेरी निवासी विनयकिशोर कासट तथा सोनी पैनल की ओर से नासिक निवासी अशोक बंग के बीच चुनावी मुकाबला था। इसमें मतदाताओं ने श्री बंग की सेवाओं का सम्मान करते हुए उन्हें जनादेश दिया है। इस पद के लिए हुए कुल 201 मतदान में से श्री बंग को कुल 138 मत प्राप्त हुए। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री कासट 61 मत प्राप्त कर 77 मतों से पराजित हो गए। पुणे विश्वविद्यालय से वर्ष 1974 में एम.बी.ए. की उपाधि प्राप्त श्री बंग पैकेजिंग उद्योग तथा कंस्ट्रक्शन व्यवसाय से संबंधित हैं। अपने प्रयासों से श्री बंग ने व्यावसायिक जगत में एक अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की। माहेश्वरी समाज संगठनों से सतत् जुड़ाव है। समाज संगठन से श्री बंग वर्ष 1980 से तब से सम्बद्ध हैं, जब महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की स्थापना हुई थी। समाज ने जो भी जिम्मेदारी दी, उसे उन्होंने निभाया। स्थानीय संगठन में श्री बंग नाशिक माहेश्वरी युवक मंडल तथा नाशिक जिला माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री अध्यक्ष रहे है। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा को संगठन मंत्री के रूप में अपनी सेवा दी और इसके बाद अ.भा. माहेश्वरी महासभा से कार्यसमिति सदस्य के रूप में सम्बद्ध हो गये।

सुरेंद्र मानधने
संयुक्त मंत्री

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से जुगलकिशोर लोहिया तथा सोनी पैनल की ओर से सुरेंद्र मानधने के बीच कड़ा मुकाबला था। इसमें मतदाताओं ने श्री मानधने की सेवाओं का सम्मान करते हुए सेवा पथ का जनादेश दिया है। इस चुनाव में श्री मानधने को कुल 201 में से 120 मत प्राप्त हुए। श्री लोहिया 78 मत प्राप्त कर 42 मतों से पीछे रह गए। श्री मानधने वर्ष 2008 में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए और इसके बाद अपना पूरा जीवन समाज को ही समर्पित कर दिया। सेवानिवृत्ति से पूर्व वर्ष 2003 से 2004 तक माहेश्वरी प्रगति मंडल नवी मुंबई के अध्यक्ष रहे। वर्ष 2008-11 तक पुनः इसी संस्था के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2011 से 2016 तक थाना जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष तथा वर्ष 2016 से वर्तमान तक महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष (कोकण विभाग) के रूप में सेवा दे रहे हैं। अभा माहेश्वरी महासभा को 26वें सत्र से कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में तथा 28वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवाएँ दीं।

त्रिभुवन काबरा

उपसभापति

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से वडोदरा निवासी त्रिभुवन काबरा तथा सोनी पैनल की ओर से अहमदाबाद (गुजरात) निवासी बाबूप्रसाद खटोड़ चुनावी मैदान में थे। इस कड़ी टक्कर में मतदाताओं ने श्री काबरा को जनादेश देकर विजय तिलक किया है। इसमें श्री काबरा कुल 196 मतों में से 98 मत प्राप्त कर विजयी हुए। एक मत निरस्त हुआ। इस प्रकार उनके प्रतिद्वंद्वी श्री खटौड़ 97 मत प्राप्त कर मात्र एक मत से पीछे रहे। व्यावसायिक रूप से श्री काबरा आरआर ग्लोबल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन के रूप में देश-विदेश में एक सफल बिजनेसमैन के रूप में ख्याति प्राप्त व्यक्तित्व हैं। आपको आदर से स्नेहीजनों द्वारा भाईजी के नाम से संबोधित किया जाता है। श्री काबरा को समाजसेवा विरासत में मिली है। पिता श्री रामेश्वरदयाल काबरा तथा माता श्रीमती रत्नादेवी काबरा समाज सेवा के क्षेत्र में ऐसा जाना माना नाम हैं, जिनकी सेवाओं के सामने हर कोई नतमस्तक हो जाता है। अतः पारिवारिक रूप से ही उन्हें समाजसेवा सौगात के रूप में मिली है। आप सदैव निःस्वार्थ भाव से समाज को अपनी सेवा देते रहे हैं। वर्तमान में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष तथा महेश सेवा ट्रस्ट संरक्षक के रूप में सेवा दे रहे हैं। वर्ष 1986-90 तक माहेश्वरी समाज वडोदरा मंत्री तथा वर्ष 1991-94 में अध्यक्ष रहे हैं। वर्ष 2013-16 तक गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा (दक्षिण) के सहमंत्री के रूप में सेवा दे चुके

विजय राठी

संयुक्त मंत्री

इस पद पर जाजू पैनल की ओर से इटारसी निवासी विजय राठी तथा सोनी पैनल के भोपाल (मप्र) निवासी लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी में टक्कर थी। इसमें श्री राठी को मतदाताओं ने जनादेश देकर सेवा का अवसर दिया है। इस चुनाव में श्री राठी को कुल 196 मतों से में 116 मत प्राप्त हुए। उनके प्रतिद्वंद्वी श्री माहेश्वरी 76 मत प्राप्त कर 40 मतों से पीछे रह गए। पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी के परिवार से होने के कारण श्री राठी को समाजसेवा विरासत में ही मिली है। व्यावसायिक रूप से वृहद रूप से वेयर हाउस संचालन से संबद्ध श्री राठी मध्यक्षेत्रीय वेयर हाउस ऑनर्स एसोसिएशन मप्र के अध्यक्ष हैं। कन्फेडेरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के नर्मदांचल सभा अध्यक्ष के साथ ही ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, होशंगाबाद जिला रेडक्रॉस सोसायटी सदस्य तथा रोटरी क्लब इटारसी डिस्ट्रिक्ट 3040 के सदस्य भी हैं। होशंगाबाद हरदा जिला शिक्षा ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा गंगाधर बंशीलाल राठी चेरिटेबल ट्रस्ट चेन्नई के संचालक हैं। श्री राठी वर्तमान में मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष के साथ महासभा को पदेन कार्यसमिति सदस्य के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। अभा माहेश्वरी महासभा से वर्ष 1997 में 23वें सत्र से सतत रूप से कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में संबद्ध हैं। श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई के सदस्य, मप्र महेश सेवा ट्रस्ट से ट्रस्टी तथा श्री गंगाधर बंशीलाल राठी चेरिटेबल ट्रस्ट चेन्नई के संचालक के रूप में संबद्ध होकर राठी हास्पिटल इटारसी का संचालन कर रहे हैं।

महिला व बुजुर्गों का सम्मान हमारा दायित्व

नागपुर. पिछले अनेक वर्षों से सामाजिक, पर्यावरण, खेल, आरोग्य, विज्ञान, कला, साहित्य, लेखन, पत्रकारिता, रोजगार तथा अन्य विषयों पर जिनका समाज में विशेष सहयोग योगदान रहा है, उन्हें नेशनल जीरो माइल ग्रेट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष नेशनल जीरो माईल ग्रेट अवॉर्ड 2019 में देश की विभिन्न विभूतियों को शंकर नगर चौक स्थित महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा संकुल, बाबूराव धनवटे सभागृह में जीरो माईल फाउंडेशन एवं न्यू श्रमजीवी पत्रकार संघ राष्ट्रीय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। अनेकों अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लेखक व वरिष्ठ समाजसेवी शरद गोपीदासजी बागड़ी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता में की। कार्यक्रम के अध्यक्षीय संबोधन में श्री बागड़ी ने कहा कि समाज में अच्छा या बुरा बदलाव धीरे-धीरे आता है। हर गलती के पीछे कई कारण होते हैं। आज सबसे ज्यादा जरूरी है, अपनी संस्कृति व संस्कार की पुनर्स्थापना करना। आज की पीढ़ी में महिला व बुजुर्गों के प्रति सम्मान उत्पन्न करना जरूरी है।

जिला सभा के चुनाव संपन्न

रतलाम. निर्विरोध निर्वाचन की परंपरा के अनुसार जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव निर्वाचन अधिकारी सीए गोपाल बाबानी, उपअधिकारी राधेश्याम तोतला एवं प्रदेश पर्यवेक्षक डॉ. वासुदेव काबरा बड़नगर आदि के संयोजन में संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष सुनील डांगरा रतलाम, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश झंवर, हरिगोपाल सारड़ा जावरा, सचिव कमलनयन राठी रतलाम, संगठन मंत्री प्रकाशचंद्र राठी सुखेड़ा, संयुक्त सचिव राजेंद्र मूंदड़ा बड़ावदा, प्रकाश सोमानी सरवन, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता नरेंद्र चौखड़ा रतलाम तथा प्रचार मंत्री गोविंद झंवर (पंकज) सरवन चुने गए। कार्यसमिति सदस्यों का चयन भी हुआ।

गौमाता चुनरी मनोरथ आयोजित

अमरावती. स्थानीय एकवीरा देवी अमरावती प्रांगण स्थित गोरक्षण में गत दिनों स्वयंसिद्धा माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से गौमाता चुनरी मनोरथ मनाया गया। सर्वेदेवाः स्थिते देहे सर्वदेवमयी दी गौ अर्थात गाय की देह में समस्त तैतीस कोटी देवता का वास है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंडल की कार्यकारिणी हीरा चांडक, वर्षा जाजू, उमा राठी, ज्योति भंडारी, राधा करवा, दुर्गा जाजू, सरला गांधी आदि ने सप्त गौमाता को चुनी ओढ़ाई और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल अध्यक्ष हीरा चांडक, सचिव वर्षा जाजू, राधा करवा, उमा राठी, दुर्गा हेड़ा, ज्योति भंडारी, सरला गांधी आदि ने अथक परिश्रम किया।

इंसान को इंसान धोखा नहीं देता है,
बल्कि वो उम्मीदें धोखा देती है
जो वो दूसरों से रखता है।

महाराष्ट्र प्रदेश सभा के चुनाव संपन्न

संगमनेर. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के सत्र 2019-22 के चुनाव में प्रदेशाध्यक्ष पद पर श्रीकिसन भंसाली का निर्विरोध चयन हुआ। प्रदेश मंत्री के रूप में मदनलाल मणियार की नियुक्ति की घोषणा भी श्री भंसाली ने की। अन्य पदाधिकारियों में अर्थमंत्री दिनेश सोमाणी, संगठन मंत्री संजय दहाड, मराठवाड़ा उपाध्यक्ष संजय दाड, संयुक्त मंत्री संजय मंत्री, उत्तर महाराष्ट्र उपाध्यक्ष मनीष झंवर, संयुक्त मंत्री विठ्ठलदास आसावा, पश्चिम महाराष्ट्र उपाध्यक्ष रामस्वरूप मर्दा, संयुक्त मंत्री चंद्रकांत तापड़िया, दक्षिण महाराष्ट्र उपाध्यक्ष अनिल कलंत्री व संयुक्त मंत्री मदनलाल मालपाणी शामिल हैं।

मूथा अध्यक्ष, राठी मंत्री बने

मेरठ. माहेश्वरी सभा मेरठ जनपद के त्रिवार्षिक चुनाव प्रमोदचंद्र केला की अध्यक्षता तथा पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा के पर्यवेक्षक अजय माहेश्वरी (मोदीनगर) की देखरेख में चुनाव अधिकारी केशवश्यामचंद्र शारदा ने करवाए। इसमें सर्वसम्मति से गिरिराजकिशोर मूथा अध्यक्ष, योगेश मोहता उपाध्यक्ष, अनिलकुमार राठी मंत्री, अशोक माहेश्वरी उपमंत्री, अशोककुमार राठी संगठन मंत्री व कृष्णकुमार कोठारी अर्थ मंत्री चुने गए।

औद्योगिक शिक्षण केंद्र में आयोजित हुई परिचर्चा

कोलकाता. सभी भारतीय नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा 58 वर्ष के बाद भारत सरकार को सुनिश्चित करनी चाहिए। उक्त सुझाव सिटीबैंक के कार्पोरेट प्रबंधक अंकित राठी ने माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) कोलकाता द्वारा आयोजित बजट पूर्व परिचर्चा में दिया। ईडीआई के डायरेक्टर प्रोफेसर एसएम गोम्स ने भी टैक्स दर पर अपना वक्तव्य दिया। ईएमसी के मैनेजर (फाइनेंस एवं अकाउंट्स) योगेश कोठारी ने कहा कि रेगुलर टैक्स पेयर एवं कंप्लायंसर को गवर्नमेंट द्वारा एक विशेष सम्मान दिया जाना चाहिए, जिससे और लोगों को नियमों का पालन करते हुए समय पर टैक्स देने का उदाहरण रख सकें। सीए संदीप विमल ने कहा कि टैक्स रिटर्न्स फॉर्म सही मायनों में सरल और सुगम होने चाहिए, जिससे आम जनता अपना रिटर्न स्वयं भर सके। पिरामल ग्रुप के मैनेजर (अकाउंट डिपार्टमेंट) राहुल बिनानी ने कहा कि यूनियन बजट में सुव्यवस्थित इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर मेडिकल ट्रीटमेंट का प्रावधान होना चाहिए एवं सरकार इस पर विचार करें। केंद्र के सभापति डीके ओझा ने स्वागत भाषण दिया। आभार अर्थ मंत्री आदित्य बिनानी ने माना। कार्यक्रम का संचालन केंद्र मंत्री अरुणकुमार सोनी ने किया। रामरतन सोनी, प्रतिभा कोठारी, मेधा राठी, कीर्ति बिनानी आदि ने सहयोग दिया।

प्रदेश सभा में फिर जाजू-मणियार

संगमनेर. समाजसेवी मनीष मणियार की महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के जनसंपर्क मंत्री तथा पत्रकार अजय जाजू की अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री पद पर पुनर्नियुक्ति हुई। उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष अनीष मणियार ने देते हुए बताया कि माहेश्वरी सभा प्रदेश तथा जिला सभा के सत्र 2019-22 की नियुक्ति की घोषणा की गई। अजय जाजू ने सत्र 2016-19 में जिला मंत्री के रूप में कार्य करते समय डिजीटलाइजेशन, सोशल मीडिया का सही उपयोग करके संगठन मजबूत बनाने हेतु विशेष प्रयास किए। अतः सत्र 2019-22 में उन पर फिर से जिला मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जिला संगठन के चुनाव संपन्न

चंद्रपुर. स्थानीय महेश भवन में जिला माहेश्वरी संगठन की सभा में डॉ. सुशील मूंधड़ा को अध्यक्ष तथा शिवनारायण सारडा को सचिव सर्वसम्मति से चुना गया। चुनाव अधिकारी जुगलकिशोर सोमाणी के मार्गदर्शन में चुनाव संपन्न हुए। इसमें उपाध्यक्ष दुर्गादास मोहता, सहसचिव हरीश सारडा, कोषाध्यक्ष हेमंत बजाज, संगठन मंत्री ओमप्रकाश धूत व प्रचार मंत्री नरेश मूंधड़ा चुने गए। साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन भी किया गया।

डॉ. जाजू को अवॉर्ड

नईदिल्ली. आंध्रप्रदेश निवासी सुलेखा समिति की राष्ट्रीय संयोजिका एवं सुचिता समिति की राष्ट्रीय प्रभारी कलावती जाजू की बहू डॉ. अनुराधा जाजू को महिला प्रशिक्षण संस्थान नईदिल्ली द्वारा उनकी उपलब्धियों एवं सामाजिक योगदान हेतु 'फेस ऑफ द ईयर 2019 अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कमाई की कोई परिभाषा तय नहीं होती। धन, तजुर्बा, रिश्ते, सम्मान और सबक सब कमाई के ही रूप है।

परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न

जोधपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा गठित परिवार परिवेदना निवारण प्रकोष्ठ की दिसंबर माह की बैठक प्रकोष्ठ अध्यक्ष हरिप्रकाश राठी के निवास पर संपन्न हुई। नेशनल पॉल्युशन कंट्रोल डे पर आयोजित हुई इस अहम बैठक में पर्यावरण सुधार पर गहन विमर्श हुआ। श्री राठी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए जल, वायु, अग्नि, आकाश, पृथ्वी सभी पंचतत्वों में साम्यता तथा इनका संरक्षण आवश्यक है। अधिकाधिक पेड़ लगाना एवं ध्वनि प्रदूषण कम करना पर्यावरण सुधार में मील का पत्थर साबित हो सकता है। आज प्रसंगवश देश में बढ़ते बलात्कार के सामाजिक कारणों पर भी चिंतन किया गया। बैठक में मधु समदानी, लता राठी, उमा बिड़ला, एडवोकेट नंदकिशोर चांडक, उद्यमी ओमप्रकाश फोफलिया, शिक्षाविद शशिकुमार बिड़ला आदि मौजूद थे।

सारडा अध्यक्ष, राठी सचिव

चंद्रपुर. गत 15 दिसंबर को महेश भवन, तुकूम चंद्रपुर में संस्था जेसीआय चंद्रपुर ईलाइट द्वारा वर्ष 2019-20 के 11वें पदग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस समारोह में वर्ष 2019-20 के लिए संस्था द्वारा अध्यक्ष पद पर सीए प्रतीक सारडा और सचिव पद पर रूपेश राठी का चयन किया गया है। वर्ष 2018-19 के अध्यक्ष नीतेश चांडक और सचिव अभिलाष बुक्कावार अपने पद से निवृत्त होंगे एवं वर्ष 2019-20 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन भी किया जाएगा।

विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित

ब्यावर. संस्था भारत विकास परिषद, शाखा ब्यावर द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अलग-अलग शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में जाकर जरूरतमंद विद्यार्थियों को इस ठिठुरती सर्दी से बचाव के लिए ऊनी वस्त्र स्वेटर वितरित किए जाएंगे। प्रकल्प प्रभारी आलोक गुप्ता ने बताया कि ऊनी वस्त्र स्वेटर वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ गत 5 दिसंबर को दोपहर 12.30 बजे से ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों से किया गया। इसके तहत जगपुरा (देवता) में राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ऊनी वस्त्र स्वेटर का वितरण किया गया। सेवा कार्य में भारत विकास परिषद, शाखा ब्यावर के अध्यक्ष राजेंद्र काबरा, उपाध्यक्ष-आलोक गुप्ता, सचिव-प्रशांत पाबुवाल, नरेश मित्तल, विकास गर्ग, कन्हैयालाल शर्मा, स्कूल प्रशासन तथा शिक्षकगण सम्मिलित थे।

एकांकी लेखन प्रतियोगिता 2020 आयोजित

सलुंबर (राज.). सलिला संस्था सलूंबर (राजस्थान) द्वारा स्वतंत्रता सेनानी ओंकारलाल शास्त्री स्मृति सम्मान पुरस्कार -वर्ष 2020 के लिए अखिल भारतीय स्तर पर बाल साहित्य के अंतर्गत एकांकी लेखन प्रतियोगिता-2020 हेतु प्रविष्टि आमंत्रित हैं। इस हेतु अपनी एकांकी की प्रविष्टि 31 मार्च 2020 तक भेज सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक सभी बाल साहित्यकार अपनी-अपनी मौलिक, अप्रकाशित, अप्रसारित, अमंचित मनचाहे विषय पर आधारित एकांकी हिंदी में भेज सकते हैं। शब्द सीमा 1 हजार तक होगी। रचना कम्प्यूटर पर टंकित तीन प्रतियों में भिजवानी होगी। रचना पर अपना नाम, पता न लिखें। प्रविष्टि के साथ रचनाकार अपना 50 शब्दों में लेखकीय परिचय, रचना की मौलिकता का प्रमाण पत्र एवं एक रंगीन छायाचित्र अवश्य भिजवाएं। इस प्रतियोगिता में स्वतंत्रता सेनानी ओंकारलाल शास्त्री स्मृति पुरस्कार के अंतर्गत वर्ग 1 में एकांकी लेखन प्रतियोगिता हेतु रुपए 9,000 कुल नकद राशि का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रथम पुरस्कार पुरस्कार 3000 रु., द्वितीय पुरस्कार 2000 रु. व तृतीय पुरस्कार 1500 रु. तथा श्रेष्ठ एकांकी लेखन पर 5 (रुपए 500 प्रत्येक) पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उक्त जानकारी अध्यक्ष डॉ. विमला भंडारी ने दी।

मूंधड़ा को तुलसीदास पुरस्कार

नाशिक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित नव-पदभार ग्रहण शपथ विधि एवं सम्मान-संध्या कार्यक्रम में सुमिता-राजकुमार मूंधड़ा को नाशिक जिलास्तरीय तुलसीदास पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह नाशिक जिलास्तरीय पहला तुलसीदास पुरस्कार है। पुरस्कार में उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं ट्रॉफी भेंट की गई। शैला कलंत्री, पूर्व अध्यक्ष सरला मालपानी, नव अध्यक्ष नीता डागा सहित जिला की कई गणमान्य महिला पदाधिकारी उपस्थित थीं।

सोमानी बने प्रदेश मंत्री

देवास (मप्र). वैश्य महासम्मेलन मप्र के प्रदेशाध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता द्वारा देवास निवासी अशोक सोमानी को प्रदेश मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इस मनोनयन पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जरूतमंद को कन्यादान सामग्री

पुणे. जिला माहेश्वरी प्रगति मंडल महिला समिति की ओर से समाज की एक जरूरतमंद लड़की को कन्यादान का सामान देने का निर्णय लिया गया। हितग्राही कीर्ति पुना की ही निवासी हैं।

'शब्दों' को दो ही लोग ढंग से
पढ़ते और समझते हैं,
ज्ञान प्राप्त करने वाले
और ग़लती निकालने वाले

संतुष्ट मन दुनिया का सबसे बड़ा धन है...!

परिंदों के लिए ठोस कदम उठाने की मांग

भीलवाड़ा. पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी व इंटेक कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय रामसर साईट कन्वेंशन के उल्लंघन पर सांभर झील में 50 हजार से अधिक परिंदों की मौत के जिम्मेदार सांभर साल्ट लि. का लीज अनुबंध निरस्त करने की मांग की। इसके साथ अवैध रूप से चल रही नमक उत्पादक इकाइयों व रिफाइनरियों को बंद करने, नमक इकाइयों द्वारा अवैध रूप से फैलाए गए बिजली के तारों के जाल को हटवाने, अवैध ट्यूबवेल्स को बंद करवाने, प्रदूषित पानी को सांभर झील में जाने से रोकने व अजमेर की आनासागर झील में बड़ी संख्या में कौवों व जलीय जीवों की मौत को गंभीरता से लेने हेतु नवगठित वेटलेंड ऑथोरिटी के चेयरमैन रामसुख विश्नोई को पत्र ई-मेल व रजिस्टर्ड डाक से भेजा है। श्री जाजू ने बताया कि इस बार लाखों की संख्या में विदेशी परिंदे सांभर झील में डेरा डाले हुए हैं व प्रतिदिन विदेशी परिंदों का आगमन भी जारी है। ऐसे में वेटलेंड ऑथोरिटी को अवैध गतिविधियों को रोककर परिंदों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है।

70 की आयु में तीसरा एमए

उदयपुर. महेश माहेश्वरी सोसायटी उदयपुर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन के कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। इसमें श्रीमती शकुंतला मुरलीधर गट्टानी को 70 वर्ष की आयु में 'योग व जीवन विज्ञान' विषय में सत्र 2018-19 में 67 प्रतिशत अंक से एमए की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया। इन्होंने पूर्व में हिंदी व संस्कृत विषय में भी एमए कर रखा है।

खेल ताश का हो या जिंदगी का अपना इक्का तभी दिखाना चाहिये जब सामने वाला बादशाह हो।

स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 25 नवंबर को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में जिला महिला संगठन एवं जयपुर के चारों क्षेत्रीय महिला संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने पद की शपथ ली। मुख्य अतिथि इंदु माहेश्वरी एवं विशिष्ट अतिथि मंजू सोनी ने सबको शपथ ग्रहण करवाई। इसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमा सोमानी, मंत्री रेखा धूत, रजनी पेडीवाल एवं रेणु जाखोटिया (रेनवाल) को उपाध्यक्ष, राजोल तापड़िया, अनिता मूंदड़ा एवं सीमा अजमेरा (फुलेरा) को संयुक्त मंत्री, गायत्री परवाल को कोषाध्यक्ष, ममता जाखोटिया का प्रचार एवं संगठन मंत्री, संतोष बजाज को सांस्कृतिक मंत्री, अनुराधा डागा को सहसांस्कृतिक मंत्री तथा संतोष लड्ढा को कार्यालय मंत्री बनाया गया है।

बच्चों को बांटे कपड़े, मिठाई व थैलियां

उज्जैन. श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल द्वारा गत दिनों शासकीय नूतन कन्या मावि देसाई नगर में जाकर जरूरतमंद बच्चों को कपड़े व मिठाई, बिस्किट एवं टाफियों का वितरण कर आनंद उत्सव मनाया गया। महिला मंडल द्वारा सबको स्वच्छता का संदेश दिया गया तथा सिंगल यूज पॉलीथिन की थैलियों का उपयोग नहीं करने हेतु कपड़े की थैलियों का वितरण किया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष हेमलता गांधी, सचिव मनोरमा मंडोवरा, पुष्पा मंत्री, शांता मंडोवरा, विमला कासट, गीता तोतला, उषा मूंदड़ा, गीता डागा आदि मौजूद थीं।

ब्यावर के हेड़ा व झंवर बने नगर परिषद पार्षद

विष्णुगोपाल हेड़ा

वीना झंवर

ब्यावर (राज). नगर परिषद ब्यावर के हॉल ही में संपन्न चुनावों में ब्यावर माहेश्वरी समाज से दो समाजबंधु विजयी रहे। वार्ड नंबर 40 से विष्णुगोपाल हेड़ा निकतम प्रतिद्वंद्वी से 143 मतों से विजयी रहे। वार्ड 39 से वीना झंवर निकतम प्रतिद्वंद्वी से 166 मतों से विजयी रही। विष्णुगोपाल हेड़ा व वीना झंवर के विजयी होने पर ब्यावर माहेश्वरी समाज में खुशी की लहर दौड़ गई।

सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

अमृतसर. समाज सदस्य राधेश्यामजी के निवास स्थान पर गत दिनों सुंदरकांड पाठ व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें केदारनाथ बूब, नीलम राजेश साबू, उमा पारीक, आरती-पूजा मालू, शांति बंग, रेखा राकेश साबू व मारवाड़ी समाज से मीरा-महक आदि शामिल हुए। कमल-उमा पारीक के निवास स्थान पर गत 1 दिसंबर को अन्नकूट उत्सव भी मनाया गया। इसमें भी माहेश्वरी समाज व मारवाड़ी समाज द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया। शांति फूलचंद बंग, सरोज-मनीषा मूंदड़ा, शोभा-शांति धूत, आरती पूजा मालू, केदारनाथ बूब, सीमा झंवर कई समाजजन मौजूद थे।

**'हम समझते कम, समझाते ज्यादा है..
इसलिए सुलझते कम, उलझते ज्यादा है...!!**

उष्मा मालू पैनल निर्विरोध निर्वाचित

इंदौर. शुभलक्ष्मी महिला को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के संचालक मंडल के निर्वाचन गत 14 दिसंबर को हुए। इसमें 15 संचालकों के लिए नामांकन भरे गए। इतने ही नाम शेष रहने से वर्तमान संचालक मंडल के सदस्य जो 'उष्मा मालू पैनल' के नाम से चुनाव लड़ रहे थे, उन्हें विजयी घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया 'माहेश्वरी मांगलिक भवन' 2, ए.बी. रोड पर रिटर्निंग अधिकारी डी.एस. चौहान के निर्देशन में संपन्न हुई। चुनाव परिणाम की घोषणा करते हुए श्री चौहान ने उष्मा मालू, गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, निर्मला बाहेती, कृष्णा उपाध्याय, शुभलक्ष्मी मेहरा, उषा तोमर, सावित्री विजयवर्गीय, मैना पांड्या, सुषमा मालू, कलाश्री लश्करी, सुमन जैन, माधुरी काबरा, रीटा वोरा, स्वाति देशपांडे को संचालक घोषित किया। दो संचालकों का सहयोजन तथा 19 दिसंबर को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं दो प्रतिनिधियों का निर्वाचन संपन्न होगा।

बेलाजी की मनी जन्म शताब्दी

शाहपुरा. गत 24 नवंबर को दिल्ली भवन में स्वर्गीय श्री रामस्वरूप बेली का जन्म शताब्दी वर्ष समारोह आयोजित हुआ। जानकारी देते हुए सुनील बेली ने बताया कि यह समारोह बेली परिवार सेवा समिति एवं आर्य समाज के तत्वावधान में आयोजित किया गया। आर्य समाज द्वारा जन शताब्दी वर्ष में विभिन्न सामाजिक, जनसेवा व धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन प्रतिमाह किए जाएंगे। वर्ष 2020 के अंदर जनशताब्दी समारोह का समापन किया जाएगा। समापन पर स्वर्गीय श्री रामस्वरूप बेली द्वारा रचित पुस्तिका गृहस्थ कर्तव्य की निर्देशिका के चतुर्थ संस्करण का विमोचन भी किया जाएगा। इसमें समाज के श्रेष्ठ विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन गीता मूंदड़ा ने किया।

हेल्थ सेमिनार का हुआ आयोजन

बीकानेर. माहेश्वरी युवा संगठन शहर बीकानेर द्वारा धरनीधर रंगमंच में 'अपने जीवन में कैसे खुश रहें और कैसे स्वस्थ रहें' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रितेश करनानी ने बताया कि इस सेमिनार में जयपुर से आए मनोज शर्मा ने बताया "हम कैसे खुश रहें।" बीकानेर के मनोचिकित्सक डॉ. अन्नत राठी ने बताया कि हम इस व्यस्ततम व भाग दौड़ भरे जीवन में कैसे स्वस्थ रहें। संगठन सचिव कमल राठी ने बताया कि माहेश्वरी युवा संगठन सर्वसमाज हितार्थ कार्य करने में हमेशा अग्रणी रहता है। हाल ही में माहेश्वरी युवा संगठन बीकानेर द्वारा पीबीएम हॉस्पिटल में दिशा सूचक बोर्ड लगाने का कार्य किया गया। सेमिनार में माहेश्वरी समाज के बाबूलाल मोहता, ओमप्रकाश करनानी, डीपी पच्चीसिया, गोपीकिशन पेड़ीवाल, कंचन राठी, निशा झंवर व युवा संगठन के सभी सदस्य मौजूद थे।

छग प्रदेश सभा के चुनाव संपन्न

दुर्ग. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में सत्र 2019-2022 हेतु पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसमें प्रदेशाध्यक्ष रामरतन मूंदड़ा भाटापारा, प्रदेश मंत्री सुरेश मूंदड़ा, संगठन मंत्री नंदकिशोर राठी कोर, दुर्ग के ओमप्रकाश टावरी कोषाध्यक्ष व राजकुमार गांधी जोन उपाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए। उनकी इस नियुक्ति पर दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा, श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग, माहेश्वरी सभा भिलाई, श्री माहेश्वरी पंचायत साजा, गुंडरदेही परिक्षेत्र माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी सभा बेमेतरा ने हर्ष व्यक्त किया।

लेखराज बने ईपीसीएच के आठवीं बार सदस्य

नईदिल्ली. एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्रॉफ्ट्स नईदिल्ली के चुनाव में लेखराज माहेश्वरी लगातार आठवीं बार निर्विरोध मेंबर (कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन) निर्वाचित हुए हैं। श्री माहेश्वरी ईपीसीएच के चेयरमैन भी रह चुके हैं। इसके अलावा नार्थ वेस्ट जोन के रीजनल कन्वीनर भी हैं। गौरतलब है कि श्री माहेश्वरी हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर बड़ी संख्या में लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

द्वारकेश प्रोडक्ट को मिला राजस्थान उद्योग रत्न सम्मान

भीलवाड़ा. द्वारकेश प्रॉडक्ट्स की प्रोपराइटर श्रीमती मानकवर काबरा/रामप्रकाश काबरा को वर्ष 2018-19 के लिए उद्योग अवॉर्ड राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। इस उपलब्धि पर समाजजनों व स्नेहीजनों ने बधाई व शुभकामनाएं दीं।

कीमत दोनों की
चुकानी पड़ती है...
बोलने की भी
ओर चुप रहने की भी...

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

पुष्कर. मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के गत 15 दिसंबर को अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में 2019 से 2022 सत्र के चुनाव महासभा पर्यवेक्षक देवेंद्र सोमानी व रतनलाल मंडोवरा, पर्यवेक्षक जगदीशचंद काबरा एवं मुख्य चुनाव अधिकारी राजेंद्रकुमार चौधरी तथा चुनाव अधिकारी अश्वनीकुमार काबरा एवं सुरेशचंद झंवर के निर्देशन में निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष विजयशंकर मूंदड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपीकिशन बंग, उपाध्यक्ष शिवदास बाहेती, अमरचंद रांदड, मंत्री रंगनाथ काबरा, कोषाध्यक्ष गुमानमल झंवर, संगठन मंत्री रामरतन छापरवाल, संयुक्त मंत्री शिवरतन पलौड़, संयुक्त मंत्री पवन भंडारी चुने गए। संयुक्त मंत्री का पद रिक्त रहने पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मूंदड़ा द्वारा कमलकिशोर काबरा को नियुक्त किया गया। प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में अजमेर में प्रस्तावित छात्रावास हेतु प्रदेश ट्रस्ट के लिए कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में केसरीचंद तापड़िया व कार्यालय मंत्री हेतु जयदेव सोमानी को नियुक्त किया गया। इसी प्रकार अध्यक्ष ने महासभा कार्यकारी मंडल हेतु प्रदेश कार्यकारी मंडल की सहमति से केशरीचंद तापड़िया व रमाकांत बालदी को मनोनीत किया।

पारोली माहेश्वरी समाज का अनुकरणीय कार्य

भीलवाड़ा. जिले के पारोली कस्बे में माहेश्वरी समाज में किसी का भी स्वर्गवास होने पर जब तक अंतिम यात्रा मोक्षधाम तक नहीं पहुंचती, तब तक कोई भी समाजबंधु अपनी दुकान नहीं खोलता है। समाज सदस्य यज्ञप्रसाद काबरा ने बताया कि चाहे कितना ही सीजन क्यों न हो या कितनी ही ग्राहकी क्यों न हो, समाज में गमी का समाचार मिलते ही दुकान को बढ़ा देते हैं और तब तक व्यापार शुरू नहीं करते, जब तक कि अंतिम यात्रा मोक्षधाम तक नहीं पहुंच जाए। कुछ समय पूर्व श्री सुरेश बाहेती का स्वर्गवास होने पर उनके पुत्र जो ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं, 3 दिन बाद पारोली पहुंचे थे, तब तक किसी ने भी अपनी दुकान नहीं खोली थी।

किसी की तरक्की
कौन बर्दाश्त करता है साहब
लोग तो जनाजे की
भीड़ देखकर भी जल जाते है

अंजली स्वर्ण पदक से सम्मानित

भीलवाड़ा. महर्षि दयानंद सरस्वती विवि के नौवें दीक्षांत समारोह में अंजली शारदा को स्वर्ण पदक राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने प्रदान किया। अंजली ने सत्र 2017 में विवि की एमएससी कम्प्यूटर विज्ञान की वरीयता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अंजली के पिता प्रदीप शारदा अभ्यासरत चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा समाजसेवी हैं। माता रेखा शारदा अध्यापिका हैं।

अनुश्री बनी हाईकोर्ट एडवोकेट

नागदा. समाज सदस्य घनश्याम-सुनीता राठी की सुपुत्री अनुश्री पुणे में 5 वर्ष का कोर्स पूर्णकर हाईकोर्ट एडवोकेट बनीं हैं। अनुश्री राठी की इंदौर में प्रैक्टिस जारी है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

महिला मंडल की बैठक संपन्न

लखनऊ. गत 14 दिसंबर को माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक सचिव आभा काबरा के निवास स्थान पर संपन्न हुई। इस अवसर पर डॉ. सुशील गट्टानी के स्वस्थ होने की कामना करते हुए सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। फिर 2019 की खट्टी-मीठी यादों को अपने अल्फाज में सभी के साथ अपनी अभिव्यक्ति से साझा किया। सभी सदस्याओं ने हाऊजी और गेम का आनंद लिया। माहेश्वरी महिला मंडल ने नवनिर्वाचित पूर्वी उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष उषा झंवर का अभिनंदन सुषमा शारदा व राधा जाजू द्वारा किया गया। उपाध्यक्ष किरण कलंत्री, सहसचिव मनीष चोला का भी अभिनंदन किया गया।

घोड़ा वही प्रथम आता है
जिसका सवार कुशल हो,
और परिवार वही आगे बढ़ता है
जिसका मुखिया समझदार हो !!

जिला सभा की कार्यकारिणी गठित

उज्जैन. जिला माहेश्वरी सभा की नवीन कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह मां क्षिप्रा के पावन तट पर झालारिया मठ में हुआ। शपथ विधि अधिकारी भरत सारड़ा सीए इंदौर थे। कार्यक्रम में प्रादेशिक सभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र इनाणी, पूर्व सचिव पुष्प माहेश्वरी एवं नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भरानी, सचिव अजय, कोषाध्यक्ष राम तोतला, संगठन मंत्री पंकज अटल, जिला महासभा प्रतिनिधि डॉ. रवींद्र राठी एवं लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा एवं पूर्व सचिव गोपाल मोहता उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में नवनिर्वाचित उज्जैन जिलाध्यक्ष महेश लड्ढा एवं सचिव महेश चांडक तथा पदाधिकारी व कार्यकारिणी का शपथ विधि कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुरेश काकाणी एवं ओमप्रकाश काबरा द्वारा किया गया।

हेड़ा बने पुनः उद्योग मंडल अध्यक्ष

ब्यावर. ब्यावर उद्योग मंडल लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक में जाने-माने समाजसेवी एवं उद्यमी मानकरण हेड़ा लगातार पांचवीं बार वर्ष 2019-20 के लिए सर्वसम्मति से चेयरमैन चुने गए। उल्लेखनीय है कि श्री हेड़ा शहर सामाजिक संस्था उत्सव मंच, उपभोक्ता कल्याण समिति, नगर व्यायाम समिति, कुश्ती संघ, आर्य समाज, माहेश्वरी समाज के साथ महावीरगंज मंदिर ट्रस्ट के विगत कई वर्षों से मंत्री का पदभार वहन करते आ रहे हैं। शहर की अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं में भी सक्रिय भागीदारी निभाते रहे हैं।

चेचानी बनीं भीलवाड़ा नगर परिषद सभापति

भीलवाड़ा. नगर परिषद के उपचुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी मंजू चेचानी ने मौजूदा सभापति मंजू पोखरना को 33 मतों से हराया और भीलवाड़ा नगर परिषद की 20वीं व चौथी महिला सभापति बनीं। निकाय चुनाव होने से श्रीमती चेचानी का 8 माह का कार्यकाल ही रहेगा। श्रीमती चेचानी ने बीएससी कर रखी है तथा सीए इंटरमीडियट फर्स्ट ग्रुप उत्तीर्ण हैं। वे अभी कक्षा नौवीं व दसवीं के बच्चों को साइंस व मैथ्स की कोचिंग भी पढ़ाती है। 2002 से भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता हैं। श्री चारभुजा गोसेवा संघ तथा श्री नगर माहेश्वरी महिला मंडल से जुड़ी हुई हैं। श्रीमती चेचानी के पति मुकेश चेचानी माहेश्वरी समाज व भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। श्रीमती चेचानी के सभापति बनने पर समर्थकों ने आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटी। समाजजनों व स्नेहीजनों ने बधाइयां दीं। श्रीमती चेचानी ने कहा कि जितना समय मिलेगा, शहर की हर समस्या का समाधान करने के साथ क्लीन व ग्रीन भीलवाड़ा बनाने का प्रयास करूंगी।

जिला सभा की वार्षिक बैठक संपन्न

सूरत. जिला माहेश्वरी सभा के छठवें सत्र 2019-22 की प्रथम वार्षिक बैठक गत 15 दिसंबर को माहेश्वरी भवन में संपन्न हुई। गुजरात प्रदेश सभा के अध्यक्ष गजानंद राठी एवं संगठन मंत्री विनीत काबरा ने सभा को संबोधित करते हुए सदन का मार्गदर्शन किया। निर्विरोध रूप से नवनिर्वाचित जिला सभा एवम उसके अंतर्गत 12 क्षेत्रीय सभाओं के सभी चयनित सदस्यों को बधाई दी गई। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अविनाश चांडक तथा जिला सभा के सभी पदाधिकारिओं ने अपने पद की शपथ ली। कोषाध्यक्ष राधेश्याम बजाज ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। संगठन मंत्री पवन बजाज ने समाज में नये बसने वाले बंधुओं को समाज से जोड़ने एवं जिनके घर स्थानांतरित हुए हैं, उनके डेटा दुरुस्त करने पर बल दिया। सचिव संदीप धूत ने जिला सभा की गतिविधियों तथा अलग-अलग सेवाओं के लिए बनाये गए प्रकोष्ठ की जानकारी दी। सयुंक्त मंत्री अनिल मूंदड़ा ने सदन का आभार व्यक्त किया।

सेवानिवृत्ति पर बांगड़ की मानव सेवा

शाहपुरा. स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन बांगड़ ने सेवानिवृति पर आयोजित विदाई समारोह में मिसाल कायम करते हुए स्कूल विकास के लिए पांच लाख रुपए का चेक भेंट किया, साथ ही सपत्नीक देहदान की घोषणा भी की। समारोह में स्कूल परिवार की ओर से उनको अभिनंदन-पत्र भेंट किया गया। इसका वाचन निर्मला शर्मा ने किया। इसके अलावा श्री बांगड़ ने किसी की भी माला व उपहार स्वीकार नहीं करके भी मिसाल कायम की। विदाई समारोह में श्री बांगड़ द्वारा स्कूल के बच्चों सहित स्टाफ के लिए स्नेह भोज का आयोजन किया गया। समारोह में माहेश्वरी महासभा के जिला अध्यक्ष दीनदयाल मारू, तहसील अध्यक्ष रामप्रसाद हेड़ा, स्माईल फांउडेशन के अनिल लोढ़ा, प्रेस क्लब अध्यक्ष चांदमल मूंदड़ा, संचिना कला संस्थान के महासचिव सत्येंद्र मंडेला सहित शाहपुरा के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

चेहरे की चमक और घर की ऊंचाइयों पर मत जाइये जनाब, घर के 'बुजुर्ग' गर मुस्कुराते मिलें तो समझ लीजिये कि आशियाना 'अमीरों' का है।

ब्राह्मण कन्याओं का करवाया विवाह

रोड़ा (राजस्थान). स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा छह गरीब ब्राह्मण परिवारों की बेटियों का कन्यादान पूरे ठाट-बाट से तुलसी-सालिग्राम विवाह अवसर पर 8 नवंबर 2019 को बहुत ही सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। समारोह में 2000 आशीर्वाददाताओं की उपस्थिति रही। इस पुनीत कार्य की प्रथम कल्पना मुंबई निवासी विद्यादेवी डागा ने की थी। इसको सजीव रूप देने में रोड़ा गांव की बेटियों-बुआओं, भाइयों, भतीजों, भतीजियों ने दिल से सहयोग दिया। माहेश्वरी समाज रोड़ा (राजस्थान) ने श्रीमती डागा का सामाजिक मंच पर सत्कार गांव के वरिष्ठ समाजसेवी नरसिंहदास करणाणी द्वारा पुष्पगुच्छ एवं माणकचंद करणानी द्वारा 'राधाकृष्ण' की मनोहर तस्वीर भेंट कर किया। इस अवसर पर गांव की 102 वर्षीय रामीदेवी कोठारी (देशनोक) ने भी उपस्थित होकर आशीर्वाद प्रदान किया। इसमें वडोदरा निवासी सत्या काबरा तथा मुंबई निवासी वेणुगोपाल डागा का विशेष योगदान रहा।

'अवसान की बेला में' का विमोचन

जबलपुर. विगत दिवस उद्योगपति, साहित्यकार एवं चिंतक राजेश माहेश्वरी द्वारा लिखित पंद्रहवी कृति 'अवसान की बेला' में पुस्तक का विमोचन अंतरराष्ट्रीय एलायंस क्लब के अध्यक्ष डॉ. अश्विनी गुप्ता के मुख्य आतिथ्य एवं महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंदगिरी महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस पुस्तक का आधार अस्सी की उम्र पार कर चुके वरिष्ठ एवं प्रबुद्धजनों के विचार, नई पीढ़ी के दिशा निर्देशन के संबंध में है, जो कि उन्हें वर्तमान परिदृश्य में मार्गदर्शन दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन राजेश पाठक ने किया। आभार प्रदर्शन ज्योति जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुनीत मिश्रा, उमेश राठौर, नवनीत राठौर, सुरेंद्र अग्रवाल, दीपक नंदवानी, पुरुषोत्तम भट्ट, पंकज माहेश्वरी, माधवी माहेश्वरी, पद्मा माहेश्वरी, अर्चना भटनागर आदि की विशेष उपस्थिति रही।

एड्स जागरूकता शिविर का आयोजन

शुजालपुर. गत 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में अकोदिया मंडी में एचडीएफसी बैंक शुजालपुर एवं सिविल हास्पिटल शुजालपुर के तत्वावधान में पोस्टर, प्रदर्शनी, जागरुकता रैली एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काउंसलर आईसीटीसी जया माहेश्वरी द्वारा एड्स के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर हमीदिया ब्लड बैंक टीम के डॉ. अजय एवं उनके सहयोगी द्वारा 28 यूनिट ब्लड कलेक्ट किया गया। एचडीएफसी ऑपरेशन मैनेजर अखिलेश कगेरे ने सभी रक्तदाताओं का आभार माना।

देवपुरा को सारस्वत सम्मान

नाथद्वारा. गत 5 दिसंबर को जबलपुर में प्रख्यात साहित्य संस्था 'कादम्बरी' द्वारा अखिल भारतीय साहित्यकार-पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें नाथद्वारा साहित्य मंडल के प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा को मुक्तामाल, शॉल, सम्मान-पत्र और 11000 रुपए की सम्मान निधि के साथ संस्था के इस सर्वोच्च सम्मान से संस्थाध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे, डॉ. राजकुमार तिवारी सौमित्र तथा डॉ. चतुर्वेदी द्वारा सम्मानित किया गया।

।। श्री रामजी ।।

Bablu Tawari 98985-20978

Sanjay Tawari 97250-54710

Shubhram Tawari 75675-42298

Ram Mangal
Enterprise

Art Silk Cloth Merchant & Commission agent
303-304 3rd Floor, Shree Darshan Market Ring Road, Surat-395002, Ph-0261-2323530

गीता महोत्सव का हुआ आयोजन

संगमनेर. श्रीमद् भगवतगीता एक अलौकिक ग्रंथ है। गीता के आधार पर भारत को विश्वगुरु बनाना बहुत ही आसान है। उक्त उद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने व्यक्त किए। गीता परिवार की ओर से गीता जयंती तथा गीता परिवार के संस्थापक स्वामी गोविंददेवगिरीजी महाराज के 71वें जन्मदिन पर आयोजित गीता महोत्सव समारोह का संगमनेर में आयोजन किया गया था।

समारोह के अध्यक्ष सरसंघचालक मोहन भागवत थे। मंच पर योग महर्षि स्वामी रामदेव महाराज, स्वामी गोविंददेवगिरीजी महाराज, विधायक राधाकृष्ण विखे, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, ह.भ.प. मुकुंद महाराज जाटदेवलेकर, पद्मभूषण डॉ. अशोक कुकड़े, लखनौ के विधायक नीरज बोरा, गीता परिवार के राष्ट्रीय सचिव श्रीकांत कासट, संगमनेर शाखा प्रमुख सतीश इटप आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि संगमनेर से गत 22 वर्ष पूर्व स्वामी गोविंददेवगिरीजी महाराज की प्रेरणा से डॉ. संजय मालपाणी ने बाल संस्कार का कार्य आरंभ किया था। इसका विस्तार अब देश के 17 राज्यों में हो चुका है।

इस अवसर पर संपूर्ण श्रीमद्भगवतगीता कंठस्थ करने वाले देश के 81 छात्रों को गीताव्रती उपाधि से स्वर्ण पदक के साथ सम्मानित किया गया। उपस्थित करीब 25 हजार छात्रों ने सुवर्णा मालपाणी के साथ गीता के 12वें तथा 15वें अध्याय का पठन किया। आभार अनुराधा मालपाणी ने माना। कार्यक्रम का निर्देशन महेंद्र काबरा (मुंबई) ने किया। इस अवसर पर महानाट्य 'विजय ध्वज' की भी प्रस्तुति दी गई।

रक्तदान के साथ नेत्र परीक्षण

पुणे. सांगवी परिसर में महेश मंडल की ओर से आयोजित 19वें रक्तदान शिविर में 151 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। नेत्र परीक्षण का लाभ 210 से अधिक नागरिकों ने लिया। सतीश लोहिया द्वारा नवनिर्वाचित महापौर नगरसेविका माई ढोरे का समाज की ओर से इस अवसर पर सत्कार किया गया। नगरसेवक संतोष कांबळे, हर्षल ढोरे, नगरसेविका शारदाताई सोनवणे, नगरसेवक शशिकांत कदम पुणे जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष गोविंद मूंदड़ा और सचिव शेखर सारडा आदि पदाधिकारी मौजूद थे। इसी अवसर पर पुणे जिला माहेश्वरी प्रगति मंडल की ओर से मुरलीधर सारडा ने स्वर्गारोहण सीढ़ी का लोकार्पण भी किया।

ताल्लुक कौन रखता है
किसी नाकाम से...
मिले जो कामयाबी
तो सारे रिश्ते बोल पड़ते है..

महिला मंडल ने ली पद की शपथ

कांटाफोड़ (देवास). माहेश्वरी महिला मंडल का गत दिनों शपथ विधि कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष जयश्री होलानी व सचिव हर्षित सोमानी ने कार्यकारिणी के साथ पद की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन मंगल सिंगी व उर्मिला होलानी ने किया। आभार प्रदर्शन जयश्री होलानी ने किया।

अजमेर जिला सभा के चुनाव संपन्न

अजमेर. जिला माहेश्वरी सभा के सत्र 2019-22 हेतु चुनाव गत दिनों निर्विरोध संपन्न हुए। प्रभारी केंद्रीय चुनाव समिति पश्चिमांचल राधेश्याम सोमानी एवं जिला मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. एनएन बल्दुआ, जिला चुनाव अधिकारी डॉ. एलसी हेड़ा व महेश हेड़ा, पर्यवेक्षक छीतरमल जाजू, प्रदेश चुनाव अधिकारी राजेंद्रकुमार थे। इसमें जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राठी (किशनगढ़), वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण न्याती (केकड़ी), उपाध्यक्ष संदीप मूंदड़ा (ब्यावर) व जगदीश झंवर (अजमेर), जिला मंत्री ताराचंद माहेश्वरी (अजमेर), कोषाध्यक्ष रमेशचंद राठी (किशनगढ़), संयुक्त मंत्री विजय तेला (नसीराबाद), श्रीगोपाल सोमानी (पीसांगन) व हनुमानदास सोमानी (बिजयनगर), प्रचार मंत्री गोपालकिशान मालानी (सरवाड़), संगठन मंत्री रमेश भराड़िया (ब्यावर) निर्विरोध चुने गए।

पश्चिमी उप्र महिला संगठन के चुनाव संपन्न

वृंदावन. गत दिनों आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में मेरठ की मंजू हरकुट को पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन का निर्विरोध रूप से अध्यक्ष चुना गया। मोनिका माहेश्वरी मोदीनगर को सचिव मनोनीत किया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती हरकुट विगत 20 वर्षों से माहेश्वरी महिला संगठन के विभिन्न पदों पर आसीन रही हैं तथा वर्तमान में भी प्रदेश सचिव पद पर कार्यरत थीं। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार से भी अनेकों बार सम्मानित हो चुकी हैं।

परवाल बनीं संरक्षक

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन की गत 2 सत्रों में अध्यक्ष रहीं उमा परवाल को गत दिनों संपन्न दीपावली स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में सर्वसम्मति से जिला संगठन का संरक्षक मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमा सोमानी एवं नवनिर्वाचित मंत्री सविता राठी द्वारा चुनड़ी ओढ़ाकर श्रीमती परवाल को सम्मानित किया गया।

आं.प्रा. महिला संगठन का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

हैदराबाद। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में शपथ ग्रहण समारोह एवं महातंबोला का आयोजन गत दिनों किया गया। लगभग 250 महिलाओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। तंबोला के पश्चात संगठन के पदाधिकारियों का चयन हुआ और उन्होंने अपने पद की शपथ ग्रहण की। इसमें उर्मिला भगवानदास साबू अध्यक्ष, रजनी कमल राठी को मंत्री, मंजू सुरेशचंद लाहोटी को कोषाध्यक्ष चुनी गई। कांता राठी विजयनगरम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुनी गई। चंदा सोनी वरंगल, कलावती लोया विजयवाड़ा, प्रेमलता कांकाणी हैदराबाद, राजकुमारी लोया मानकोटा उपाध्यक्ष चुनी गई। हैदराबाद की सुनीता झंवर, श्यामा नावंदर, बेल्लमपल्ली की ललिता मारू, कागजनगर की विष्णुकांता लोया को सह-मंत्री बनाया गया। निजामाबाद की पुष्पा सोमाणी ने संगठन मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। जिला संगठन मंत्री का दायित्व राजमंडी की प्रेमलता माहेश्वरी को मिला। पूनम कांकाणी को प्रचार मंत्री तथा सीमा इन्नाणी को सह-प्रचार मंत्री बनाया गया। उसी प्रकार मीना नावंदर को सांस्कृतिक मंत्री तथा श्रुति भक्कड़, अर्चना लोया और गुंजन सोडाणी को सह-सांस्कृतिक मंत्री चुना गया। सभी पदाधिकारियों को राष्ट्रीय सुचिता समिति की प्रभारी कलावती जाजू ने शपथ दिलाई। पूर्व अध्यक्ष रेणु रमाकांत सारड़ा का सम्मान किया गया और उन्हें अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रादेशिक कार्य समिति में चयनित किया गया। पूर्व अध्यक्ष शकुंतला नावंदर, शोभा डागा, पूर्व उपाध्यक्ष संगीता भूतड़ा, कार्यक्रम संयोजिका उर्मिला डालिया, सीमा इन्नाणी, पुष्पा दरक, सुनीता नावंदर, संतोष मालपाणी, सुनीता झँवर, पद्मा झंवर, मोनिका सोमाणी, इंदिरा बजाज, सुमन बजाज, किरण सोमाणी, अंजू सोमाणी, प्रीति सारडा, सुमन सोनी आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन श्रुति भक्कड़ ने किया।

लाइव कॉन्सर्ट का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन के संगठन मंत्री विशाल लोहिया ने बताया कि गत 15 दिसंबर को मनोरमा पार्टी प्लॉट, नारायणपुरा में संगठन सदस्यों के लिए लाइव कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। लाइव प्रदर्शन के लिए गायक वॉयस ऑफ इंडिया फेम के मीत जैन उपस्थित थे। उन्होंने दर्शक के बीच कदम रखा और सदस्यों के साथ कुछ डांस स्टेप्स किए और एक-एक करके सभी दर्शकों के साथ सेल्फी लेकर खूबसूरत शाम को खत्म किया। कार्यक्रम में 700 से अधिक सदस्य उपस्थित थे। अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन के भूतपूर्व अध्यक्ष सतीश माहेश्वरी, रंगनाथ मूंदड़ा, अलोक करनानी, मनीष डागा, अनिल मनियार, जयप्रकाश तोषनीवाल, सुनील मालपानी, नितिन मूंदड़ा, विकास मूंदड़ा, विनीत मूंदड़ा एवं कमल सिकची एवं गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष विकास मूंदड़ा, अहमदाबाद जिला माहेश्वरी अध्यक्ष राजेंद्र पेड़ीवाल, विनोद पोरवाल ओढ़व के अध्यक्ष आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

गलत व्यक्तियों का 'चयन' हमारे जीवन को
'प्रभावित'करे या न 'करे'..!
लेकिन एक सही व्यक्ति की 'उपेक्षा'
हमें जीवन भर 'पछताने' पर
'मजबूर' कर सकती है..!!

56 भोग पिकनिक का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. चंद्रशेखर आजाद नगर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 56 भोग लड्डू गोपाल पिकनिक का कार्यक्रम चित्तौड़ रोड सज्जन विलास कॉलोनी में मनाया गया। इसमें आशा मूंदड़ा एवं नवनिर्वाचित अल्का शिल्पा बसेर ने तिलकर लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। सोनल माहेश्वरी एवं रेखा सोडानी द्वारा अतिथि की तरह आए हुए लड्डू गोपाल का माखन मिश्री खिलाकर स्वागत किया गया। भजन पुष्पा गग्गड़ ने प्रस्तुत किए। ममता मोदानी, शिखा भदादा, अनिला अजमेरा, सीमा कोगटा, भारती बाहेती, रीना डाड एवं क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन निराला पटवारी ने किया। मंडल की रेखा हेड़ा, स्वाति मानधना, डिंपल जागेटिया, प्रेम गगरानी, रीना लड्ढा, अरुणा समदानी आदि मौजूद थीं।

सर्वाधिक टैक्स जमा करने पर नरानीवाल सम्मानित

भीलवाड़ा. प्रसिद्ध आयरन उद्योगपति नंदलाल नरानीवाल को वाणिज्यक कर विभाग की ओर से गत 20 दिसंबर को शहर के एक निजी होटल में आयोजित समारोह में सर्वाधिक टैक्स जमा करने पर सम्मानित किया गया। उनकी कंपनी चारभुजा इस्पात इंडिया द्वारा 1 साल में 6.81 करोड़ रुपए का टैक्स जमा किया गया। समारोह में विधायक रामलाल जाट, जिला प्रभारी सचिव कुंजीलाल मीणा, बदनोर एसडीएम आमिर अतर खान, संयुक्त आयुक्त रामलाल चौधरी, संगम ग्रुप के एसएन मोदानी सहित अनेक इंडस्ट्री के चेयरमैन मौजूद थे।

महिला मंडल का विंटर धमाका 2019 संपन्न

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 15 दिसंबर को मूंदड़ा भवन में 'विंटर धमाका 2019' का आयोजन किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की मंत्री सरिता सोमाणी ने बताया कि इस विंटर धमाका 2019 के अंतर्गत महातंबोला और स्वरुचि खाना खजाना का आयोजन हुआ। महातंबोला का संचालन हैदराबाद से पधारे इकासर इवेंट्स के संचालक कीर्ति दरक एवं संजू सिंह ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष माधुरी लाहोटी, उपाध्यक्ष चंदा सोनी, मीना लोया, कोषाध्यक्ष प्रेमलता मूंदड़ा, सांस्कृतिक मंत्री नीतू बंग, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन उपाध्यक्ष इंद्रा सोनी, ज्योति मालानी, नूतन मानधनी, माधुरी डोडिया, सुमन मणियार, सविता सारड़ा एवं सभी पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष नवलकिशोर मूंदड़ा, मंत्री नवलकिशोर मणियार, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मणियार, प्रादेशिक उपाध्यक्ष गोपीकिशन लाहोटी, युवा संगठन अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा आदि उपस्थित थे। मंडल की मंत्री सरिता सोमाणी ने आभार व्यक्त किया।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

खामगांव. श्री माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का चतुर्थ आयोजन गत 21 एवं 22 दिसंबर को खामगांव में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता बुलढाणा अर्बन बैंक के संस्थापक राधेश्याम चांडक ने की। मार्गदर्शक भाषण प्रो. रांदड ने दिया। इस अवसर पर प्रकाशित परिचय दर्पण युवक-युवती की बायोडाटा डायरेक्टरी का भी विमोचन किया गया है। सम्मेलन में 100 युवती व 150 युवकों ने अपना परिचय दिया। महेश सेवा समिति के अध्यक्ष कृष्णकांत भट्टड़ व संयोजक प्रमोद मोहता थे। सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवती तथा समाज के कम से कम 800 समाजजन उपस्थित थे।

सुन लेने से कितने सारे
सवाल सुलझ जाते हैं
सुना देने से हम फिर से उलझ जाते हैं

पश्चिमी मप्र की बागडोर अब भराणी के हाथ

पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न, मात्र चार पदों पर हुआ मतदान

रूनीजा. पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के नवीन सत्र हेतु निर्वाचन गत दिनों संपन्न हुए। इसमें मात्र अध्यक्ष, संगठन मंत्री, मानद मंत्री तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए ही मतदान हुआ। शेष सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा की प्रदेश अध्यक्ष पद पर घाटाबिल्लौद के ओमप्रकाश भराणी चुने गए। मानद मंत्री सेंधवा के अजय झंवर, कोषाध्यक्ष बेटमा के रामचंद्र तोतला व आगर मालवा के डॉ. पंकज अटल संगठन मंत्री निर्वाचित हुए। समीपस्थ ग्राम गजनीखेड़ी स्थित चामुंडा माता मंदिर सभागृह में प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चार पदों के चुनाव में दो पदों पर उमा महेश, एक पद पर जय महेश और एक पद पर निर्दलीय उम्मीदवार को सफलता मिली। पर्यवेक्षक के रूप में बागली के पूर्व विधायक श्याम होलानी, निर्वत्तमान प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनानी, डॉ. वासुदेव काबरा बड़नगर, श्याम पलोड़ तराना, बसंतीलाल परवाल रतलाम, नीलेश राठी रूनीजा आदि मौजूद थे।

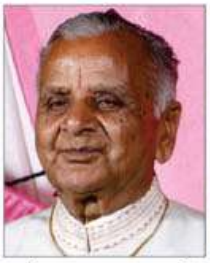

ओमप्रकाश भराणी

अजय झंवर

रामचंद्र तोतला

पंकज अटल

चुनाव में हुई कड़ी टक्कर

अध्यक्ष, मंत्री, संगठन मंत्री और कोषाध्यक्ष के पद के लिए हुए चुनाव में 269 मतदाताओं में से 228 ने मतदान किया। शाम 7 बजे निर्वाचन अधिकारी राधाकिशन सोनी ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि अध्यक्ष पद पर घाटाबिल्लौद के ओमप्रकाश भराणी 15 मतों से विजयी हुए। मंत्री पद अजय झंवर 54 मतों से विजयी हुए। दोनों विजेता प्रत्याशी उमा महेश पैनल के थे। वहीं संगठन मंत्री पद पर निर्दलीय प्रत्याशी पंकज अटल 18 मतों से विजयी हुए। कोषाध्यक्ष पद पर जय महेश पैनल के रामचंद्र तोतला (बेटमा) 27 मतों से विजयी हुए।

ये हुए निर्विरोध निर्वाचित

इसके पूर्व पांच उपाध्यक्ष व पांच संयुक्त मंत्री पदों पर एक नामांकन फॉर्म होने से ये प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित किए गए। इनमें उपाध्यक्ष पद पर महेश मूंगड़ इंदौर, नरेंद्र चांडक खंडवा, चंद्रप्रकाश लड्ढा महू, मांगीलाल अजमेरा बड़ावदा और विनय मालानी आगर-मालवा शामिल हैं। वहीं संयुक्त मंत्री के तौर पर मनीष न्याती इंदौर, ओमप्रकाश माहेश्वरी खेतिया, ओमप्रकाश झंवर बाग, राधेश्याम केला चंदवासा और राजेश होलानी कांटाफोड़ भी निर्विरोध रहे। इसके साथ ही प्रदेश कार्यसमिति के लिए मधु भलिका, सुरेश हेड़ा, अभय झंवर, रूपेश भूतड़ा व मुकेश सारडा का निर्वाचन भी निर्विरोध हुआ है।

बिड़ला फिर बने अध्यक्ष

मांडल. तहसील माहेश्वरी महासभा का वित्तीय वर्ष की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव गत दिनों माहेश्वरी पंचायत भवन में हुए। इसमें ओमप्रकाश बिड़ला को सर्वसम्मति से निर्विरोध तहसील अध्यक्ष चुना गया। मुख्य चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश गंदोड़िया ने बताया कि उपाध्यक्ष रामपाल सोनी बागोर, मंत्री सुरेश जाजू मांडल, कोषाध्यक्ष निर्मल मूंदड़ा मांडल, संगठन मंत्री कमलेश सोमाणी भगवानपुरा, संयुक्त मंत्री पवन मंडोवरा मांडल चुने गए। 15 सदस्यीय कार्यकारिणी व दस जिला सदस्य भी चुने गए।

दिल से साफ रहोगे
तो सबके खास रहोगे

दर्शनीय स्थलों के रेखांकनों के कैलेंडर का विमोचन

उज्जैन। देश के प्रख्यात चित्रकार अक्षय आमेरिया द्वारा उज्जैन के दर्शनीय स्थलों पर किये गए रेखांकनो के संकलन पर आधारित कैलेंडर 2020 का विमोचन आज देश के प्रख्यात मैनेजमेंट गुरु एन रघुरमन द्वारा रेडियो दस्तक 90.8 पर किया गया। अक्षय आमेरिया विगत कई वर्षों से उज्जैन के दर्शनीय एवं पर्यटन स्थलों के रेखांकन से नगर की विरासत को संजोने का कार्य कर रहे हैं। उनके इस कलात्मक कार्य का प्रेक्षकों से सकारात्मक प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है। इस अवसर अवसर पर अक्षय आमेरिया, डॉ चन्दर सोनाने पूर्व रजिस्ट्रार माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय, मोटिवेशनल स्पीकर निर्मल भटनागर, ऋषि मुनि प्रकाशन के संचालक पुष्कर बाहेती, रेडियो दस्तक के निदेशक संदीप कुलश्रेष्ठ सहित नगर के कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

'बाबुल का आंगन' का हुआ आयोजन

पुणे। कपड़गंज के राधे-राधे ग्रुप द्वारा 23 से 25 दिसम्बर तक कार्यक्रम बाबुल का आंगन का आयोजन किया गया। इसमें कपड़गंज के 125 माहेश्वरी परिवार की लगभग 300 बहन-बेटियों ने हिस्सा लिया। अध्यक्ष आशा भूतड़ा व सचिव प्रमिला केला के नेतृत्व में मंडल की सदस्याओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गयां महालक्ष्मी मंडल द्वारा बेटियों के सम्मान में भोज भी आयोजित किया गया। गोकुल लाहोटी राधेश्याम डागा, संजय मुंदड़ा, संजय करवा, श्याम मूंदड़ा, मुकुंद नावंदर, श्रीकांत राठी, रविंद्र भुतड़ा सहित समस्त सदस्यों का इसमें योगदान रहा।

हर घर पर लगेगी जय महेश लिखी प्लेट

भीलवाड़ा. नगर माहेश्वरी सभा की पहली बैठक रामद्वारा रोड स्थित वाटिका में आयोजित हुई। अध्यक्षता नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष केदार जागेटिया ने की। नगर सभा के संविधान संशोधन के साथ 3 वर्ष के कार्यकाल में कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। रामेश्वरम् के अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने बताया कि 31 मार्च 2020 को रामेश्वरम भवन का शुभारंभ करने का निर्णय लिया गया। माहेश्वरी समाज के हर घर पर जय महेश लिखी स्टील की प्लेट लगाने का निर्णय भी लिया गया। नगर सभा के 3 जोन के उपाध्यक्ष को उनके जोन की विभिन्न क्षेत्रीय सभाओं के पदेन सदस्य होने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में उपाध्यक्ष शंभूप्रसाद काबरा, सहसचिव प्रमोद डाड व प्रचार मंत्री निदेश मालीवाल को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेश कचौलिया, उपाध्यक्ष गोविंद राठी, उपाध्यक्ष महावीर समदानी, कोषाध्यक्ष सुरेश बिड़ला आदि मौजूद थे।

श्री भवानी ज्वेल्स का नवीन शोरूम शुरू

हैदराबाद. श्री भवानी ज्वेल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नगर की सुप्रसिद्ध रत्नजड़ित स्वर्ण आभूषण की कंपनी है। हैदराबाद में श्री भवानी ज्वेल्स ने हिमायतनगर व मलकपेट के शोरूम की सफलता के पश्चात अपना तीसरा शोरूम नागोल क्षेत्र में गत 6 दिसंबर को शुरू किया। वर्ष 1966 से इस व्यवसाय में श्री गोविंदराम बंग व उनके पार्टनर श्री जानकीलाल संगी ने अपने कदम रखे और आज भी उसी पार्टनरशिप को बहुत ही व्यवस्थित ढंग से कायम रखते हुए पुत्र विनोद बंग, प्रमोद बंग, कृष्णा संगी व आनंद संगी द्वारा ग्राहकों को उच्चतम सेवा प्रदान की जा रही है। श्री भवानी ज्वेल्स में बेशकीमती पत्थरों जैसे माणक, पन्ना, हीरे, मोती, पोलकी व जड़ाऊ आभूषण तैयार किए जाते हैं। इसके अलावा ग्राहकों की पसंद अनुसार उनके लिए खास आभूषण डिजाइन करवाकर बनाये जाते हैं व समय के साथ अपडेट रहकर ग्राहकों के लिए नवीनतम आभूषण तैयार किये जाते हैं। आज लगभग पांच लाख नियमित ग्राहकों की सेवा हेतु डिजाइनर की व्यवस्था है तथा गोल्ड सेविंग स्कीम चलाई जाती है, जिससे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को छोटी-छोटी पूंजी को जमा करने की आदत हो। श्री भवानी ज्वेल्स के हर शोरूम में प्रति दिवस खुलने व मंगल होने के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है, ताकि आभूषण खरीदने वालों के घर में सुख-समृद्धि आए। श्री भवानी ज्वेल्स आने वाले कुछ वर्षों में और कई नए शोरूम खोलने पर विचार कर रहा है। श्री भवानी ज्वेल्स की एक और विशेषता यह है कि हर प्रकार के पुराने स्वर्ण आभूषण को ग्राहकों की सेवा करने के भाव से निःशुल्क रिपेयर किया जाता है।

शपथ ग्रहण के साथ वरिष्ठ सम्मान

भीलवाड़ा. श्री माहेश्वरी समाज सेवा समिति सुभाष नगर का दीपावली स्नेह मिलन एवं नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गत 24 नवंबर को सुभाषनगर माहेश्वरी भवन पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने कहा कि समाज के युवाओं को मंदी के दौर में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा से मुकाबला करने के लिए तैयार होना चाहिए। कार्यकारिणी को शपथ उपसभापति देवकरण गग्गर ने दिलाई। साथ ही समाज के 20 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया, सांसद सुभाष बहेड़िया, महेश सेवा समिति अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, ओमप्रकाश मालू, राजेंद्र राठी, ओम खटौड़, अतुल राठी, महावीर समदानी आदि मौजूद थे। स्वागत भाषण ओमप्रकाश मालू संरक्षक ने दिया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रप्रकाश काल्या व सुनीता खटौड़ ने किया। आभार कैलाशचंद सामरिया ने माना।

महिला समिति के निर्वाचन संपन्न

पुरुलिया. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति (अंतर्गत पश्चिम बंगाल माहेश्वरी महिला समिति) के निर्वाचन सर्वसम्मति से हुए। इसमें राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्या नीलम भट्टड़ (दुर्गापुर), प्रदेशाध्यक्ष नीरा मल्ल (पुरुलिया), प्रदेश सचिव कृष्णा पेड़ीवाल (पुरुलिया), संगठन मंत्री आभा लाहोटी (सिलीगुड़ी) तथा प्रदेश उपाध्यक्ष कुसुम मल्ल (पुरुलिया) चुनी गईं। हैदराबाद और छत्तीसगढ़में हुए अत्याचार के विरोध में सभी महिलाओं ने कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी। गीता जयंती के अवसर पर जयश्री सारडा ने गीताजी के ऊपर डेढ़घंटे तक प्रवचन दिया। नवयुवती संगठन द्वारा कार्तिक पूर्णिमा पर मंदिरों में जाकर दीप प्रज्ज्वलित किए गए। नवयुवती संगठन ने बच्चों के लिए दंत चिकित्सा एवं जांच का कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

हर समस्या का समाधान
समझदारी, मानवता, धैर्य एवं मुस्कान से करें...
रिश्ते कभी खराब नहीं होंगे।

रामनाम लेखन कार्यशाला का आयोजन

बीकानेर. स्थानीय डागा चौक स्थित महेश भवन में श्री माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर एवं किशोरी संगठन बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय नाम राम आर्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला समिति अध्यक्ष कंचन राठी ने बताया कि इसमें कविता डागा ने राम लेखन की विधि का महत्व बताते हुए चित्रकारी के साथ धार्मिक आस्था को जोड़ते हुए उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर लगभग 300 प्रतिभागियों ने राम आर्ट कला के माध्यम से जहां एक ओर अपनी संस्कृति से जुड़ाव किया वहीं अपनी कला का भी प्रदर्शन किया। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों में पांचवीं कक्षा से कॉलेज स्तर तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंजू लोहिया, निशा झंवर, रेखा लोहिया, श्रिया राठी, अंजली चांडक, नीलम बिन्नाणी, माला लखोटिया, अनिता मोहता, अंजलि झंवर, सरला बाहेती, मंजू दम्माणी, गौरीशंकर राठी आदि कई गणमान्यजन भी उपस्थित थे।

नवीन कार्यकारिणी गठन पर सुंदरकांड

बैंगलोर. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नई कार्यकारिणी के गठन के उपलक्ष्य में धार्मिक कार्यक्रम के तहत गत 14 दिसंबर को माहेश्वरी भवन में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें पंडित शंभूदयाल पारीक (श्री डूंगरगढ़वासी) के मुखारविंद से संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया। मंडल की अध्यक्ष कांता काबरा, सचिव विजयलक्ष्मी सारडा ने भगवान गणेश की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अध्यक्ष व सचिव सहित माहेश्वरी सौंदर्य कोऑपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष नंदकिशोर मालू, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के दक्षिणांचल के सहसचिव प्रकाश मूंदड़ा, सलाहकार सदस्य सावित्री मालू, बिमला मालू, नंदकिशोर मालू व आशा बिसानी ने कथा वाचक श्री पारीक का स्वागत किया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्य राजगोपाल मंदड़ा, महावीर काबरा, सभा के अध्यक्ष निर्मल तापड़िया, उपाध्यक्ष नवल मालू, सुरेश लाखोटिया, भगवानदास सारडा आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव विजयलक्ष्मी सारडा ने किया।

माहेश्वरी सीए विद्यार्थियों ने जीता राष्ट्रीय पुरस्कार

इंदौर. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय टैलेंट हंट कॉम्पीटिशन 2019 का आयोजन गत 20 दिसंबर को इंदौर के सीए भवन में किया गया। पूरे कार्यक्रम में रीजनल स्तर पर भारतवर्ष की करीब 29 टीमों ने हिस्सा लिया। उनमें से 5 रीजनल टीमों को फाइनल प्रदर्शन हेतु मंच दिया गया। माहेश्वरी समाज जोधपुर के युवा विद्यार्थी केशव बिड़ला सुपुत्र सीए योगेश बिड़ला की टीम जोधाणा जोधपुर ने यह राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। केशव बिड़ला ने बताया कि उनकी टीम द्वारा गत 22 नवंबर को उदयपुर में रीजनल कॉम्पीटिशन जीता गया एवं फिर उनकी टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु नामांकित की गई। संपूर्ण परिकथा, डायलॉग्स, वेशभूषा, मंचन जोधपुर के 6 विद्यार्थियों की टीम द्वारा किया गया। टीम जोधाणा द्वारा बताया गया कि किस प्रकार परिवार एवं समाज हमसे सीए की परीक्षा में फर्स्ट अटेम्ट में पास होने हेतु अपेक्षा रखता है, एवं इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा किस मानसिक दौर से गुजरना पड़ता है। टीम के केशव बिड़ला ने लगातार 2 मिनट तक तार्किक संवाद बोल कर पूरे हॉल में दर्शकों को अभिभूत कर दिया गया। पद्मश्री पद्मभूषण श्री गोकुलोत्सव महाराज द्वारा केशव बिड़ला की टीम जोधाणा को राष्ट्रीय मंचन पुरस्कार 2019 दिया। पुरस्कार स्वरूप रुपए 21,000 की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।

200 बालिकाओं का किया नेत्र परीक्षण

उज्जैन. लायंस क्लब उज्जैन महाकाल एवं लायंस क्लब उज्जैन अनंता द्वारा विगत दिनों कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में नेत्र परीक्षण शिविर लगाया गया। इसमें 200 बालिकाओं का नेत्र परीक्षण किया गया। परीक्षण पश्चात ज्यादा पीड़ित बालिकाओं के नंबर निकलवाकर चश्मे बनवाकर निःशुल्क बांटे गए। जोन चेयरमैन देवाशीष राय, अध्यक्ष कैलाश डागा, प्रशांत माहेश्वरी, गुरदीप सैनी, संजीव गाडगिल, शैलेंद्र रावल, पंकज नीमा, मुकश दिसावल तथा क्लब अनंता की कोषाध्यक्ष अनीता डागा उपस्थित थे।

लड्ढा बने कार्यसमिति सदस्य

उज्जैन। शिप्रा तट पर स्थित झालरिया मठ में पाश्चिमी म.प्र. सभा के राष्ट्रीय कार्यसमिति हेतु सदस्यों के निर्वाचन सम्पन्न हुए। इसमें प्रदेश सभा की ओर से इंदौर निवासी कमल लड्ढा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पश्चिमी म.प्र. सभा की ओर से कार्य समिति सदस्य निर्वाचित हुए। श्री लड्ढा के मनोनयन पर प्रदेश सभा सहित समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

युवा भागवत का आयोजन

जयपुर. युवा भागवत त्रिवेणी चिंतन कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजयशंकर मेहता ने निजी जीवन में सफलता के सूत्र बताए। इससे पूर्व उन्होंने पहले दिन व्यावसायिक जीवन और दूसरे दिन पारिवारिक जीवन में सफलता के सूत्र बताए। युवा भागवत का आयोजन श्री माहेश्वरी समाज जयपुर की ओर से किया गया। उन्होंने कहा कि निजी जीवन की सबसे बड़ी समस्या अकेलापन है। कुछ लोग वास्तव में अकेले होते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो आठ-दस लोगों के बीच रहते हुए भी अपने को अकेला महसूस करते हैं। यह बहुत ही दुःखद स्थिति है। पं. मेहता ने कहा कि अकेलेपन को एकांत में बदलने से दुःख कम हो जाते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद थे। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, महामंत्री गोपाललाल मालपानी सहित अनेक पदाधिकारियों ने पं. मेहता का स्वागत किया। अंत में जीवन प्रबंधन समूह के राष्ट्रीय समन्वयक चंद्रमोहन शारदा ने माहेश्वरी समाज, सद्संस्कार समिति और सभी श्रोताओं का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

अहमदनगर. नगर तहसील माहेश्वरी सभा और आदित्य बिरला मेमोरियल हॉस्पिटल पुणे के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन धूत हॉस्पिटल में किया था। शिविर का उद्घाटन डॉ. आरआर धूत ने किया। माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष अनिष मणियार, जिला मंत्री अजय जाजू, बिरला हॉस्पिटल के डॉ. सुभाष मुनोत मंचासीन थे। सम्मेलन में 115 लोगों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया। इसमें 100 महिलाएं थीं। नंदलाल मणियार, आरडी. मंत्री, श्रीगोपाल जाखोटिया, चंद्रकांत गट्टाणी, रामेश्वर बिहाणी, अतुल डागा, अशोक बंग, ओमप्रकाश चांडक आदि उपस्थित थे। समारोह का संचालन ने कया। आभार तहसील मंत्री मुकुंद धूत ने माना।

युवा महेश की शिर्डी पदयात्रा

संगमनेर. संगठन युवा महेश द्वारा शिर्डी पदयात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का यह दूसरा साल था। इस वर्ष 225 भक्त पदयात्रा में शामिल हुए। श्री बालाजी मंदिर के सामने मनीष मालपाणी, गिरीश मालपाणी, पंच ट्रस्ट के राधेश्याम पड़तानी, राणीप्रसाद मूंदड़ा, युवा महेश के मार्गदर्शक सीए कैलाश सोमाणी, जिला मानद मंत्री अजय जाजू, तहसील अध्यक्ष अतुल झंवर आदि दानदाता तथा गणमान्यजनों की उपस्थिति में साईंबाबा की आरती हुई। पदयात्रा की सफलता हेतु प्रकल्प प्रमुख विनय तापड़िया, श्रीनिवास भंडारी, प्रकल्प समिति सदस्य राम जाजू, महेश नावंदर, हरीश सारडा, खेमू जाजू, हरीश आसावा, गिरीश मणियार, कुशावर्त कासट, सचिन मणियार, स्वप्निल भंडारी, राजेश लड्ढा, शिरीष तिवारी आदि ने सहयोग दिया।

मूंदड़ा बनी छत्तीसगढ़ माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष

रायपुर. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अष्टम सत्र की चयन प्रक्रिया गत 19 दिसंबर को रायपुर में संपन्न हुई। इसमें अमिता मूंदड़ा सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। अमिता मूंदड़ा माहेश्वरी महिला मंडल राजनांदगांव की अध्यक्ष, अभा माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री रहते हुए विगत कई वर्षों से सामाजिक सेवाएं दे रही हैं। श्रीमती मूंदड़ा अभा माहेश्वरी समाज के अर्थमंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी, कमल साल्वेंट के संस्थापक पूर्व अर्थमंत्री दामोदरदास मूंदड़ा की बहू एव युवा उद्योगपति व समाजसेवी राजनांदगांव जिलाध्यक्ष सुनील मूंदड़ा की धर्मपत्नी हैं।

माहेश्वरी सभा का कैलेंडर विमोचित

बैंगलोर. स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रकाशित कैलेंडर 2020 का विमोचन गत 22 दिसंबर को माहेश्वरी भवन में मुख्य अतिथि गोपीलाल लड्ढा द्वारा किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया, माहेश्वरी महिला मंडल की कोषाध्यक्ष शोभा भूतड़ा, माहेश्वरी युवा मंच के सचिव अंकित लोहिया, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा एवं विज्ञापनदाता विशेष रूप से मौजूद थे। इस कार्यक्रम में सभा के कार्यसमिति सदस्य तथा राजकीय अवकाशों का सचित्र समावेश किया गया है। यह कैलेंडर कर्नाटक गोवा प्रदेश में सभी माहेश्वरी परिवारों को वितरित किया जाता है।

कोठारी अध्यक्ष एवं बिड़ला प्रदेश मंत्री

भीलवाड़ा. दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव आरकेआरसी व्यास कॉलोनी स्थित माहेश्वरी भवन में हुए। इसमें कैलाश कोठारी निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी नारायणलाल जागेटिया ने बताया कि चुनाव में सत्येंद्र बिड़ला मंत्री एवं सुरेशचंद्र कचौलिया कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। राजेंद्रप्रसाद नुवाल (उदयपुर) एवं सत्यप्रकाश काबरा (राजसमंद) उपाध्यक्ष चुने गए। शंकर मूंदड़ा (उदयपुर) संयुक्त मंत्री एवं मदनलाल मालाणी (राजसमंद) संगठन मंत्री निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी लक्ष्मीलाल आगाल व प्रहलाद कोठारी थे।

श्रीमती गीतादेवी बांगड़ के स्वर्ण सीढी आरोहण का आयोजन

सुसनेर। बांगड़ परिवार द्वारा श्रीमती गीतादेवी बांगड़ के स्वर्ण सीढी आरोहण का आयोजन गत 15 दिसम्बर को परिवारजनों के बीच हुआ। इसमें बांगड़ परिवार के साथ समस्त बहन-बेटियों की उपस्थिति भी विशेष रूप से रही।

रूबरू होना पड़ता है
तकलीफों से...
यूं ही कोई
काबिले तारीफ़ नही होता..

विवाह के 30 वर्ष बाद डॉक्टोरेट शशि सोमानी

आज की युवा पीढ़ी विवाह को कॅरियर के मार्ग की बाधा समझती है। ऐसे लोगों के प्रत्युत्तर के लिए समाज में कई उदाहरण मौजूद हैं। इनमें से एक हैं, इंदौर निवासी शशि सोमानी जिन्होंने विवाह के 30 वर्ष पश्चात समाजशास्त्र में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने का कीर्तिमान बनाया है।

इंदौर निवासी शशि सोमानी को देवी अहिल्या विवि इंदौर द्वारा समाज विज्ञान संकाय में डाक्टोरेट की उपाधि प्रदान की गई। जब यह खबर समाज में फैली तो विशेष हर्ष व्याप्त हो गया। कारण यह है कि माहेश्वरी समाज के लिए यह गौरवशाली उपलब्धि है। आखिर श्रीमती सोमानी ने अपने विवाह के 30 वर्ष पश्चात डाक्टोरेट की उपाधि अपने पारिवारिक कर्त्तव्यों का का निर्वहन करते हुए प्राप्त की है। श्रीमती सोमानी मूलतः ग्वालियर निवासी रामवतार खटोड़ की सुपुत्री हैं। इनका विवाह इंदौर के स्व. श्री बद्रीनारायण सोमानी के परिवार में डॉ. मनोहरदास सोमानी के साथ 1988 में हुआ था।

शिक्षा में रुचि ने बढ़ाए कदम आगे

श्रीमती सोमानी को पठन-पाठन की लगन इतनी रही कि आपने समाजशास्त्र विषय में पीजी की उपाधि विवाह के 21 वर्ष पश्चात हासिल की। इसके बाद शोध कार्य में संलग्न हो गईं और परिणाम स्वरूप इनके शोध कार्य पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वारा शोध उपाधि समाजशास्त्र विषय में 'मप्र के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का प्रभाव (इंदौर जिले के विशेष संदर्भ में)' विषय पर प्रस्तुत शोधग्रंथ पर प्रदान की गई। उन्होंने अपना शोध कार्य समाज शास्त्र विषय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. त्रिपतकौर चावला के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

उनति के पथ पर परिवार

श्रीमती सोमानी की प्रेरणा से उनके परिवार में शिक्षा के प्रति रुझान कितना अधिक है, इसका अनुमान उनकी पारिवारिक स्थिति को देखकर ही लगता है। श्रीमती सोमानी के दो पुत्र हैं। बड़ा पुत्र अमेरिका से कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के पश्चात वहीं पर केलिफोर्निया में साफ्टवेयर इंजीनियर है। छोटा पुत्र सीए की पढ़ाई के साथ वाणिज्य विषय में स्नातकोत्तर कक्षा में अध्ययनरत है।

महेश सेवा समिति की सभा संपन्न

भीलवाड़ा. श्री महेश सेवा समिति के छात्रावास प्रांगण में गत 7 नवंबर को आम सभा पूर्व सभापति रामपाल सोनी की अध्यक्षता व उपसभापति देवकरण गग्गड़, पूर्व उपसभापति आरएल नौलखा, प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, राधेश्याम सोमानी, केजी सोनी की उपस्थिति में संपन्न हुई। स्वागत उद्बोधन समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी ने दिया। संविधान संशोधन के विषय को सर्वसम्मति से स्थगित किया गया व रामपाल सोनी ने मार्च तक चुनाव कराने के लिए श्री महेश सेवा समिति के पदाधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर ओम नरानीवाल, गोविंद गंडोडिया, शिव तोषनीवाल, दिलीप तोषनीवाल, सुभाष बाहेती, मदनलाल आगाल, सुरेश कचोलिया, सत्यप्रकाश गग्गड़ आदि ने भी अपने विचार रखे। सचिव राजेंद्र कचोलिया ने सभी का आभार माना।

आर्थिक स्थिति कितनी भी अच्छी हो, जीवन का आनंद तो मानसिक स्थिति पर निर्भर है।

कर्नाटक-गोवा माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

सुरापुर. कर्नाटक-गोआ प्रदेश सभा के 2019-2022 के 11वें सत्र के लिए नए पदाधिकारियों के चुनाव, सूरापुर शहर में गत 15 दिसंबर को संपन्न हुए। चुनाव में अध्यक्ष हुबली निवासी ब्रजमोहन भूतड़ा, महामंत्री राजेंद्र मूंदड़ा बेलगावी, अर्थ मंत्री बागलकोट के द्वारकादास राठी, संगठन मंत्री नवरतन जाजू बल्लारी, संभाग 1 से उपाध्यक्ष कमलकिशोर मालपानी-गूलेदगु, संयुक्त मंत्री ब्रिजनारायण डागा बनहट्टी, संभाग 2 से उपाध्यक्ष शंकरलाल करवा बल्लारी, संयुक्तमंत्री पुरुषोत्तम मंत्री शहाबाद, संभाग 3 से संयुक्त मंत्री राजेश माहेश्वरी गोवा चुने गए। नए पदाधिकारियों को शपथ भूतपूर्व अध्यक्ष घनश्याम तोषनीवाल ने दिलवाई।

दो दिवसीय यात्रा सम्पन्न

देवास। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की दो दिवसीय यात्रा सम्पन्न हुई। नाथद्वारा कांकरोली चारभुजा जी रूप के दर्शन किये। साधना बियानी, राजकुमारी ईनाणी एवं मंगला सिंगी के नेतृत्व में सफल रही।

With Best Compliments From

Rahul Somany
9849048000

Dharmendra Kalantri
9441330440

Somany Sanitation

Authorised Dealers for

- Somany Aquaware
- Somany Sanitaryware
- Somany C.P. Fittings
- Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles

Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories

PROUD BNI MEMBER

Sec-Bad Address -
5-4-78/1, Opp. Tvs Sundaram Motors,
M.G. Road, Ranigunj, Sec-Bad -500003
Ph. : 040-27545455, 66383940

Banjara Hills Add :
8-2-684/3/16
"Disha Banjara" Banjara Green Colony,
Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad

With Best Compliments From

SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

theinnerstrength
foryourconstruction

Sanjay Kumar Somani
+91 - 92465 34957

Sudhir Kumar Somani
+91 - 98490 24065

Aakash Somani
+91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Mahendra Rathi
92468-87753
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

धर्म, जाति, संस्कृति सभी कुछ तब तक सुरक्षित हैं, जब तक राष्ट्र सुरक्षित है। इतिहास गवाह है कि यदि राष्ट्र सुरक्षित नहीं होता तो तलवार की नोक पर सब बदल दिए जाते हैं। फिर भी हम जितना महत्व अपने धर्म, जाति, संस्कृति के पर्व त्योहारों को देते हैं, इतना अपने राष्ट्रीय पर्व को नहीं। स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस आज भी सिर्फ सरकारी पर्व बने हुए हैं, आमजन के नहीं।

आमजन के पर्व क्यों नहीं बन पाए राष्ट्रीय पर्व

श्रीराम माहेश्वरी, वाराणसी

राष्ट्र में रहने वालों के धर्म, भाषा, खान-पान, पहनावा, अलग-अलग हो सकते हैं, पर राष्ट्र तो सबका एक ही है। इसलिए राष्ट्रीय आस्था के किसी साझा बिंदु की आवश्यकता पहले भी थी, आज भी है, जिसका सम्मान प्रत्येक देशवासी करे। देश को स्वतंत्र हुए सात दशक से अधिक हो गए, परंतु हम ऐसा सर्वमान्य बिन्दु स्थापित नहीं कर पाए हैं, जो हमारे राष्ट्रबोध का परिचायक हो। व्यक्तिगत स्तर पर हम किसी न किसी मत-मजहब से जुड़े रहना चाहते हैं, किंतु व्यक्तिगत स्तर पर राष्ट्रधर्म से जुड़ने की हमारी चेष्टा नहीं रहती है। मत-मजहब की अवहेलना से हम बचते हैं, परंतु राष्ट्र की अवहेलना पग-पग पर करते हैं। अपने देश में त्योहारों की बहुलता हैं, किंतु सभी त्योहार धर्म-पंथ-संप्रदाय, मजहब, रिलीजन में बंटे हुए हैं, बाकी जो बचे वे स्थानकवासी हो गए। एक भी त्योहार ऐसा नहीं है, जिसे राष्ट्र को समर्पित करते हुए देश के सभी नागरिक अपने घर में अन्य त्योहार (होली-दिवाली-ईद-क्रिसमस) की भांति मानते हों।

हर वर्ग के पर्व हैं हमारे राष्ट्रीय पर्व

इस दृष्टि से स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) तथा गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) सर्वाधिक उपयुक्त प्रतीत होते हैं। देश की स्वतंत्रता के लिए चले संघर्ष में धर्म-मजहब, जाति, क्षेत्र, पढ़े-बेपढ़े, अमीर गरीब, बड़ी जाति-छोटी जाति, पुरुष-महिला, वृद्ध-जवान सबने स्वतंत्रता-आंदोलन में साथ-साथ भाग लिया था। मातृभूमि को पराधीनता से मुक्त कराने में किसी का बलिदान किसी से कम नहीं था। इस संघर्ष में हमारे पुरखों की 2-3 पीढ़ियां खप गईं। उन्होंने जिस हद तक जुल्म झेला, जितनी कुर्बानी दी, उसका एक अंश झेलना हमारे लिए मुश्किल हो जाएगा। 15 अगस्त को लालकिले से प्रधानमंत्री द्वारा देश को संबोधित करने की परंपरा शुरू हुई है। 15 अगस्त व 26 जनवरी को शैक्षणिक संस्थाओं तथा सरकारी कार्यालयों में झंडारोहण होता है, उत्सव के अंतर्गत कुछ कार्यक्रम होते हैं। विभिन्न संगठन अपने-अपने स्तर पर सामूहिक कार्यक्रम करते हैं।

शासकीय अवकाश बने राष्ट्रीय पर्व

इन दोनों तिथियों पर सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया। सरकार को समारोह मनाता देखकर जनता इन्हें सरकारी समारोह के रूप में देखने की अभ्यस्त हो गई। अन्य कई त्योहारों पर घोषित सार्वजनिक अवकाश का उपयोग उस त्योहार को मनाने में हम करते हैं, छुट्टी मनाने के लिए नहीं। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि 15 अगस्त व 26 जनवरी जैसी छुट्टी को हम बहुत हल्के में लेते हैं, जबकि ये दिवस किसी अन्य त्योहार से कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। हम अपने घर में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस नहीं मनाते हैं, बल्कि छुट्टी मनाते हैं। 15 अगस्त और 26 जनवरी की तिथि हमें इसीलिए मिली है कि हम उमंग से लबरेज होकर इस दिन उत्सव मनाएं। दूसरी तरफ, दोनों तिथियों पर उन लोगों का पुण्य स्मरण अवश्यमेव करना चाहिए, जिनके कारण हमें आजादी मिली। उनके संघर्ष, बलिदान, मातृभूमि को स्वतंत्र करने के लिए उनके दिल में धधकी ज्वाला की गाथाएं पढ़ेंगे तो रोंगटे खड़े जाएंगे, आंख से आंसू टपक पड़ेंगे। आज इन्हीं पुण्यात्माओं की बदौलत अपने स्वतंत्र आकाश में हम कल्पना की पतंग उड़ा पा रहे हैं।

क्यों बनी यह स्थिति

स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र-नेता, समाज-मनीषी, राजपुरुषों में से किसी ने भी देश की जनता का आह्वान नहीं किया कि ये दोनों स्वतंत्र भारत के नए त्योहार हैं। होली-दिवाली-विजयादशमी, पोंगल, गुड़ी पड़वा, ईद, क्रिसमस जैसे त्योहारों की तरह दोनों को भी त्योहार के रूप में मनाना चाहिए। ये दोनों तिथियां बहुत महत्वपूर्ण हैं, पावन हैं, वंदनीय हैं। इन्हें अपने घर में त्योहार के रूप में हमें स्थापति करना चाहिए था। बस, चूक हो गई। ईश धर्म में जुड़कर अवश्य रहिए मगर राष्ट्र धर्म से भी जुड़ने की आवश्यकता है, क्योंकि यदि राष्ट्र सुरक्षित और व्यवस्थित नहीं रहेगा तो अपने-अपने भगवान से मिलने हम मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारा-गिरजाघर नहीं जा पाएंगे। देश में निष्काम ईश भक्ति तो दुर्लभ है, किंतु स्वतंत्रता आंदोलन के समय निष्काम राष्ट्र भक्ति प्रखरता के साथ पूरे देश में थी। स्वतंत्रता मिलने के साथ इसका रुख राष्ट्र नव-निर्माण की ओर मोड़ने की आवश्यकता थी। यदि ऐसा हो जाता तो राष्ट्र की गति व मति कुछ और होती। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वाला राष्ट्र बोध स्वतंत्रता के बाद धीरे-धीरे गायब हो गया।

इस तरह मनाएं राष्ट्रीय पर्व

अतः स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को त्योहार के रूप में स्थापित करने के लिए इस उपलक्ष्य में शुभकामना संदेश का आदान-प्रदान कीजिए। अपने घर-प्रतिष्ठान की आंतरिक व ब्राह्य सज्जा तिरंगी आभा के साथ कीजिए। परिवार में अस्थायी रूप से राष्ट्र पताका की स्थापना करके, उसके सामने खड़े होकर परिवार के सभी सदस्य राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत गाइए, राष्ट्र पताका पर पुष्प वृष्टि करिए। अन्य त्योहारों की तरह रसोई महकाइए, मिठाई बांटिए। स्वतंत्र-आंदोलन के गाथा का परायण-श्रवण करिए, देश के लिए बलिदान देने वाले अपने परिवार के सदस्यों, अपने मुहल्ले, अपने ग्राम नगर, अपने प्रांत तथा राष्ट्रीय स्तर के स्तवंत्रता संग्राम सेनानियों का पुण्य स्मरण करिए। छोटों तथा घर के सेवकों, प्रतिष्ठान के कर्मचारियों को उपहार या नकद के रूप में त्योहारी दीजिए। बड़ों को प्रणाम करिए। अर्थोपार्जन करने वाले घर के सदस्य परिवार के निवृत्तवय वालों को उनकी आवश्यकता या रुचि का कोई उपहार दें। सैनिक-परिवार-कल्याण योजना में दान दीजिए। अपने पूजा स्थल पर विराजमान भगवान की मूर्तियों का तिरंगी आभा के साथ साज-शृंगार कीजिए। अपने-अपने उपासना स्थानों मंदिर, गिरजाघर, मस्जिद की सजावट में तिरंगी आभा बिखेरिए। भगवान से प्रार्थना कीजिए कि हमारे परिवार में राष्ट्रबोध सदा प्रवाहमान रहे।

॥ जय श्री कृष्ण ॥

भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग में

'श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा टस्ट'

द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन

माहेश्वरी भवन, गोवर्धन

आन्योर परिक्रमा मार्ग, दानघाटी के पास, गोवर्धन 281502 (उ.प्र.)

दूरभाष- 0565-2815832, मो. 88591-11222

www.mbgoverdhan.com

E-mail : mbgoverdhan@gmail.com

आप अपना आरक्षण ऑन लाईन अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टॉवेल आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटेच लेट-बॉथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेयर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- पॉवर कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

बजरंगलाल बाहेती (अध्यक्ष)
मो.- 98290-79200

विनोद कुमार बांगड (महामंत्री)
मो. 094142-12835

जुगल किशोर बाहेती (कोषाध्यक्ष)
मो. 98291-56858

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड,
देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया
कार्यकारी अध्यक्ष
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड
महामंत्री
मो. 094142-12835

गोविंद गोपाल सोनी
कोषाध्यक्ष

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हमारे जीवन का सभी शुभ-अशुभ फल नवग्रहों पर आधारित है। ऐसे में किसी भी राशि में सर्वाधिक अवधि 30 माह तक रहने वाला ग्रह शनि स्वाभाविक रूप से हमें सबसे अधिक प्रभावित करेगा। आगामी 24 जनवरी को शनिदेव राशि परिवर्तन कर धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। तो आईये जानें आपके जीवन में क्या-क्या परिवर्तन लेकर आएंगे शनिदेव और क्यों?

क्या शुभाशुभ फल लेकर आएंगे शनिदेव

मंद गति से भ्रमण करने वाला मंदी ग्रह शनि लगभग 30 माह में राशि परिवर्तित करता है। गोचर भ्रमणवश शनिदेव 24 जनवरी 2019 को प्रातः 9.52 बजे धनु से अपनी स्वराशि मकर में प्रवेश करेंगे। 11 मई को शनि मकर राशि में ही वक्री होकर 29 सितंबर 2019 को मार्गी होंगे। राशि परिवर्तन के कारण शनि की ढैया तथा साढ़ेसाती से व्यक्ति विशेष प्रभावित होते हैं। मकर राशि में शनि के प्रवेश करते ही वृश्चिक राशि के व्यक्ति साढ़ेसाती से और कन्या व वृष राशि के जातक शनि की ढैया से मुक्त हो जाएंगे। शनि जनित शुभाशुभ फलों की प्राप्ति के संदर्भ में, शनि राशि परिवर्तन के समय उसके पाया फल का विचार भी कर लेना चाहिए। शनि सदैव अशुभ फल ही प्रदान करते हैं, यह भ्रांति गलत है। वस्तुतः शनि कर्म प्रधान ग्रह हैं। कर्मनिष्ठ व्यक्तियों को शनि कुशल प्रशासक तथा प्रबंधक बनाता है। संतुष्ट होने पर राज्यसुख, मान प्रतिष्ठा और पदवी देता है। अकर्मण्य व्यक्तियों को शनि प्रताड़ित करते हैं, ताकि वे सन्मार्ग पर चलने के लिए उत्प्रेरित हो सकें। न्यायप्रिय देवता होने के कारण शनिदेव व्यक्ति के पाप कर्मों का न्याय कर उन्हें पाप मुक्त करते हैं।

कैसे प्रभावित करेंगे शनिदेव

शनि की दृष्टि विच्छेदात्मक होती है। यह जिस राशि अथवा भाव पर दृष्टि डालता है। उस भाव से संबंधित फलों में प्रायः न्यूनता लाता है। शनि 3, 7 व 10वें स्थान को पूर्ण दृष्टि से देखता है। मकर राशि में गतिशील शनि मीन राशि को तृतीय पूर्ण दृष्टि से देखेगा, सप्तम एवं दशम पूर्ण दृष्टि क्रमशः कर्क और तुला राशि पर रहेगी। इसी प्रकार शनि के पाये से भी विचार किया जा सकता है। जिस दिन शनि राशि परिवर्तन करता है, उस दिन गतिशील चंद्रमा आपकी राशि से 1, 6, 11वें स्थान में हो तो सोने के पाये से, 2, 5, 9वें स्थान में चांदी, 4, 8, 12वें स्थान में लोहे तथा 3, 7, 10वें स्थान पर हो तो तांबे के पाया से शनि का प्रवेश होता है। उदाहरण देखें माना आपकी राशि मेष है और शनि राशि परिवर्तन के दिन चंद्रमा मकर राशि में गतिशील हो तो, मेष से मकर राशि दसवें स्थान पर होने के कारण शनि परिवर्तन के दिन चंद्रमा मकर राशि में गतिशील हो तो, मेष से मकर राशि दसवें स्थान पर होने के कारण शनि का प्रवेश तांबे के पाये से होगा। इसी प्रकार अन्य राशियों के बारे में जाना जा सकता है। 24 जनवरी को शनिदेव जब प्रातः 09.52 बजे मकर राशि में प्रवेश करेंगे। उस समय चंद्रमा मकर राशि में गतिशील रहेगा। फलस्वरूप सिंह, मकर व मीन राशि पर स्वर्ण का पाया (संघर्ष पूर्ण), मेष, कर्क एवं वृश्चिक राशि पर ताम्र (तांबा) पाया (शुभफलप्रद), वृष, कन्या व धनु राशियों पर रजत पाया (सबसे उत्तम) और मिथुन, तुला एवं कुंभ राशियों पर लौह पाया (अशुभ) से शनि प्रवेश करेगा।

डॉ. महेश शर्मा
जयपुर, 94143-70518

शनि साढ़ेसाती व ढैया भी बदलेगा

गोचर भ्रमणवश जब शनि किसी जातक की राशि से बारहवें, प्रथम या द्वितीय स्थान में हो तो वह शनि की साढ़ेसाती कहलाती है। वहीं चौथे या आठवें स्थान पर शनि संचार करे तब शनि की ढैया कहलाती है। शनि के मकर राशि में प्रवेश करते ही कुंभ राशि पर शनि की साढ़ेसाती प्रारंभ होगी जबकि धनु और मकर राशि पर साढ़ेसाती यथावत चलती रहेगी। वहीं वृश्चिक राशि के जातक साढ़ेसाती के प्रभाव से मुक्त हो जाएंगे। कन्या और वृष राशि से शनि की ढैया उतरकर तुला और मिथुन राशि पर प्रारंभ होगी। शनि की ढैया और साढ़ेसाती से प्रभावित व्यक्तियों को मानसिक अशांति, धनाभाव, शारीरिक कष्ट, नौकरी व्यवसाय में परेशानी आदि

कष्ट हो सकते हैं। परंतु ध्यान रखें जन्मकुंडली में शनि श्रेष्ठ स्थान, उच्च, स्वग्रही या मित्र राशि में हो और दशान्तर्दशा श्रेष्ठ चल रही हो तो उनके लिए शनि ढैया और साढ़ेसाती काल में अशुभ न होकर शुभ फलदायक ही रहेगा। परंतु चंद्र और शनि अशुभ ग्रहों से युत्त ऽ होकर अशुभ भावों में बैठे हों तो ढैया और साढ़ेसाती नेष्ट फलदायक होती है।

ऐसे पाएं अशुभ फलों से मुक्ति

शनिदेव को रिझायें-शनि जयंती को सायंकाल सरसों के तेल का दीपक जलाकर शनि मंत्री 'ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नम' का जाप करें। इस मंत्र का जप प्रत्येक शनिवार को जारी रखें। हनुमानजी की उपासना करें। पक्षियों को दाना डालें और पानी के परिंडे रखें। छायादार पेड लगाएं।

शनि के व्रत-भक्तिपूर्वक शनिवार का व्रत करें। शनि महाराज का तेलाभिषेक कर कंगन, खीर, कचौरी, काले गुलाब आदि का भोग लगाएं। लोहवान युक्त रूपई की वर्तिका (बत्ती) बनाकर उसे कड़वे तेल में डालकर संध्या के समय पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक लगाएं।

शनि के दान-अनिष्ट फल निवारणार्थ शनि की प्रिय वस्तुओं तिल, तेल, कुलथी, उड़द, काला वस्त्र, काला पुष्प, जूता, कस्तूरी, नीलम, कटेला, स्टील या लौह पात्र, सप्त धान्य (जौ, गेहूं, चावल, तिल, कागनी, उड़द, मूंग) आदि का दान किसी वृद्ध ब्राह्मण, दीन-हीन, गरीब व्यक्ति, अपंग, बेसहारा आदि को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा सहित करना शुभ होता है। न्याय पर चलें और कर्मनिष्ठ बनें। कुष्ठ रोगी, अपंग, बेसहारा तथा वृद्धजनों का सम्मान एवं यथासंभव उनकी मदद करें।

शनि के मंत्र-जप शनि के वैदिक मंत्र 'ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भन्वतुपीतये शय्योरभिस्त्रवन्तु नः' का यथाशक्ति जाप करें। दशरथ कृत 'शनि स्तोत्र, शनि दसनाम स्तोत्र, गजेंद्र मोक्ष आदि का पाठ करें। शनिवज्र पंजर कवच के शमी, खेजड़ा अथवा पीपल वृक्ष के पास सात बार पाठ करना विशेष फलदायी होता है।

छायादान- स्टील के बर्तन में सरसों का तेल भरें, उसमें एक सिक्का डालकर शनिवार के दिन प्रातः अपना चेहरा देखें और इस तेल को आक के पौधे पर डालें अथवा शनि मंदिर में दान करें। ऐसा पांच शनिवार तक करें। अंतिम शनिवार को तेल के साथ उस बर्तन का भी दान कर दें। तेल चढ़ाते समय शनि मंत्र का जाप करें।

शनि बाधा निवारण यंत्र-

सात मुख रुद्राक्ष शनि ग्रह द्वारा संचालित एवं महालक्ष्मी द्वारा नियंत्रित होता है। वहीं श्री यंत्र महालक्ष्मी का प्रतीक है। सात मुख रुद्राक्ष को श्री यंत्र के साथ लगाकर बनाए गए लाकेट को गले में धारण करने से व्यक्ति मां लक्ष्मी का कृपा पात्र बनता है और धन संपदा युक्त वैभवशाली जीवन यापन करता है। साथ ही इस लॉकेट को पहनने से शनि जनित पीड़ा से मुक्ति मिलती है। शनि की ढैया और साढ़ेसाती काल में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिलती है एवं कारोबार, रोजगार स्थापित करने में मदद मिलने की संभावना बढ़ती है।

क्या होगा 12 राशियों पर फल ?

मेष- इस राशि पर दशमस्थ शनि का प्रवेश ताम्र पाया से होगा। बिगड़े कामों में सुधार होगा। आकस्मिक लाभ भी होंगे। राज्य सत्ता से लाभ, वाहन व धन लाभ, दाम्पत्य सुख, पदोन्नति के योग बनेंगे।

वृष- इस राशि पर शनि का प्रवेश रजत पाया से नवम भाग्य स्थान में होगा। अतः व्यापार से भाग्योन्नति, भूमि वाहनादि सुख व धर्म-कर्म में वृद्धि होगी।

मिथुन- इस राशि पर लौह पाया से शनि की ढैया प्रारंभ होगी। व्यवसायिक उलझनें बढ़ेंगी। खर्च अधिक होगा। मानसिक तनाव, पारिवारिक क्लेश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। कठोर परिश्रम से कुछ लाभ की संभावना बनेगी। सुविवेक से कार्य करना उचित रहेगा।

कर्क- शनि का प्रवेश ताम्र पाया से सप्तम स्थान में होने के कारण आय के कुछ साधन बनते रहेंगे। मांगलिक कार्य संपादित होंगे एवं शुभ कार्यों पर खर्च होने के योग बनेंगे। शनिदेव की सप्तम पूर्णदृष्टि इस राशि पर रहेगी। कारोबार में बाधा, आय कम तथ खर्च अधिक होंगे।

सिंह- इस राशि पर शनि का प्रवेश स्वर्ण पाया से होगा। शारीरिक कष्ट, आय कम-खर्च अधिक, तनाव से परेशानी के योग हैं। आपकी राशि से शनि छठवें स्थान पर होने से शत्रु हावी होने की कोशिश करेंगे। सावधान रहें। विषम परिस्थितियों के बावजूद निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेंगे।

कन्या- रजत पाया से पंचमस्थ शनि के कारण उच्चविद्या प्राप्ति, पदोन्नति, धन लाभ, उत्साह में वृद्धि तथा विवाह आदि सुखों की प्राप्ति होगी।

तुला- लौह पाद से शनि की ढैया प्रारंभ होगी। धन का अपव्यय, मानसिक तनाव, माता को कष्ट, गृहक्लेश तथा व्यवसाय में उलझनें बढ़ने के संकेत है। इस राशि को शनि दशम मित्र दृष्टि से देखेगा। अतः परेशानियों के साथ आय के साधन बनते रहेंगे।

वृश्चिक- ताम्र पद से तृतीयस्थ शनि शुभ रहेगा। भूमि, मकान, वाहनादि, सुख धन लाभ, विदेश गमन तथा भूमि वाहनादि सुखों की प्राप्ति होगी।

धनु- चांदी के पाया से शनि की साढ़ेसाती गतिशील रहेगी। पाया रजत होने से धन लाभ, विदेश गमन तथा भूमि वाहनादि सुखों की भी प्राप्ति होगी।

मकर- इस राशि पर सोने के पाया से शनि की साढ़ेसाती यथावत जारी रहेगी। फलस्वरूप शरीर कष्ट, तनाव एवं संघर्ष अधिक रहेगा। आय कम खर्च बढ़ेगा। नेत्र, छाती, पैर में पीड़ा की शिकायत रहेगी। स्वजनों-मित्रों से विवाद, बुद्धि मालिन्य और शासन से भय की संभावना रहेगी।

कुंभ- इस राशि से शनि के बारहवें स्थान पर आने से साढ़ेसाती प्रारंभ होगी। पारिवारिक एवं व्यवसायिक उलझनें बढ़ेंगी। शनि पाया भी लोहे का होने के कारण कार्य व्यापार में विघ्न एवं विलंब पैदा होंगे। खर्च अधिक, व्यापार में लाभ कम, निकटस्थ, भाई बंधुओं से मतान्तर हो सकता है। सावधानी बरतें। स्वास्थ्य एवं शिक्षा की दृष्टि से समय अशुभफलदायी रहेगा।

मीन- इस राशि पर शनि का स्वर्ण पाया से प्रवेश होने से धन लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि, सुख क्रय-विक्रय में संतुष्टि। इस राशि पर शनि की तृतीय पूर्ण दृष्टि रहेगी। अतः उत्साह तथा धैर्य में कमी के चलते बनते काम बिगड़ेंगे। नई योजनाएं बनेंगी, सावधानी बरतें।

श्री माहेश्वरी टाईम्स अपने शुभारंभ से ही समाज के चहुंमुखी विकास के लिए अपना योगदान दे रही है। नववर्ष 2020 के आगमन की इस बेला में आईये समय के आइने में देखें श्री माहेश्वरी टाईम्स का लेखा जोखा, आखिर वर्ष 2019 में क्या-क्या योगदान दिए?

विगतवर्ष की सेवा यात्रा पर एक नज़र

श्री माहेश्वरी टाईम्स

जनवरी- यह अंक विशेष से नववर्ष व माहेश्वरी ऑफ द ईयर को समर्पित था। इसमें माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2018 से अलंकृत हुए ख्यात उद्यमी त्रिभुवन काबरा, समाजसेवी अशोक सोमानी तथा ख्यात शेयर ब्रोकर आनंद राठी के प्रेरक व्यक्तित्व का प्रकाशन किया गया। नववर्ष के राशिफल आदि विभिन्न स्तंभों के साथ इसमें हैदराबाद में आयोजित उद्यमी सेमिनार 'बिजकॉन 2018' का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया गया।

फरवरी- यह अंक जोधपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को समर्पित था। इसमें आम पाठकों के लिए इस आयोजन का आंखों देखा हाल प्रस्तुत करते हुए इसी अंक में माहेश्वरी समाज जयपुर के चुनावों के विस्तृत समाचार का प्रकाशन भी किया गया। इसी के संदर्भ में जयपुर समाज अध्यक्ष बने प्रदीप बाहेती के कृतित्व व व्यक्तित्व से पाठकों को परिचित करवाते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की गौरवान्वित जानकारी भी दी गई।

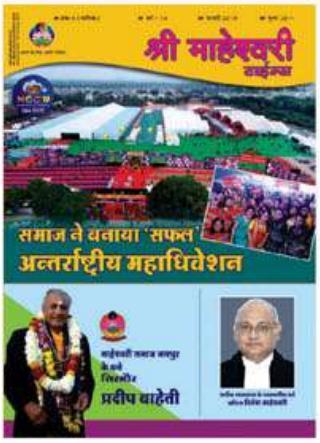

मार्च- यह अंक समाज की नारी शक्ति को समर्पित 'महिला विशेषांक' था। इसके अंतर्गत समाज के गौरव की वृद्धि कर रही सलूम्बर निवासी डॉ. विमला भंडारी, जोधपुर निवासी सुनीता डागा, खामगांव निवासी रूपल मोहता, अमरावती निवासी नीता मूंधड़ा, भोपाल निवासी डॉ. नीतू नवाल, कोटा निवासी डॉ. मीनाक्षी शारदा, मदुरै निवासी डॉ. ममता फोमरा, चैन्नई निवासी नीलम सारडा, सलूम्बर निवासी मधु माहेश्वरी, जलगांव निवासी श्वेता जाजू, सोलापुर निवासी मोहिनी राठी, रतलाम निवासी ललिता सोमानी, कोलकाता निवासी रश्मि बजाज, हैदराबाद निवासी सुवर्णा परतानी, प्रिंसा राठी, अमरावती निवासी अर्चना लाहोटी, नासिक निवासी कोमल सोमानी, अमरावती निवासी माधुरी सुदा व उज्जैन निवासी रुक्मणी भूतड़ा आदि के प्रेरक व्यक्तित्व का प्रकाशन किया गया।

अप्रैल- नव संवत्सर विशेषांक के रूप में प्रकाशित इस अंक द्वारा भारतीय नववर्ष नवसंवत्सर तथा इसके महत्व से संबंधित आलेखों का प्रकाशन किया गया। इसमें गणगौर पर्व की परंपरागत जानकारी देने के साथ ही युवा संगठन द्वारा 'काल्या ट्रस्ट' व चांडक निःशुल्क सामूहिक विवाह की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के साथ ही निजामाबाद निवासी पुरुषोत्तम सोमानी के दवाओं के मूल्य को नियंत्रित करने के प्रयासों को प्रस्तुत किया गया।

मई- समाज के परंपरागत पर्व गणगौर पर केंद्रीय इस विशेषांक में इससे संबंधित आलेखों तथा देशभर के समस्त संगठनों द्वारा किए गए गणगौर पर्व के आयोजनों को समाहित किया गया। समाज हित में इसमें शीर्ष सेवा संस्था अभा माहेश्वरी सेवा सदन की सुविधाओं तथा लोहार्गल में निर्मित हो रहे भवन व मंदिर की विस्तृत जानकारी दी गई। मत-सम्मत अन्तर्गत तीज त्योहारों पर आधुनिकता का आवरण विषय पर समाज के विचार भी प्रस्तुत किए गए।

जून- यह अंक समाज की स्कूली बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली माहेश्वरी प्रतिभाओं को समर्पित विशेषांक था। इसमें ऐसे देशभर के लगभग 300 से अधिक विद्यार्थियों के संक्षिप्त परिचय देकर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में विजयश्री का परचम फहराने वाले कोटा निवासी ओम बिड़ला तथा भीलवाड़ा निवासी सुभाष बहेड़िया के प्रेरक व्यक्तित्व के प्रकाशन द्वारा संपूर्ण समाज को उनसे परिचित करवाने का प्रयास किया। समाधान एक पहल द्वारा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर महिला संगठन के प्रयासों को नमन किया गया।

जुलाई- यह अंक देश की लोकसभा के अध्यक्ष बने कोटा निवासी ओम बिड़ला तथा महेश नवमी को समर्पित था। इतिहास के झरोखे से के अंतर्गत समाज के ऐसे इतिहास पुरुषों को नमन किया गया, जिनके योगदानों से देश के इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ सुसज्जित हैं। मत-सम्मत 'अंतर्गत कैसे हो समाज नेतृत्व' विषय पर समाजजनों के विचारों को जानने का प्रयास किया गया।

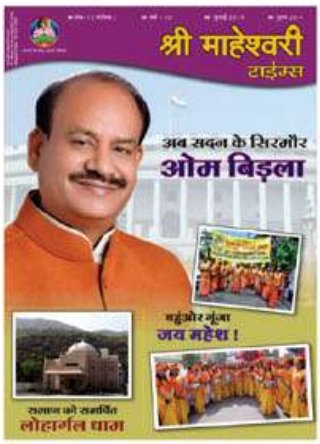

अगस्त- यह अंक पर्यावरण को समर्पित पर्यावरण विशेषांक था। इसमें 'आज संवारें कल बचाएं' के उद्घोष के साथ जन-जन में पर्यावरण के प्रति जागृति उत्पन्न करने के लिए इससे संबंधित विभिन्न आलेखों का प्रकाशन किया गया। इसी से संबंधित विषय कोशिश पुरजोर पर 'क्यों असफल रहते पौधारोपण अभियान' पर मत-सम्मत के अंतर्गत पाठकों से इस समस्या पर विचार आमंत्रित कर उनका जनजागृति हेतु प्रकाशन किया गया। बिड़ला घराने के पितामह श्री बसंतकुमार बिड़ला के निधन पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

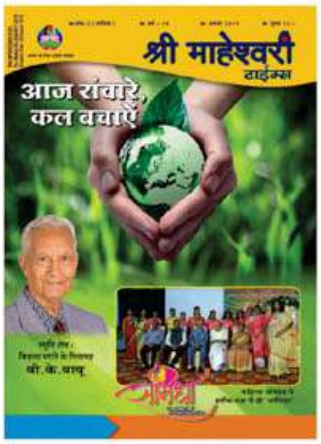

सितंबर- यह अंक विभिन्न स्थायी स्तंभों के साथ रामरत्नाग्रुप की सेवा संस्था हेमा फाउंडेशन तथा श्री माहेश्वरी टाईम्स की 14वीं वर्षगांठ को समर्पित था। इसमें हेमा फाउंडेशन की विभिन्न सेवा गतिविधियों से समाज को अवगत करवाया गया तथा साथ ही श्री माहेश्वरी टाईम्स की सेवा यात्रा का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने का प्रयास भी किया गया। पितृ श्राद्ध पर्व के अवसर पर इसके आयोजन की शास्त्रोक्त विधि के साथ ही मत-सम्मत के अंतर्गत 'युवाओं का कॅरियर के लिए-परदेश में जाकर बसना कितना उचित-अनुचित?' जैसे ज्वलंत विषय पर पाठकों के विचारों का प्रकाशन किया गया।

अक्टूबर- यह अंक समाज के वरिष्ठजनों को समर्पित वरिष्ठ विशेषांक था। इसमें श्रीकृष्ण बिरला कोटा, दामोदरदास मूंदड़ा राजनांदगंव छग, रामेश्वर माहेश्वरी इंदौर, विट्ठलदास भूतड़ा दुर्ग, श्रीनिवास लड्ढा अमरावती, शशिकुमार बिड़ला जोधपुर, रामकृष्ण बल्दुआ कोटा, रामकुमर जागेटिया भीलवाड़ा, श्री गोपाल थिरानी हुगली, डॉ. नारायणदास लोहिया सेलू, घनश्यामदास कासट अमरावती, डॉ. रामगोपाल तापड़िया अमरावती, राधेश्याम सोमानी भीलवाड़ा, डॉ. हरिवल्लभ माहेश्वरी जैसल ग्वालियर तथा रामचंद मूंधड़ा सिक्किम आदि के व्यक्तित्व का प्रकाशन किया गया।

नवंबर- इस अंक में अभा माहेश्वरी महासभा के 29वें सत्र की नवीन कार्यकारिणी के गठन हेतु चल रही तैयारियों को आम पाठकों के सामने रखा गया। इसके साथ ही इसके लिए तैयार मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए मतदाताओं की पीड़ा को भी अभा माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने पाठकों के सामने रखा। महासभा चुनावों में चले कथित चयन के प्रयासों पर समाज के ख्यात चिंतक कमल गांधी ने अपनी पैनी लेखनी से समाज के सामने रखा। मत-सम्मत अंतर्गत सामाजिक संगठनों में सख्त नियम-उचित या अनुचित?'' विषय पर पाठकों के विचार भी जानने का प्रयास किया।

दिसंबर- इस दौरान महासभा चुनावों की सरगर्मी अपने चरम पर थी। अतः इसमें चुनावी जानकारी के अनुसार महासभा सभापति सहित कार्यकारिणी के समस्त पदों के प्रत्याशियों की व्यक्तिगत, सामाजिक योगदानों तथा उपलब्धियों की जानकारी का प्रकाशन निष्पक्ष रूप से किया गया। लक्ष्य था, आम पाठक भी इस चुनावी समर में उतरे प्रत्याशियों को जानें तथा उनके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकारी मंडल सदस्य को सही प्रत्याशी के चयन हेतु मार्गदर्शन दे सकें। मतदाता सूची से बाहर होने वाले प्रत्याशियों की पीड़ा की अभिव्यक्ति की शृंखला में माँ रत्नीदेवी काबरा के साक्षात्कार का प्रकाशन भी किया गया।

सामाजिक संगठन वास्तव में समाज के सर्वांगीण विकास का माध्यम है, कोई राजनीति नहीं। अतः समाज के चुनाव में भी भावना यही होना चाहिए। सामाजिक चुनाव श्रेष्ठ समाजसेवी का नेतृत्व के लिए चयन का माध्यम भर है। चुनाव हुए की सारे चुनावी पैनल व गुटबंदी समाप्त बस शेष रहे, तो समाज और समाजजन और लक्ष्य हो सिर्फ समाज का विकास।

महासभा चुनाव 29 वां सत्र

गिले-शिकवे भूलकर करें नई पारी की शुरुआत

▸▸ रमेश काबरा
सम्पादक, समाज प्रवाह

चुनाव के उद्देश्यों पर भी हो चिंतन

हाल ही में महासभा के त्रिवार्षिक चुनाव हुए। वैसे ये चुनाव काफी रस्साकस्सी वाले रहे। महासभा के इतिहास में पहली बार 932 में से 885 सभासदों ने रिकार्ड 95प्रतिशत मतदान किया। इसका मतलब दोनों तरफ से संपर्क अभियान काफी तीव्र था। एक पैनल श्याम सोनी का था और दूसरा पैनल रामअवतार जाजू का था। 22 दिसम्बर को ही चुनाव परिणाम आये और सोनी की टीम को आशा अनुरूप सफलता मिली। सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पुनः सभापति बनने पर श्यामसुंदर सोनी को एवम् उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई एवम् मंगल शुभकामनाएं।

जनसंपर्क में न आऐ कमी

महासभा की स्थापना हमारे मनीषियों द्वारा जिस उद्देश्य से की गई थी, वह सभी उद्देश्य गौण हो गए और सिर्फ अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ हेतु महासभा के लिए मंच बना दिया गया। इसलिए आजकल के चुनाव में तो करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। जिसमें वोटरों के आने-जाने का खर्च, रहने की उत्तम व्यवस्था तथा वोटरों को खरीदने तक का काम होने लग गया है और सभापति बनने के लिए होड़ सी लगी रहती है। येन-केन प्रकारेण किसी भी तरह के हथकंडे अपनाकर कैसे महासभा का पद हासिल करें और होगा भी क्यों नहीं? क्योंकि सामाजिक प्रतिष्ठा को लोगों ने अपने व्यवहार अथवा राजनैतिक कॅरियर बनाकर इससे लाभ लेने का कार्यक्रम शुरू कर दिया और तो यह भी बताने का प्रयास करते हैं कि वही एक मात्र पूरे भारतवर्ष में प्रबुद्ध माहेश्वरी समाज का नेतृत्व करते हैं। इस बार चुनावों में जिस तरह का प्रचार और हथकंडे अपनाये गये थे, उन्हें देख कर मन में एक डर सा समा गया है कि कहीं हमारा समाज दो भागों विभक्त तो नहीं हो जायेगा।

सभी का विश्वास जीतना भी हो लक्ष्य

इस बार मतदाताओं ने महासभा के अध्यक्ष को भारी बहुमतों से विजयी बनाया है। अब उन्हें चुनाव पूर्व जो-जो आश्वासन दिए थे, उन्हें पूरा करने का प्रयास करेंगे, साथ ही महासभा संगठन एवं विधान को दुरुस्त व व्यवहारिक बनाने का काम जरूर करेंगे। विधान को जिस तरह से तोड़ा-मरोड़ा गया है, उसे जरूर सुधार करेंगे। वर्तमान में सदस्यों का जितना उत्साह व जोश वोटिंग के लिए देखा जा रहा था, बाद में उनकी सक्रियता अगले चुनाव में ही वोट हेतु दिखाई देगी। इससे महासभा संगठन या समाज का क्या भला होता है? जिस तरह चुनावों के लिए पैनल ने पूरी सक्रियता से जनसंपर्क किया था, वहीं जनसंपर्क पद पर आने के बाद समाज के आम कार्यकर्ताओं से बनाएं रखेंगे। उनसे समाज समस्याओं को जानने सीखने का प्रयास करेंगे कि समाज की पीड़ा और सुख-दुख क्या है?

जनसंपर्क में सक्रिय हो कर महासभा को गतिशील बनाना ही समाज की सही सेवा होगी। इस बार के मतदाताओं ने तमाम पद आपको दिए हैं, इसलिए कार्य संचालन में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। वैसे भी अच्छे कार्य और उद्देश्यों में कोई भी बाधा बाधक नहीं बन सकती। यह भी ध्यान रखें कि आज की आधी महासभा ने आपके विपरीत वोट दिया है, इसके लिए जीत को लेकर किसी गलतफहमी या भ्रम नहीं रहे। अब उन तमाम सदस्यों का विश्वास जीतने और उनकी कार्य शक्ति संस्था भी आपके लिए सहयोगी बने, इस हेतु प्राथमिकता से प्रयास होने चाहिए। हमारी राय से समाजसेवा के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं होती है, हां पद उसमें उपयोगी, सहयोगी हो सकता है। अतः हमारा दोनों ही समूह के लोगों को यही कहना है कि चुनाव परिणामों को खुले दिल की भावना से ग्रहण करें। वोटों का प्रचार-प्रसार केवल चुनाव हद तक ठीक है परंतु अंततोगत्वा आप और हम सभी महासभा के सदस्य और समाजसेवी हैं और हमें सभी गिले-शिकवे भूल कर महासभा और समाजहित के कार्यक्रमों में लग जाना चाहिए।

**क्रोध में भी
शब्दों का चुनाव ऐसा हो कि
क्रोध कम होने के बाद
शर्मिंदा ना होना पड़े।**

Kamal Watch Co.
Sales & Service
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
"A Tradition that has grown richer with time"
50
GOLDEN YEARS CELEBRATIONS
Kamal Watch Co.
At The Heart & Soul Of Time Machines For Over Five Decades
FLAGSHIP STORE : Road No. 36, Near Peddamma Temple Circle, Jubilee Hills, Hyderabad, Ph. 040-23558621 | CORPORATE OFFICE : 1-7-304 to 309/1, 1st Floor, Kagaz Bhavan, M.G. Road, Secunderabad, Ph. 040-66322191
HYDERABAD | SECUNDERABAD | VISHAKAPATNAM | VIJAYAWADA | KURNOOL | KAKINADA | RAJAHMUNDRY | BHUBANESWAR
Shop Online www.kamalwatch.com
EMI Facility also available
Follow us on / KamalWatch
Follow us on /KamalWatchCo

MAHESHWARI
GEMS & JEWELS (I) PVT. LTD.
Specialist in : Rajasthani Traditional Jewellery like Kandora Hathfull, Bajubandh, Bor & Meena Bangles
Exclusive Designer Wedding Jewellery in Kundan, Antique, CZ, Ruby and Diamond
Shop No. 1,2 & 3, Royal Plaza, Sultan Bazar, Hyderabad 95
Tel : 040-24750181, 66750181 (R) 24564777
Email : maheshwarijewellers@gmail.com

'हृदय' का हमारी देह के लिये क्या महत्व है, सभी जानते हैं। यदि यह स्वस्थ्य है, तो सब कुछ ठीक है, अन्यथा कुछ भी नहीं। शेष अंगों के स्वस्थ होते हुए भी हृदय की अस्वस्थता पर उन्हें निष्प्रभावी होना पड़ता है। ठीक यही स्थिति हमारे शरीर में ब्रह्म स्थल की होती है, जो भवन के ठीक मध्य में होता है।

ब्रह्म स्थल

श्रीमती सरिता बाहेती, उज्जैन

हमारे शरीर में ऐसे कई मर्म स्थल हैं, जो जीवन के लिये अत्यधिक महत्व रखते हैं। जब इसकी उचित देखरेख होती है, तो ये स्वस्थ देह का कारण होते है और वहीं जब इनकी अनदेखी होती है, तो ये भीषण शारीरिक व मानसिक समस्याओं का कारण भी बन जाते हैं। ठीक यही स्थिति भवन में भी मर्म स्थलों की होती है। भवन के मर्मस्थलों में सबसे महत्वपूर्ण है, ब्रह्म स्थल जो भूखण्ड में ठीक बीचों -बीच होता है। 'आकाश' हमारा पिता है जो हमें सुरक्षा प्रदान करता है एवं 'पृथ्वी' हमारी माता है जो हमें संरक्षण प्रदान करती है। मानव इन दोनों पालनकर्ता शक्तियों के मध्य में स्थित है एवं उसकी सम्पूर्ण गतिविधियाँ आकाश एवं पृथ्वी की ऊर्जा से पूर्णतया प्रभावित रहती है। अन्तरिक्ष एवं धरती की इस चेतना को ही उजागर करता है 'वास्तु'। 'पृथ्वी, आकाश, जल, अग्नि एवं वायु' इन पंचतत्वों तथा दसों दिशाओं के कल्याणकारी सूत्र एवं सिद्धांत ही 'वास्तुशास्त्र' की मूल अवधारणा है। प्रकृति के इन नियमों का पालन मनुष्य किस तरह शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु करके सुखी एवं सम्पन्न रहें, यही वास्तु शास्त्र की नींव है।

पुराणों में ''ब्रह्मस्थल''

पौराणिक दृष्टि से भी देखे तो 'ब्रह्म स्थान' का अर्थ है, ब्रह्मा का स्थल। ब्रह्मा के चार सिर हैं और उसी प्रकार किसी भी स्थान का 'ब्रह्म स्थल' मध्य में स्थित रह कर ब्रम्हा की तरह उस स्थान के चतुर्दिक देखता है। किसी भी दिशा के दोषपूर्ण होने पर अगर उस दिशा से प्राप्त ऊर्जा ब्रह्म स्थल तक नहीं पहुंचती हैं, तो स्वभावतः ब्रह्मस्थल की लाभकारी दृष्टि से दिशा वंचित रह जाती है। फलतः वहाँ नकारात्मक ऊर्जा व्याप्त होकर वहाँ के निवासियों के जीवन को अपने स्वाभावानुसार प्रभावित करके कष्ट एवं दुःख का कारण बन जाती हैं। साधारण सी बात है। किसी भी देश, राज्य, शहर का संचालन वहाँ का केन्द्र ही करता है। सहज रूप से समझें तो जैसे भारत का केन्द्र 'दिल्ली', पश्चिम बंगाल का केन्द्र 'कोलकाता' और कोलकाता का केन्द्र 'रायटर्स बिल्डिंग'। जहाँ केन्द्र की नजर नहीं पड़ती, वहाँ क्या हालत रहती है, यह सभी जानते हैं। अतः केन्द्र की कृपादृष्टि ही सर्वोपरि कही जा सकती है।

कैसे जानें कहाँ है ''ब्रह्म स्थल''

किसी भी निर्मित अथवा खुले स्थल की लम्बाई, चौड़ाई एवं ऊँचाई के मध्य में वहाँ का 'केन्द्र बिन्दु' होता है। यह केन्द्र बिन्दु उस स्थान का 'हृदय' होता है एवं पायरा विज्ञान की भाषा में इसे ''पायरा सेन्टर'' कहते हैं। यह केन्द्र बिन्दु अत्यन्त सूक्ष्म परन्तु सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। प्रकृति के पंचतत्वों की ऊर्जा विभिन्न दिशाओं से आकर किसी भी स्थल के केन्द्र बिन्दु पर ही एकत्रित होती है एवं वहीं से अपने निर्दिष्ट स्थान को प्रभावित करती हैं।'वास्तु' में यह केन्द्र बिन्दु 'ब्रह्म स्थान' कहलाता है। अतः प्रत्येक स्थान, जहाँ हम निवास अथवा कार्य करते हैं, वहाँ के ब्रह्म स्थान को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखना परम आवश्यक होता है।

बिल्कुल रिक्त रहे ब्रह्मस्थल

आज के दौर में कई जगह सुरक्षा की दृष्टि से ब्रह्म स्थल को पूर्णतः खुला रख पाना संभव नहीं होता है। ऐसे में ब्रह्म स्थल के शीर्ष पर मजबूत लोह की जाली लगाकर उस पर बारिश में पारदर्शी शीट लगा दी जाती है, जिससे हवा प्रकाश आता-जाता रहे। लगभग सभी वास्तुविद् एक मत से ब्रह्म स्थल को रिक्त रखने के पक्षकार हैं। ब्रह्म स्थल में किसी भी प्रकार का निर्माण, शयन या बैठक उचित नहीं मानी गई। इस क्षेत्र में भोजनशाला व देवस्थान के निर्माण को भी निषिद्ध किया गया है। इसका कारण इसका सबसे संवेदनशील मर्म स्थल होना ही है। आमतौर पर इस स्थल को छत विहीन व सीधे सूर्य के प्रकाश के सम्पर्क में रखना अत्यधिक शुभ माना गया है।

नववर्ष 2020 की सभी समाजजनों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

एवं

समाज के चहुमुंखी उत्थान की मंगलकामना.

साथ ही

समस्त स्नेहिल सहयोगियों का

आभार

जिनका विश्वास हर कदम पर बना

हमारा सम्बल.

सरला काबरा
उपाध्यक्ष,
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
पूर्वांचल

कैलाश काबरा
उपाध्यक्ष,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्वांचल

न सिर्फ हमारे देश बल्कि पूरी दुनिया में सूखे मेवे के रूप में मखाना का उपयोग कई तरह से किया जाता है। कारण यह है कि यह स्वाद के साथ सेहत के लिए भी अत्यंत लाभदायक है। आपको यह जानकार आश्चर्य होगा कि यही मखाना आपको कई शारीरिक परेशानियों में भी चमत्कारिक लाभ दिला सकता है। आईये देखें कैसे?

मेवा एक लाभ अनेक मखाना

कैलाश लड्ढा, जोधपुर

वजन घटाने में मददगार

विशेषज्ञों के मुताबिक मखाने में एक खास तत्व एथेनोल पाया जाता है। एक शोध में पाया गया कि कमल के बीज अर्थात् मखाना से निकाले गए एथेनोल के प्रयोग से मोटापा संबंधी कारकों को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता मिल सकती है। अतः इसका उपयोग वजन को कम करने में सहायक साबित हो सकता है।

ब्लड प्रेशर में लाभदायक

मखाने के नियमित इस्तेमाल से इस गंभीर समस्या से काफी हद तक राहत पाई जा सकती है। कारण यह है कि इसमें पाया जाने वाला एक विशेष एल्केलाइड हाइपरटेंशन की समस्या को नियंत्रित करने का काम करता है। हाइपरटेंशन के कारण ही हाई ब्लड प्रेशर की समस्या जन्म लेती है।

डायबिटीज में मखाने के फायदे

एक शोध के आधार पर इस बात की पुष्टि की गई है कि मखाना में पाए जाने वाले रेजिस्टेंस स्टार्च में हाइपोग्लाइसेमिक (ब्लड शुगर को कम करने वाला) प्रभाव पाया जाता है। साथ ही शोध में यह भी पाया गया कि इसका नियमित उपयोग शरीर में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित करने के साथ-साथ उसे बढ़ाने का भी काम करता है।

दिल का रखे ख्याल

इसमें पाए जाने वाले एल्केलाइड और कुछ खास पोषक तत्व दिल संबंधित जोखिम को कम करने का काम करते हैं। इस संबंध में किए गए शोध में इस बात की पुष्टि की गई है कि मखाने का उपयोग हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से छुटकारा दिलाने में सहायक साबित होता है, जो हृदय व स्वास्थ्य से सीधे तौर पर संबंधित है। वहीं, एक अन्य शोध में इस बात का जिक्र किया गया है, कि कमल के कई भागों जैसेः- पत्ती, फल, फूल और बीज आदि का उपयोग हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। कमल का बीज होन से मखाना में भी ये तत्व होते हैं।

प्रोटीन का अच्छा स्रोत

विशेषज्ञों के मुताबिक मखाने में प्रोटीन की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। अतः मखाना खाने के फायदों में प्रोटीन की कमी को पूरा करना भी शामिल है। इसके नियमित उपयोग से शरीर में प्रोटीन की आवश्यक मात्रा की पूर्ति के साथ, उसकी कमी से होने वाली कई समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है।

कब्ज में भी फायदेमंद

मखाने का उपयोग कब्ज की शिकायत को दूर करने में भी सहायक माना जाता है। कारण यह है कि मखाना में कई उपयोगी पौष्टिक तत्वों के साथ प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक फाइबर कब्ज की शिकायत को दूर करने में सहायक साबित होता है।

गर्भावस्था में पोषक

फोलिक एसिड, आयरन, जिंक और कैल्शियम जैसे कई ऐसे पोषक तत्व हैं, जिनकी गर्भावस्था के दौरान एक महिला को बहुत आवश्यकता होती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह सभी पोषक तत्व मखाना में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इस कारण ऐसा माना जा सकता है कि मखाना खाने के फायदे में गर्भावस्था के दौरान पोषक तत्वों की कमी को पूरा करना भी शामिल है।

अनिद्रा से राहत

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या में मखाना खाने के लाभ की बात करें, तो ऐसा माना जाता है कि इसमें कुछ खास एल्केलाइड पाए जाते हैं। इनकी मौजूदगी के कारण मखाना खून को साफ करने, शरीर को ठंडा करने, तंत्रिका संबंधी विकारों को दूर करने के साथ-साथ अनिद्रा और बेचैनी जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में सहायक माना जाता है।

डायरिया और लूज मोशन में लाभदायक

विशेषज्ञों के मुताबिक मखाना में एंटी-डायरियल प्रभाव पाए जाते हैं। इस कारण ऐसा कहा जा सकता है कि इसका इस्तेमाल डायरिया अथवा लूज मोशन की समस्या से निजात दिलाने में लाभकारी साबित हो सकता है।

मसूड़ों को करता है मजबूत

विशेषज्ञों के मुताबिक, मखाना में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और जिंक के साथ-साथ विटामिन-ए पाया जाता है। यह सभी तत्व मसूड़ों के विशेषज्ञों के मुताबिक मखाना में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और जिंक के साथ-साथ विटामिन-ए पाया जाता है। यह सभी तत्व मसूड़ों के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। मखाना में

एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल प्रभाव भी पाए जाते हैं। मखाना में पाए जाने वाले यह दोनों गुण मसूड़े संबंधित सूजन और बैक्टीरियल प्रभाव के कारण होने वाली सड़न को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं। दूसरी ओर मखाने के फूल में पाए जाने एल्केलाइड और नेल्यूम्बिन, ब्लीडिंग गम्स की समस्या से निजात दिलाने में सहायक हो सकते हैं। मखाने के में पाए जाने वाले इन तत्वों की थोड़ी-बहुत मात्रा मखाना में भी पाई जाती है।

किडनी के लिए फायदेमंद

विशेषज्ञों के मुताबिक मखाने में एल्कलॉइड, लियेंसिनिन, आइसोलीएन्सिन और नेफेरिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। ये सभी तत्व लीवर से जुड़े जोखिमकारकों को कम करने में मदद करते हैं। इससे लीवर बेहतर तरीके से काम करता है। यहां हम बता दें कि लीवर ही है, जो खून को रिफाइन करने का काम करता है और बाद में खून किडनी तक पहुंचता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि मखाने का नियमित उपयोग किडनी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

झुर्रियों को करता है कम

विशेषज्ञों के मुताबिक मखाना में कई एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। वहीं त्वचा से संबंधित समस्याओं में मखाना के उपयोग पर किए गए एक शोध में इस बात की पुष्टि की गई है कि मखाना में पाए जाने वाले सभी एंटीऑक्सीडेंट त्वचा के लिए सिनेर्जेटिक इफैक्ट (मिश्रित प्रभाव) प्रदर्शित करते हैं। यही प्रभाव त्वचा पर आने वाली झुरियों को दूर करने में मददगार साबित होता है।

एंटी-एजिंग प्रभाव

विशेषज्ञों के मुताबिक मखाने में स्किन को सुरक्षित रखने और अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाने वाले गुण पाए जाते हैं। वहीं शोध में इस बात की भी पुष्टि की गई है कि मखाने की चाय त्वचा संबंधित समस्याओं जैसेः-फोटो एजिंग (अल्ट्रा वायलेट इफैक्ट) और रेगुलर एजिंग (उम्र से संबंधित विकार) से त्वचा की रक्षा करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

इसका रखें ध्यान

हालांकि मखाना कब्ज में फायदेमंद होता है। लेकिन इस समस्या के दौरान मखाने का अधिक उपयोग नहीं करना चाहिए। अन्यथा इसके दुष्परिणाम जैसेः- गैस, पेट दर्द और कुछ पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। कुछ लोगों को मखाना खाने से एलर्जी हो सकती है। कारण है, इसमें पाई जाने वाली पोटेशियम की अधिक मात्रा। ऐसी स्थिति में चिकित्सक से तुरंत परामर्श लें। उनको मखाना के सेवन से बचना चाहिए, जो डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए इंसुलिन का उपयोग कर रहे हैं। मखाने में स्टेरॉयड भी पाया जाता है, इसलिए इसके अत्यधिक सेवन से मुंह में जलन के साथ कुछ समस्याएं पैदा होने का खतरा हो सकता है।

जानकारी

एंजायटी डिसऑर्डर एक बहुत ही आम समस्या है। यह सभी मानसिक बीमारियों में होने वाली सबसे आम बीमारी है। एंजायटी डिसऑर्डर्स की तुलना घबराहट या चिंता या दुश्चिंता से की जा सकती है।

डॉ. श्रीमित माहेश्वरी
इंदौर

क्या होता है? एंजायटी डिसऑर्डर

थोड़ी बहुत एंग्जायटी या चिंता सभी लोगों में होती है और यह थोड़ी बहुत चिंता हमें हमारी कार्यकुशलता बढ़ाने में मदद करती है परंतु अगर यह एंग्जायटी एक बीमारी का रूप ले ले अथवा इसके कारण हमारे रोजाना के जीवन पर प्रभाव पड़ने लगे तब यह परेशानी का कारण बन जाती है। एंजायटी डिसऑर्डर्स पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक होता है और इसके निम्न प्रकार होते हैं-

1) पैनिक डिसऑर्डर- इस बीमारी में इंसान को अचानक से अत्यधिक घबराहट और बेचैनी होने लगती है,बहुत बार तो ऐसा लगता है मानो उस इंसान के प्राण ही ना निकल जाए।इस बीमारी में अचानक दिल तेज- तेज धड़कना,पसीना आना, मुंह सूखना, हाथ पैर में कंपन, सांस में तकलीफ होना, पेट खराब होना आदि होता है। इसी के साथ यह डर बना रहना कि अगली बार ऐसा पैनिक अटैक कब होगा। यह पैनिक अटैक इंसान को कहीं भी हो सकता है और इसीलिए उसके डर से घर से बाहर ना निकलना, काम पर नहीं जाना, नींद नहीं आना आदि देखा जा सकता है।

2) फोबिया- इस बीमारी में किसी एक चीज का अत्यधिक डर महसूस होना या उस चीज से बहुत घबराहट महसूस होना देखा जाता है। जैसे कि ऊंचाई पर जाने से डर लगना, बंद कमरे में डर लगना, ऐसी जगहों पर जहां से भाग पाना मुश्किल होगा वहां जाने से डर लगना, किसी जानवर के बारे में सोचने से भी डर लगना आदि।

3) जनरलाइज्ड एंजायटी डिसऑर्डर या (सामान्यकृत चिंता रोग) इस बीमारी में इंसान दिन के ज्यादातर समय घबराहट में रहता है। उसे चिंता सताए रहती है, काम खत्म करने की या अपने परिवार सदस्यों के बारे में या अपनी नौकरी के बारे में और एंजाइटी के बाकी लक्षण भी देखे जाते हैं।

4) ओसीडी (ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर) (मनो ग्रसित बाध्यता विकार) इस बीमारी में इंसान को ना चाहते हुए भी एक ही विचार अथवा चित्र अथवा उत्तेजना बार बार आती है, विचार को रोकने की सभी कोशिश नाकाम होती है और उस विचार से जुड़े कंपल्शन को करने तक घबराहट महसूस होती है इसके उदाहरण है- बार-बार हाथ धोना बार-बार नहाना आदि।

यदि एंजाइटी आपके जीवन का नियमित हिस्सा बन चुकी है तो यह जरूरी है कि आप उसके लिए एक डॉक्टर की सलाह लें और यह पहचाने की आपकी एंजाइटी के ट्रिगर्स (उत्तेजक घटक) क्या है। इसके अलावा नियमित व्यायाम करें, संतुलित भोजन ग्रहण करें, अपनी नींद पूरी करें, योग अथवा ध्यान करें और इसके बारे में अपने परिवार सदस्य से मदद ले

कहने के लिये तो मारवाड़ी राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र की एक मात्र बोली है, लेकिन माहेश्वरी समाज के लिये यह मात्र बोली नहीं, बल्कि समाज की पहचान है। व्यावसायिक क्षेत्र में पंक्ति ''एक मारवाड़ी सौ पर भारी'' अत्यंत प्रसिद्ध रही है, फिर भी देखने में आ रहा है कि हमारी नयी पीढ़ी अपनी इस पहचान अपनी मारवाड़ी बोली से दूर होती जा रही है। आखिर क्यों बन रही है, यह स्थिति? इसके लिये कौन कितने जिम्मेदार हैं, हम स्वयं, युवा पीढ़ी या हमारे समाज संगठन? समाजहित के इस अति महत्वपूर्ण विषय पर आपके विचार तथा सुझाव दोनों ही आमंत्रित हैं। आपके विचार समाज की लुप्त होती पहचान को संवारने में अहम भूमिका निभाऐंगे। आईये जानें, इस स्तम्भ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

आखिर हम क्यों दूर हो रहे हैं

अपनी पहचान ''मारवाड़ी बोली'' से?

परिस्थितियां ही इसका कारण

कोई भी मनुष्य जानबूझकर कभी नहीं चाहेगा कि उसकी अपनी मातृभाषा से उसकी दूरी हो, पर परिस्थितियों से विवश होकर उसे अपनी भाषा को धीरे-धीरे अलविदा कहना पड़ता है। घर से बाहर निकलते ही विशेषकर परदेश में हर कदम पर उसका सामना हिंदी भाषा या स्थानीय भाषा से होता है। सब्जीमंडी हो या मॉल, दफ्तर हो या स्कूल, दोस्तों की मंडली हो या पड़ोसी, हर कोई हिंदी/स्थानीय भाषा में वार्तालाप करते हैं, जिससे मारवाड़ी होते हुए भी उसे मारवाड़ी को बस्ते में रख देना पड़ता है। बस यहीं मारवाड़ी थोड़ा चूक जाता है कि बाहर नहीं तो कम से कम अपने घर-परिवार और बच्चों के साथ तो मारवाड़ी भाषा में बात करें। जब हम स्वयं अपनी भाषा का सम्मान करना भूल जाते हैं और उसको बोलने में शर्मिंदगी महसूस करते हैं तो अन्य गैर मारवाड़ी भाषी ने हमारी भाषा को ओछी समझेंगे ही ना? यही नहीं मारवाड़ी भाषा प्रचार-प्रसार के लिए समाज के कार्यक्रमों को मारवाड़ी में ही रखना चाहिए। अपनी मारवाड़ी भाषा में जो मिठास घुली होती है और जो सम्मानजनक शब्द होते हैं, वह अन्य किसी भी भाषा में नहीं हैं।

सुमिता मूंधड़ा, मालेगांव

अपनी 'मारवाड़ी' पर हमें ही गर्व नहीं

किसी भी संस्कृति की पहचान उसकी बोली और भाषा से होती है... इसमें उसकी सहज मिठास और स्नेह झलकता है। अपनत्व और धरोहर की खुशबू से सराबोर मारवाड़ी भाषा हमारी पहचान ही नहीं बल्कि हमारे पूर्वजों की वो पूंजी है जिसकी सुगंध को अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। शिक्षा के बदलते स्वरूप ने हमारी इस मिठास की भाषा को लुप्त प्रायः कर दिया। आज घर में भी छोटे बच्चों से अंग्रेजी में ही संवाद किए जाते हैं। मारवाड़ी बोलना पिछड़ेपन की निशानी समझी जाती है किंतु हमारी पहचान से विलग होकर हमारी नई पीढ़ी आज खुद की जड़ों से कटती चली जा रही है। यदि आज हम इसे महत्व नहीं देंगे, तो आने वाली पीढ़ी इसे कभी नहीं समझेगी। जिस तरह हमें अपने रीति रिवाज एवं अपने पहनावे पर गर्व है, वैसे ही हमें अपनी मारवाड़ी भाषा के भी सार्वजनिक रूप से प्रयोग में नहीं हिचकिचाना चाहिए। भाषा का संरक्षण तभी हो सकेगा, जब घर में इसे प्रयोग किया जाए और इसकी मधुरता को कायम रख इसकी सुगंध को बरकरार रखा जाए। हिंदी की जगह मारवाड़ी में ही संवाद किया जाऐं, जिससे हम अपनी संस्कृति से जुड़े रह सकें व इस गौरवशाली समाज को अलग पहचान देने वाली इस भाषा को भी सम्मान दिला सकें। इससे आने वाली पीढ़ी गर्व से इसे बोल और समझ सकेगी और हम अपनी पहचान पर गर्व कर सकेंगे।

पूजा नबीरा, काटोल, नागपुर

माता-पिता ही दोषी

माहेश्वरी समाज व मारवाड़ी बोली का गहन रिश्ता है। आज हमारी भाषा समाज व परिवार व दोनों से ही लुप्त हो रही है। इसमें मेरे विचार से तो माता-पिता ही पूर्णतया दोषी हैं। क्योंकि आज के माता-पिता किसी घर आए अतिथि, या फिर कहीं बच्चे को लेकर जाए और बच्चा मारवाड़ी में किसी से बात कर लेता है, तो मां-बाप का चेहरा देखने लायक हो जाता है, अपने-आपमें शर्मिंदगी महसूस करते हैं। घर आने पर बच्चे की तो खैर नहीं होती है। पति-पत्नी एक-दूसरे को दोषी ठहराते हैं कि तुम्हारे कारण आज हमारा बच्चा हंसी का पात्र बना है। वो यह नहीं सोचते की अपनी भाषा बोलने में बुराई ही क्या है? हम अलग-अलग प्रांतों में रहते सबकी भाषा अपना लेते हैं, पर अपनी भाषा के प्रति ऐसे विचार क्यों? आने वाली पीढ़ी और हम सब अपनी भाषा को अहमियत दें और हम सब के दिमाग में यही घर कर जाए कि माहेश्वरियों की आन, बान, शान व पहचान अपनी भाषा से ही है।

भगवती शिवप्रसाद बिहानी, नाजिरा, असम

सामाजिक आयोजनों में भी महत्व नहीं

हमारे पूर्वज से लेकर 19वीं एवं 20वीं सदी तक हम हमारे घरों में यही बोली बोलकर अपनी परपंरा अपनी संस्कृति को जीवित रखकर मदमस्त होकर जी रहे थे। अचानक ही हमारे घरों में आहिस्ते से दस्तक दी, उच्च शिक्षा, एकल परिवार की सोच ने। शिक्षा पाना वाकई में बेहतरीन उम्दा काम है। उसके चलते घर-आंगन छोड़कर अपने आप में बदलाव लाने के साथ, हमारी बोली को न बोलना, घर में बुजुर्ग मारवाड़ी में बोले तो हिंदी में जबाव देना, एकल परिवार में ही अपनी खुशियां ढूंढना, दादा-दादी के पास न बैठकर टीवी पर आनेवाले आधुनिक दादा-दादी से सम्मोहित होना निश्चित रूप से हमारी अपनी बोली से दूर होने के कारण हैं। कई घरों में मारवाड़ी भाषा यानी क्या, यह भी एक यक्ष प्रश्न है? उसका एक कारण अंतरजातीय विवाह भी है, इसे हम नकार नहीं सकते। यदि सच कहूं तो मेरी दादी, बड़ी मां, मां के गोलोक जाने के पश्चात यदा-कदा मैं स्वयं ही मारवाड़ी का प्रयोग करता हूं तो बच्चे कहां से सीखेंगे? कहां से बोलेंगे, इसका हल मेरी सोच के हिसाब से एक प्रश्न ही है। समाज के नेता या सेवक भी मंचों पर मारवाड़ी में बात करें। अधिवेशन,परिचय सम्मेलन के साथ मंच संचालन भी मारवाड़ी में यदि करेंगे। तो यह बोली प्रभावशाली रूप से हर सदस्य तक पहुंचने में कारगार सिद्ध होंगी।

सतीश लखोटिया, नागपुर

सबसे पहले स्वयं जिम्मेदार

आज के आर्थिक युग में सभी एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में अपनी संस्कृति व भाषा को दरकिनार कर रहे हैं। इस चक्कर में हम अपनी विरासत को नजरअंदाज ही नहीं करते बल्कि भूलते भी जा रहे हैं। जब बच्चा बोलने लगता है, उसके साथ हिंदी में ही बात करना पसंद करते हैं। बहुत कम हैं जो मारवाड़ी में उसको बोलना सिखाते हैं। अगर शुरुवात ही दुरुस्त हो जाए तो शायद हम अपनी भाषा से दूर होने से बच सकते हैं। इसके बाद तो हम सभी जानते ही हैं, हम लोग अपनी भाषा को कितना महत्व देते हैं? दूसरी बड़ी जिम्मेदारी समाज के प्रबुद्ध लोगों की होती है, जो भी कार्यक्रम होते हैं, सारे के सारे हिंदी और अंग्रेजी में, कोई भी कार्यक्रम ले लीजिए उसके प्रचार प्रसार और प्रस्तुत करने का तरीका यहां तक की धन्यवाद प्रस्ताव भी, अब आज के विषय को ही ले लीजिए प्रश्न हिंदी में है, तो मैंने इसका उत्तर हिंदी में दिया है। अगर ये मारवाड़ी में होता तो उसका जवाब मारवाड़ी में होता। कुल मिलाकर मैं यह कह सकता हूं सबसे पहले इसकी जिम्मेदारी मेरी अपनी है, फिर परिवार और समाज की है! परंतु जिम्मेदारी लेने मात्र से काम नहीं चलेगा, इसके लिए एक अभियान भी चलाना पड़ेगा 'मैं मारवाड़ी'! इसमें दूसरी भाषा को जगह नहीं होगी व तब कहीं जाकर हम गर्व कर सकेंगे व हमारी लुप्त होती पहचान को बचा पाएंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में एक और कहावत है 'जहां ना जाए बैलगाड़ी, वहां जाए मारवाड़ी' देश के और समाज के हर क्षेत्र में मारवाड़ी समाज का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। हम हर क्षेत्र में सबसे आगे रहते हैं। बस इस क्षेत्र में कमी है, तो इच्छा शक्ति की, जिसकी वजह से आज हम अपनी पहचान एवं भाषा को उसकी सही जगह नहीं दिलवा पाए। हमको अपनी भूल को पहचानना होगी, एक-दूसरे को जगाना होगा, तभी हम अपनी भाषा संस्कृति को बचा पाएंगे।

-प्रेमरत्न लखोटिया, गुवाहाटी, असम

नया सीखाने में पीछे छूटी मारवाड़ी

यह बिल्कुल सही है, हम अपनी बोली मारवाड़ी से बहुत दूर होते जा रहे हैं। इसका कारण है कि हम जहां जाते हैं, उस प्रदेश में दूध में शक्कर की तरह घुल जाते हैं। वहां का व्यवहार रहन-सहन और बोली सीखते-सीखते हम कब अपनी भाषा को भूल जाते हैं, इस ओर हमारा ध्यान ही नहीं जाता। हिंदी भाषी प्रदेशों में तो मारवाड़ी पूर्णतः विलुप्त ही हो गई है। बाहर अन्य भाषा का प्रयोग हो यह तो ठीक है, जब घर में अन्य भाषा का प्रयोग शुरू हो जाता है, तो बच्चे मारवाड़ी नहीं सीख पाते। इस कारण मारवाड़ी का प्रयोग बंद हो जाता है। यदि घर में एक बहू भी अन्य भाषा आती है तो धीरे-धीरे उस परिवार से भी मारवाड़ी विलुप्त हो जाती है। ऐसे उदाहरण राजस्थान में भी देखे गए हैं। यह सब सामाजिक उन्नति के लिए बहुत घातक है। बोली मनुष्य के व्यक्तित्व का परिचायक होती है। उस प्रदेश के गुणों को दर्शाती है, इसीलिए 'एक मारवाड़ी सब पर भारी' कहा जाता था, पर अब हम जो कि अपनी भाषा से दूर हो गए हैं, तो हमारा रुतबा अंशाधिक ही सही कम हो गया है।

सुनीता मल, गोंदिया (भंडारा),
जिला महिला मंडल सचिव

घर से बाहर अपनी बोली भूले

'मारवाड़ी भाषा हमारे राजस्थान की धड़कन है', कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हम माहेश्वरी अपने देश को छोड़, दिसावर रोजगार की तलाश में पूरे भारतवर्ष के कोने-कोने में तो बसे ही, साथ ही विदेशों में भी अपनी साख जमाए हुए हैं। रोजी-रोटी के चलते हम जहां भी बसे वहां के पहनावे, बोलचाल को शीघ्र अपना लिया। साथ ही अपनी मिट्टी की खुशबू हमारी भाषा को भी भुला से बैठे हैं। यदा-कदा जब राजस्थान जाते हैं, तब उस धरती पर पग धरते ही मातृभाषा अपने आप मुंह से बरसने लगती है, माटी की सौंधी खुशबू में हम अपने आप को सारोबार सा कर लेते हैं। मगर वहां से लौटे नहीं कि फिर अपनी भाषा को दरकिनार कर परदेस में रम जाते हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में 'हम मारवाड़ी सब पर भारी हैं' मगर गलतियां हम बड़ों ने ही की है। घर से बाहर अपनी बोली को ही भुला बैठे हैं। कुछ भी हो दो गुजराती या अन्य आपस में मिलते हैं तो अपनी ही भाषा में बोलते हैं। एक हम मारवाड़ी आपस में मिलने पर हिंदी ही बोलते हैं। नई पीढ़ी को मारवाड़ी बोली सिखाने के लिए हम बड़ों को घर से शुरुआत करनी होगी। हम आपस में मारवाड़ी बोलेंगे, तभी हमारी भाषा को विस्तार मिलेगा। अगर संभव हो तो सामाजिक कार्यक्रमों में भी हम अपनी भाषा को महत्व देते हुए प्रोग्राम करें, तो युवा वर्ग भी उसे शीघ्र आत्मसात करना शुरू कर देगा। वह हमारी भाषा को यथोचित सम्मान प्रदान करेगा। इससे युवाओं को मारवाड़ी बोलने में जो संकोच होता है, वह धीरे-धीरे दूर होगा।

रेखा राजेश लखोटिया, नागपुर

हमें ही अपनी भाषा पर गर्व नहीं

समाज की भाषा उस अंचल की रीढ़ होती है। भाषा सिर्फ अभिव्यक्ति का साधन ही नहीं होती बल्कि उसमें इतिहास और मानव विकास क्रम के कई रहस्य छिपे होते हैं। मारवाड़ी भाषा में संस्कृति ही सर्वस्व है। इंसान की पहचान पहले कपड़े से होती थी, लेकिन आज के समय में सबका पहनावा एक होने से आदमी की पहचान सिर्फ भाषा से ही होती है। वर्तमान समय में माता-पिता अपने बच्चों को बचपन से अपनी

मारवाड़ी भाषा में बात करना नहीं सिखाती। उन्हें अपनी भाषा में बात करना अपने आप को मूर्ख साबित करने जैसा लगता है। आज के माता-पिता बच्चों को सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई करने को कहते हैं। उन्हें रीति-रिवाजों का मतलब नहीं बताते। केवल अपने लिए ही जीना मानव जीवन का निकृष्टतम दुरुपयोग है। मानव जीवन मिला है, अच्छे कर्मों के फलस्वरूप भगवान ने माहेश्वरी समाज में पैदा किया इसलिए अपनी किस्मत पर गर्व करें। अपनी समाज की पहचान चिरकाल रहेगी, हम नहीं। भाषा के नष्ट होने के साथ ही संस्कृति, तकनीक और उसमे अर्जित बेशकीमती परंपरागत ज्ञान भी तहस-नहस हो जाता है।

अनीता ईश्वरदयाल मंत्री, अमरावती

हमने ही किया इसे उपेक्षित

जी हां। ये बिल्कुल सत्य है कि हम तो आगे बढ़ गए, लेकिन हमारी बोली पीछे छूट गई। ठीक वैसे ही जैसे एलेवेटर पर हम तो चढ़ गए पर सामान नीचे ही रह गया। अब या तो हमें वापस नीचे जाना होगा या फिर किसी अन्य की सहायता से हमारे बोली रूपी सामान को ऊपर लाना होगा। मारवाड़ी लोग भारत के ही नहीं अपितु विश्व के हर कोने-कोने में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। फिर भी ये एक कटु सत्य है कि उन्हें अपनी ही मारवाड़ी बोली कुछ 'बूढ़ी काकी' जैसी लगती है। उसे वो अपनी प्रगति में बाधक मान कर सभी से छुपा कर रखते हैं। वो भी इतना कि अब वो धीरे-धीरे लुप्त होने लगी है। या यूं कहें कि अपनी प्रगति की सहायक अंग्रेजी भाषा रूपी पिज्जा की ओर अत्यधिक आकर्षित होकर हम अपनी बाजरे की रोटी को खाना ही नहीं चाहते। अतः हम स्वयं ही अपने बच्चों को भी अंग्रेजी का ही प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और मारवाड़ी से तो परिचय भी नहीं करवाते। हमारी बोली के पीछे छूटने के पीछे उत्तरदायी हम स्वयं ही हैं। हम ही अपने बच्चों को मारवाड़ी का प्रयोग करने से मना करते हैं और इसे 'गंवार' की संज्ञा देते हैं। यहां तक कि हमारे अपने समाज के कार्यक्रमों में मंच संचालन भी अंग्रेजी में किया जाने लगा है। इससे कई बार अंग्रेजी ना समझने वाले वयोवृद्ध तो बगले ही झांकते रहते हैं। हमें अन्य भाषाएं अवश्य सीखनी चाहिए, किन्तु अपनी भाषा या बोली को भूलना तो बड़ी हानि है। कम से कम घर की बातचीत में तो हमें अपनी मारवाड़ी का प्रयोग करना ही चाहिए। समाज की तरफ से भी मारवाड़ी सिखाने की कार्यशालाएं चलाई जानी चाहिए। भाषा मात्र बोलचाल का माध्यम न होकर हमारी संस्कृति की संवाहक भी होती है।

मनीषा पलोड़ 'मनु'

कहीं नहीं सिखायी जाती यह भाषा

पहले घर-घर में मारवाड़ी बोली जाती थी। परंतु अब घरों में भी मारवाड़ी बोली का प्रयोग कम होता जा रहा है। किसी ने घर में, स्कूल में सिखाया नहीं तो युवा पीढ़ी क्या करेगी? आज के जमाने के साथ चलने के लिये अंग्रेजी या हिंग्लिश का सहारा लेना पड़ता है। व्हाट्सप, फेसबुक, सोशल मीडिया पर मारवाड़ी को भूलकर अंग्रेजी में लिखना ज्यादा सुविधाजनक लगने लगता है। परिवर्तन के नियम में हम बहते जा रहे हैं। मारवाड़ी बोली की उपेक्षा होती जा रही है। परंतु पंछी आकाश में कितनी भी ऊंची उड़ान भर लें, लौटकर उसे अपने घर आना ही पड़ता है। इसलिए जरूरी है, पाठ्यक्रम में, व्यवहार में, चर्चा में, शुभेच्छा में, मारवाड़ी बोली जाए। 'पोषक वातावरण' हमें ही बनाना है ताकि अन्य भाषाओं को आत्मसात करते हुए हम अमृत से भी मीठी मारवाड़ी बोली से जुड़े रहें। इससे भाषा के प्रति मोह और सम्मान आजीवन बना रहेगा।

डॉ. सूरज माहेश्वरी, जोधपुर

भाषा ही नहीं संस्कृति से भी दूर

अपनी संस्कृति पर गर्व करने से आत्मविश्वास मिलता है। फिर अगर वह जाति, वह संस्कृति ऐसी हो जिसका लौहा विश्व मानें फिर भी यदि वह जाति अपनी संस्कृति को छोड़ने लगे तो यह दुःखद है। मेरा मत यह है कि हम हमारी पूरी संस्कृति से ही दूर जा रहे हैं। भाषा भी संस्कृति का ही अंग है। इसका मुख्य कारण यह है कि हमने अपने जीवन की उपलब्धि केवल धनार्जन को ही मान लिया है और अत्यंत भ्रामक बात यह फैला दी गई कि हमारी संस्कृति मात्र धार्मिक संस्कृति है। इसका अनुसरण कर मात्र धर्म कमाया जा सकता है, धन नहीं। जबकि सत्य यह है कि संपूर्ण भारत सोने की चिड़िया रहा है। भारत के वैभव ने ही विदेशियों को आकर्षित किया है और भारत में भी मारवाड़ी तो विशेष रूप से धन कमाने हेतु प्रसिद्ध हैं। हमें लगने लगा है कि मात्र अंग्रेजी शिक्षा से ही हमारी संतान कॅरियर बना सकती है। बच्चों को अंग्रेजी सिखाने के मोह में हमने घर को ही अंग्रेजी विद्यालय का भाग बना लिया है। समाज के किसी भी उत्सव में बच्चे जब अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुति देते हैं या हमारी संस्कृति विरोधी नृत्य करते हैं तो बाहर से आए निर्णायक आज के चलन के हिसाब से निर्णय देते हैं। जबकि माहेश्वरी समाज में उन प्रस्तुतियों को बढ़ावा मिलना चाहिए जिसमें अपनी भाषा, अपना पहनावा, अपनी परंपरा का प्रयोग किया गया है।

नम्रता माहेश्वरी,
महाविद्यालय व्याख्याता

रोजगार के चक्कर में पीछे छूटी

राजस्थान में बोली जाने वाली भाषा तथा राजस्थानवासियों की अपनी मात्रभाषा मारवाड़ी है। मायड़ भाषा ही प्रत्येक राजस्थानी बंधुओं की पहचान है। मारवाड़ी भाषा में जो मिठास है, वह शायद ही किसी अन्य भाषा से मिले। मारवाड़ी भाषा में अगर किसी को डांटते या फटकारते हैं, तो भी अपनत्व झलकता है। हर मारवाड़ी अपनी मायड़ भाषा में एक-दूसरे को सम्मान देते हुए ही बात करते हैं। दुनिया के किसी भी कोने में अगर मारवाड़ी भाषा बोलने वाला मिल जात है, तो अपनापन महसूस होता है। इतना सबकुछ होते हुए भी हमारा दुर्भाग्य है कि मारवाड़ी हमसे दूर हो रही है। इसका मुख्य कारण आजकल की पढ़ाई, नौकरी व व्यवसाय है। आजकल बच्चों की पढ़ाई की शुरुआत ही अंग्रेजी माध्यम से होती है। इसके लिए बच्चों को पहले से ही अंग्रेजी सिखाना पड़ती है। बच्चे मारवाड़ी की जगह अंग्रेजी में बोल-बोलकर हर बात को समझते हैं, जिससे वह आगे चलकर शुद्ध अंग्रेजी बिना हिचकिचाए बोल सकें। यही कारण है कि हमारी मायड़ भाषा लुप्त होती जा रही है। मैं अपने सभी मारवाड़ी परिवारों से कहना चाहूंगी कि बेशक हम अपने बच्चों को अंतरराष्ट्रीय भाषा सिखाएं, राष्ट्रभाष हिंदी भी सिखाएं, पर साथ-साथ में अपनी मायड़ भाषा मारवाड़ी जरूरी सिखाएं। ताकि युगों-युगों तक हमारी भाषा हमारे दिल में जीवंत रहे।

सरोज लढ़ा, कोलकाता

सरकार भी जिम्मेदार

मारवाड़ क्षेत्र की मायड़ भाषा मारवाड़ी अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। वह दिन दूर नहीं जब यह भाषा पूर्ण रूप से विलुप्त हो जाएगी। मौजूदा हालात के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण हम अभिभावक, जो कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूल में दाखिला करा देने पर मारवाड़ी बोलने पर पूरी तरह से पाबंद लगा देते हैं। हम चाहते हैं कि हमारा बच्चा फर्राटेदार अंग्रेजी बोले और ऐसा देखकर हम गौरवान्वित महसूस करते हैं। अगर वही बच्चा किसी मेहमान के साथ मारवाड़ी बोले तो हमें शर्मिंदगी महसूस होती है। अभिभावक तो जिम्मेदार हैं ही साथ ही साथ हमारी राज्य सरकार भी इसके लिए जिम्मेदार है। हर राज्य की अपनी भाषा है जिसको उस राज्य के सभी विद्यालयों में अनिवार्य विषय घोषित किया गया है। जबकि राजस्थान में ऐसा नहीं किया गया है। अनिवार्य तो दूर मारवाड़ी पढ़ाई भी नहीं जाती है। जब हम अपने ही क्षेत्र में अपनी ही भाषा को उचित मान नहीं दे सके तो केंद्र स्तर पर मान मिलना संभव ही नहीं। आज तक देश की 23 आधिकारिक भाषाओं में मारवाड़ी स्थान न पा सकी। हमारी मुद्रा रुपए पर भी इसीलिए हम इसको सम्मान न दिला सके।

स्वाति मानधना, बालोतरा (राजस्थान)

संयुक्त परिवार का विखराव अहम कारण

मेरी राय में इसका प्रमुख कारण है, हमारे बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ाना, कॉन्वेंट शिक्षा की ओर धकेलना, उच्च स्टेटस के बतौर उनको अंग्रेजी बोलने पर अधिक ध्यान देने के लिए माता-पिता एवं परिजन द्वारा प्रोत्साहित करना। मारवाड़ी से दूरी का एक प्रमुख कारण यह भी है हमारे परिवार अब एकल परिवार होते जा रहे हैं। पहले संयुक्त परिवार में दादा-दादी, ताऊजी-ताईजी, चाचा-चाची व उनके बच्चे सभी साथ रहते थे। इससे बच्चे मारवाड़ी बोलने में खुशी समझते थे। बच्चे समस्याएं मारवाड़ी में बताते थे और दादा-दादी कहानियां के माध्यम से उन्हें समझा देते थे। इससे उनको मारवाड़ी में रुचि थी, लेकिन एकल परिवार के कारण अब माता-पिता को ही बच्चे पर ध्यान देने का समय नहीं है। बच्चों को हॉस्टल भेज देते हैं, छोटे बच्चों के लिए घर में 'आया' रख लेते हैं। इससे मारवाड़ी भाषा बोलना तो दूर, समझ भी नहीं पाते हैं। इसमें यह कहना होगा कि दक्षिणी भारत के जितने भी राज्य हैं, उनमें हमारे माहेश्वरी बंधु व अन्य मारवाड़ी भाई आपस में आज भी मारवाड़ी भाषा में ही बातचीत करते हैं। यहां तक कि मुंबई में हमारे मारवाड़ी बंधुओं ने किसी भी सामाजिक कार्यक्रम में मारवाड़ी बोलना अनिवार्य कर रखा है। इसी तरह के कुछ नियम हमारे समाज संगठनों को सभी जगह बनाने चाहिए। इससे बच्चों को मारवाड़ी भाषा में बोलने, लिखने तथा पढ़ने में रुचि जागृत होगी।

मंजू सोनी, गुलाबपुरा (राज.)

आधुनिकता की होड़ में परंपराओं से दूरी

'माहेश्वरी हैं हम' हमें गौरवान्वित करने वाला कथन है। ऐसा इसीलिए है कि हमारे रीति-रिवाज, रहन-सहन, भोजन, पहनावा और उससे भी ऊपर हमारी मीठी मारवाड़ी बोली। जब इन सबका समावेश होता है तो 'हम मारवाड़ी' भीड़ में अपनी अलग पहचान के लिए जाने जाते हैं। किंतु आज जहां मातृभाषा तक को परे कर लोग अंग्रेजी भाषा एवं पाश्चात्य संस्कृति की ओर भाग रहे हैं, वहां हमारी क्षेत्रीय बोली की धरोहर कौन संभालेगा? जी हां, ये दायित्व है हमारी नई युवा पीढ़ी और हमारे घर के बड़ों के बीच के तालमेल का। हमारे त्योहारों की मधुर मीठी कहानियां जब मारवाड़ी में हमारे घर के बड़े बच्चों के सामने बोलते हैं, तो वो एक पल ही सही पर हमारी मजबूत नींव को दर्शाता है। मारवाड़ी बोली का आकर्षण ही ऐसा है कि यदि उसे घर के बच्चों के सामने बोला जाए और बच्चों से भी बुलवाया जाए, तो उन्हें खुद ही मारवाड़ी बोली का आकर्षण महसूस होगा। घर के बड़ों को आवश्यक है कि वे युवा पीढ़ी को बचपन से ही मारवाड़ी बाली सिखाएं, मारवाड़ी में बात करें और उनसे करवाएं। इस तरह अगर मारवाड़ी बोली आम बोलचाल की भाषा में आ गई तो हमें कभी-भी अपनी पहचान से दूर नहीं होना पड़ेगा।

शालिनी चितलांग्या, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

आज की पीढ़ी स्वयं जिम्मेदार

मारवाड़ी भाषा यानी बोली से दूर होने का कारण, आज की वर्तमान पीढ़ी स्वयं है। वर्ष 1970-75 के बाद जन्मे बच्चों के माता-पिता व परिवार ने हिंदी बोली अपना ली। प्रभाव तत्कालीन फिल्मों का हो, या स्वयं की मानसिकता का, लेकिन ये सत्य है कि आज 90 प्रतिशत परिवारों में मारवाड़ी बोली समाप्त हो गई है। कुछ हद तक स्त्री शिक्षा ने भी माहेश्वरी घरों में हिंदी को प्राथमिकता दी है। मुख्य रूप से राजस्थान से देश के विभिन्न भागों में फैल जाने के कारण, माहेश्वरीजन 1 या 2 पीढ़ी तक ही अपनी बोली को सहेज पाए। आज हालात ये हैं कि राजस्थान के शहरों में भी मारवाड़ी भाषा नई पीढ़ी के मुंह में नहीं है। जिम्मेदार हम स्वयं हैं। जिम्मेदारी से हमारा सामाजिक परिवेश भी नही बच सकता है, जिसने भाषा को बढ़ावा देने का कोई प्रयास नहीं किया। सामाजिक कार्यक्रमों में भी मारवाड़ी भाषा को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है, जो कि आज की पीढ़ी के लिए उचित संदेशदायक नहीं है। आपणी विलुप्त हुनती बोली रे ऊपर, आपणे चर्चा उठाई, आपने घणी-घनी बधाई।

श्रीकांत बागड़ी, उज्जैन

अपनी बोली में शर्म कैसी?

समय के साथ-साथ हमने अपनी भाषा को भी परिवर्तन किया है, परंतु ऐसा नहीं होना चाहिए। अपनी भाषा का प्रयोग जहां तक हो सके करना ही चाहिए। इसमें शर्म नहीं आनी चाहिए। बहुत से प्रदेशों में अपनी ही भाषा को ज्यादा महत्त्व देते हैं जैसे गुजराती, मराठी, कन्नड़, तमिल। वैसे ही हमें भी शर्म नहीं करते हुए अपनी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। मारवाड़ी भाषा अपने आप में एक अच्छी भाषा है। इसकी पहचान ही हमें बाहर जाने पर अपनी याद दिलाती है एवं भाषा के प्रयोग करने पर लगता है कि यह अपने यहां का है। इस भाषा में प्रेम है। अपने बुजर्ग हमारे साथ जैसे अपनी भाषा का प्रयोग करते हैं, उसी प्रकार अपनी आने वाली पीढ़ी को भी युवा को अपने घर में अपनी भाषा का प्रयोग करना सिखानी चाहिए, जिससे अपनत्व बना रहे।

प्रदीप पलौड़, भीलवाड़ा

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया
जोधपुर

अहंकार री नतीज़ो

खम्मा घणी सा हुक्म म्हैं एक राजस्थानी कहावत पढ़ी कि कुत्ता लड़े दांता सूं, मूरख लड़े लाता सूं और बुद्धिमान लड़े बातां सूं...! हर कोई लड़ने में माहिर है जाणे लड़न में कांई लाडू मिले... ! साधारण व्यक्ति आपस में मिले तो एक दूजे ने राम-राम करे या नमस्कार करे... लेकिन एक बुद्धिमान दूजे बुद्धिमान सूं मिळै तो एक दूजे ने हाथ भी नहीं जोड़ें... क्योंकि दोनों ने बुद्धि रो अभिमान हुव्है कि पैली म्हैं क्यों हाथ जोड़ूँ म्हैं तो ज्यादा बुद्धिमान हूँ।

हुक्म यो अभिमान ही मन में कठोरता, कटुता, कलह, संघर्ष पैदा करे... और मन सूं प्रेम रो सरोबर खत्म कर देवे या युं केव्हा कि सुखा देवे और सुखियोड़ी जमीन में ज्यों दरार पड़ जावे हुक्म अभिमानी रे मन पर भी वेड़ी ही दरारा पड़ जावे। स्नेह री कमी सूं मेलज़ोल में कमी आ जावें। हुक्म जिणमें व्यक्ति खुद भी दुःखी रेहवे व जढ़े बैठे उण बैठक में साथे बैठा लोगा ने भी दुःखी करें। घमंड दुखों री जड़ है हुक्म। घमंडी व्यक्ति उण व्यक्ति सुं भी ज्यादा रोवे जिने माथे वो घमंड करे।

अभिमान रो अगलो रूप क्रोध है... व्यक्ति आपरे अभिमान व क्रोध सूं खुद भी दंडित हुव्है और दुसरों ने भी दंडित करणी बात सोचतो रेहवे। परशुरामजी इतो क्रोध कियो पर राम री धीरजता रे आगे वाणों अभिमान पाणी-पाणी हुग्यो।

इतिहास गवाह है कि प्रतिशोध री भावना में खुन री नदियां बही है। आपा एतिहासिक राजा-महाराजाओं रो जीवन पढ़ा तो समझ में आवे कि एकमात्र कारण प्रतिशोध री भावना ही है... जिनो परिणाम खून-खराबों ही हुयों है। **'होडा होड़ गोडा फोड़'** कहावत भी लोकप्रसिद्ध है।

हुक्म सन्त महात्मा हमेशा केह्वे...
लोगों रे दिल ने जीत सकों तो संस्कार सूं..
और जितोयोड़ी बाज़ी भी हार जावो अहंकार सूं।

मित्रों, आपा मिळने सब जीवन में सरलता लावा, प्रतिशोध ने हटावा और प्रेम री गंगा, यमुना ने ह्दय में बहावा। निर्मल मन में ही सच्चे प्रेम रो अहसास होवे। भगवान राम भी नवधा भक्ति में एक भक्ति मन री निर्मलता बताई.. **निर्मल मन जन सो मोहि पावा, मोहि कपट छल छिद्र न भावा।** बाईबल भी याहीं कैवे हुक्म, blessed are the pure in heart for unto them is given knowledge of god यानी मैं निर्मल मन में ही निवास करूं।

हुक्म संसार रा सारा ग्रन्थ एक ही बात करे पर ओ आदमी कलह, क्लेश, कलुष कोनी छोड़े हुक्म... पछे करम रा लट्ठ पड़े जणे ईश्वर री बात याद आवे, पछतावो हुवे पण जण तक समय निकल जा अर कृषि सुखिया पछे पाणी रो कई काम हुक्म।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- *काबिल दोस्तों का होना भी,*
  शायद तक़दीर होती है
  बहुत कम लोगों के हाथों में
  ये लकीर होती है।
- *तू भी खमख्वाह, बढ़ रही है ए धूप,*
  इस शहर में पिघलने वाले, दिल ही नहीं है।
- *छोड़ के शालीनता*
  बदतमीजियां करने लगे।
  ऐ राजनीति तेरी खारित
  हम दोस्तों से लड़ने लगे।
- *तारीफ की चाहत तो...*
  नाकामों की फ़ितरत होती है... काबिल के तो
  दुश्मन भी क़ायल होते हैं...
- *मैं चलता गया, रास्ते मिलते गये।*
  राह के काँटे, फूल बनकर खिलते गये।
  ये जादू नहीं, आशीर्वाद है मेरे अपनों का।
  वरना उसी राह पर लाखों फिसलते गये।
- *क्या खूब मजबूरी है गमले में लगे पेड़ों की....*
  हरा भी रहना है और बढ़ना भी नहीं

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए 60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए 70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए 1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

खुश रहें... खुश रखें...

सहयोगी पर भरोसा रख निर्णय लेने की स्वतंत्रता दीजिए

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

जीवन या परिवार प्रबंध का यह महत्वपूर्ण तथ्य है कि अपने सहयोगियों, मित्रों या रिश्तेदारों पर भरोसा करते हुए जब उन्हें कोई कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाती है, तो परिणाम निश्चित ही अच्छे मिलते हैं। जब श्रीराम ने सुग्रीव को सीताजी की खोज की जिम्मेदारी सौंपी थी तब सुग्रीव को प्रत्येक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र छोड़ा था और शब्द कहे थे- ''अब सोई जतनु कराहु मन लाई, जेहि बिधि सीता के सुधि पाइ।'' अब मन लगाकर वही उपाय करो जिससे सीता की खबर मिल सके।

सुग्रीव ने अपने स्वतंत्र निर्णय से चार खोजी दल बनाए थे। सबसे योग्य दल में नील, अंगद, जामवंत और हनुमानजी थे, उन्हें दक्षिण दिशा में भेजा था। जामवंत, हनुमानजी आदि की अगुवाई में गए दल ने लंका तो ढूंढ निकाली लेकिन सीता की खोज के लिए अकेले हनुमानजी को भेजा गया। जाने से पहले हनुमानजी ने जामवंत से इस बात की शिक्षा ली थी कि लंका में जाकर उन्हें करना क्या है? ''जामवंत मैं पूँछउँ तोही, उचित सिखावन दीजहु मोही।'' मैं आपसे पूछता हूँ, मुझे उचित सीख देना कि मुझे क्या करना चाहिए।

जामवंत ने कहा, ''हे तात, तुम जाकर इतना ही करो कि सीताजी को देखकर लौट आओ और उनको रामजी की खबर कह दो।'' शेष वानर नहीं जानते थे कि श्रीहनुमान लंका जाकर आग लगा देंगे। रावण के दरबार में बहस के बाद जब उनकी पूंछ में आग लगाई गई तब हनुमानजी ने ही संपूर्ण लंका दहन का निर्णय लिया। श्री हनुमान को निर्णय लेने की आजादी देने का परिणाम यह हुआ कि श्रीराम के पहुंचने के पहले ही सारे राक्षस उनके पराक्रम का एक बड़ा झटका देख चुके थे। उन्हें अनुमान लग चुका था कि श्रीराम की सेना का एक ही योद्धा यदि लंका जला सकता है, तो पूरी सेना क्या नहीं कर सकती।

अपने साथियों को निर्णय का अधिकार देकर कार्य लेने की श्रीराम की यह विशिष्ट शैली थी। श्रीराम ने अपनी इस शैली का कई बार हनुमानजी के माध्यम से सफल प्रयोग किया था और इस माध्यम से हमें भी सिखाया कि परिवार में जब किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करना हो, तो योग्यतानुसार सभी को निर्णय लेने का अधिकार दिया जाए।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक ''खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद''.

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - ''ऐसा क्यों?'' लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

तिल की गजक

संक्रांति के दिन तो तिल की मिठाई खिलाते समय विशेष तौर से बोला जाता है- तिल-गुड खाओ और मीठा मीठा बोलो

आवश्यक सामग्री :- 200 ग्राम सफेद तिल, साफ किया हुआ 300 ग्राम गुड़, छोटे टुकड़ों में तोड़ा हुआ 15-16 बादाम, कटे हुए 15-16 काजू, कटे हुए 2-3 इलायची, पिसी हुई 3 चम्मच घी

बनाने की विधि- सबसे पहले मीडियम आंच में एक कड़ाही रखें और इसमें तिल को अच्छी तरह भून लें. (तिल भुनने के बाद इसमें सोंधी सी खुशबू आने लगेगी.) इसे एक प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें. जब तक तिल ठंडा हो रहा है उसी कड़ाही में घी (थोड़ा सा बचा लें) और गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं. जब तक चाशनी तैयार हो रही है, तब तक तिल को मिक्सर में दरदरा पीस लें. एक बड़ी और गहरी प्लेट को घी लगाकर चिकना कर लें. अब चाशनी में इलायची पाउडर और तिल का चूरा डालकर अच्छी तरह मिक्स करके चलाते हुए कुछ देर पकाएं. फिर आंच बंद कर इस मिश्रण को चिकनाई लगी हुई प्लेट में डालकर फैला लें. अब इसमें कटे हुए मेवे फैला दें. जब मिश्रण थोड़ा कड़ा हो जाए तो इसे बेलन से बेलकर फैला लेंत्र. 10 मिनट बाद इसे चाकू के सहायता मनचाहे साइज में काट लें. 30 मिनट के लिए छोड़ दें जिससे गजक अच्छी तरह सेट हो जाए. इस गजक को चाहें तो तुरंत खा लें या फिर डिब्बे में रख लें.

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिये परिवर्तन एवं बदलाव करने वाला होगा। यात्रा से आय प्राप्त होगी। नई योजना बनायेंगे। विश्वास करना हानिकारक रहेगा। आय की तुलना में व्यय बढ़ेगा। परिश्रम की तुलना में अनुकूलता प्राप्त होगी। वाकचातुर्यता से अपने बिगड़े कार्य में सफलता मिलेगी। अतिथि का आगमन एवं शुभ समाचार की प्राप्ति, शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा विवाद, मांगलिक कार्य आदि में भाग लेंगे। यश, सम्मान प्राप्त होगा।

वृषभ

यह माह आपको आर्थिक उन्नति के ओर अग्रसर करेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। घर परिवार में शुभ कार्य होंगे। संतान एवं वाहन सुख की प्राप्ति, नौकरी में अधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मनोरंजन, हास, परिहास में समय व्यतीत करेंगे। यात्रा आपके लिये लाभदायक रहेगी। आय की तुलना में व्यय अधिक होगा। पारिवारिक परेशानियों से आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। विरोधी परास्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। संतान के कार्य में धन खर्च करेंगे। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

मिथुन

यह माह आपको मिश्रित फलदायक रहेगा। व्यावसायिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। मान-सम्मान यश की प्राप्ति होगी। विश्वास करना हानि कारक रहेगा। नये कार्य से लाभ और सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों का पढ़ाई में कम मन लगेगा। जीवन में सकारात्मक सोच आगे बढ़ने के लिये सहायक होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्य पूर्ण होंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। नौकरी में थोड़ा परिश्रम से अधिक लाभ होगा।

कर्क

इस माह रुके कार्य पूर्ण होंगे। विदेश यात्रा होगी। सुख आनन्द की प्राप्ति, विद्यार्थी को परीक्षा, इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति करेंगे। मकान परिवर्तन करेंगे। परिवार से वैचारिक मतान्तर बनेंगे। धार्मिक, सामाजिक, कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक और व्यापारिक दृष्टि से समय लाभदायक रहेगा। पिता से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। जीवन साथी से सहयोग एवं दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। साझेदारी से तनाव बना रहेगा।

सिंह

यह माह मिला-जुला प्रभावकारी रहेगा। कुछ मुश्किल एवं उलझनों का सामना करना पड़ेगा, किंतु अपनी बौद्धिक कुशाग्रता से सफलता अर्जित हो जायेगी। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति, शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। व्यापारिक यात्रा के योग। साझेदारी में कार्य करना अहितकर रहेगा। जितना परिश्रम करेंगे। उतनी ही सफलता मिल पायेगी। पारिवारिक उलझनें तो आयेंगी परंतु समय रहते समस्याओं का निदान भी हो जायेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। कृषकों को मेहनत के अनुरूप लाभ मिलेगा। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी।

कन्या

यह माह आपको परिवर्तन करवाने वाला होगा, लंबी यात्रा होगी। रुकावट के साथ कार्यों में सफलता, संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार में विवाह संबंध, मांगलिक कार्य होने के योग प्रबल रहेंगे। नौकरी में तथा कार्य व्यवसाय में महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा। लेन-देन सावधानी से करें। जीवन साथी से अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी। महत्वपूर्ण व्यक्ति से भेंट के योग रहेंगे।

तुला

यह माह आपके लिये यात्रा प्रधान रहेगा। उत्साहित होकर कार्य करेंगे। नवीन वाहन सुख के योग रहेंगे। विशिष्ट अतिथि का आगमन होगा। कार्य व्यवसाय में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी। परिश्रम से सफलता प्राप्त हो जायेगी। मनोरंजन भौतिक सुख-सुविधा यात्रा मौज-मस्ती का लुत्फ उठायेंगे एवं व्यय की अधिकता भी रहेगी। संतान के कार्यों से प्रसन्नता रहेगी। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति, पदोन्नति नवीन नौकरी, मनचाहा स्थान परिवर्तन के योग प्रबल बने रहेगा।

वृश्चिक

यह माह आपके लिये खुशीभरा रहेगा। कार्य, व्यवसाय में वृद्धि आय के नवीन साधनों की प्राप्ति, भाग्योदय के योग। दूर देश की यात्रा करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। मित्रों एवं परिवारजनों का स्नेह सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक कार्य सम्पादित करेंगे। वाणी से मुश्किल कार्यों में सफलता मिल जायेगी। शासन में रुके कार्य पूर्ण होंगे। सम्पत्ति का निर्माण होने के योग प्रबल होंगे। साथ ही नवीन वाहन के योग बनेंगे। दाम्पत्य जीवन की प्राप्ति एवं जीवन आनंद के योग प्रबल बने रहेंगे।

धनु

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। सोचे कार्य परिश्रम के उपरांत पूर्ण होंगे। भाई परिवारजनों का स्नेह प्राप्त होगा। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। परिवार में मांगलिक, धार्मिक प्रसंग आयोजित होगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दान-धर्म भी होगा। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन नौकरी, आय के साधनों में वृद्धि तथा प्रमोशन के योग बनेंगे। शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी।

मकर

यह माह आपके लिये खुशियों से भरा रहेगा। विगत वर्षों से रुके कार्यों में सफलता मिलेगी। न्यायालयीन प्रकरणों में विजय मिलेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। धन का आगमन होगा। अचानक सम्पत्ति का क्रय एवं वाहन सुख में वृद्धि के योग रहेंगे। मित्रों एवं सहयोगियों से कार्य बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। विवाह संबंध होगा। पुत्र संतान की प्राप्ति होगी, किंतु उधार देना, विश्वास करना हानिकारक होगा। सोच समझकर ही निर्णय लेवे।

कुम्भ

यह माह आपको स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर रहेगा। पांव एवं हड्डी तथा दांतों से कष्ट के योग रहेंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे। परिश्रम अधिक करना होगा, तभी सफलता मिलेगी। विश्वास करना हानिकारक रहेगा। नवीन कार्य व्यवसाय के योग रहेंगे। लोहे, तेल से संबंधित कार्य सोच विचार कर ही प्रारंभ करें। विदेश यात्रा के योग रहेंगे। लंबी यात्रा पर खर्च होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मित्रों से भेंट होगी। सम्पत्ति संबंधित सौदे सोचकर करें।

मीन

यह माह आपको आर्थिक दृष्टि से उत्तम रहेगा। रुका धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। नौकरी में पदोन्नति, नवीन नौकरी, मनचाहा स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे, किन्तु संतान के कार्यों में रुकावटे आऐंगीं। पत्नी एवं पारिवारिक लोगों से वैचारिक मतांतर होंगे। मांगलिक, धार्मिक कार्यों में सम्मिलित होंगे। शुभ कार्यों में खर्च भी करना होगा। ठंड के रोग एवं पाचन तंत्र से कष्ट के योग बनते हैं। सावधानी बरतें।

श्रीमती अरुणा दरगढ़

उज्जैन। समाज की वरिष्ठ श्रीमती अरुणा दरगढ़ धर्मपत्नी श्री बृजकिशोर दरगढ़ का गत 28 दिसम्बर को देहावसान हो गया। अप अपने पीछे पुत्र शिवेष तथा पुत्री वंदना का पौत्र-पौत्री व नाती-नातिन से भरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती भगवतीदेवी आगाल

भीलवाड़ा. आजाद नगर के समाज सदस्य संतोष आगाल की माता भगवतीदेवी आगाल का स्वर्गवास गत 12 दिसंबर को हो गया। इनके उठावने की रस्म पर आगाल परिवार द्वारा अपने स्वर्गीय माता पिता (स्व. श्री सत्यनारायण व भगवतीदेवी आगाल) की स्मृति में तीन लाख रुपये का आर्थिक सहयोग आजादनगर के निर्माणाधीन भवन के लिए दिया। इस दुःख की घड़ी में अनुकरणीय व पुनीत कार्य करने के लिए समाजजनों ने आगाल परिवार का आभार

श्रीमती तुलसीदेवी मूंदड़ा

अजमेर। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के निवर्तमान महामंत्री सुनीलकुमार मूंदड़ा तथा राजेन्द्र प्रसाद व रामावतार मूंदड़ा की माता श्रीमती तुलसीदेवी मूंदड़ा का गत दिनों देहावसान हो गया। आप स्व. श्री बिशनलाल मूंदड़ा की धर्म पत्नी थी। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री नवीनचंद्र माहेश्वरी

अमृतसर. समाज के वरिष्ठ सदस्य नवीनचंद्र माहेश्वरी का स्वर्गवास गत 14 अक्टूबर को 76 वर्ष की अवस्था में हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़कर गए हैं। माहेश्वरी मित्र मंडल ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री ताराचंद गगरानी

भीलवाड़ा. पारोली निवासी त्रिलोकचंद व विनोद कुमार के भ्राता व अक्षयकुमार गगरानी के पिता श्री ताराचंद गगरानी का आकस्मिक देवलोक गमन गत 14 दिसंबर को हो गया। 53 वर्षीय श्री गगरानी हंसमुख व मिलनसार व्यक्ति थे।

नेत्रदानी श्री अनिल चरखा

वर्धा. जिले के सुप्रसिद्ध दवा व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता व माहेश्वरी मंडल के सक्रिय सदस्य अनिल गिरवरप्रसाद चरखा का 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। इस असामयिक दुःखद निधन से संपूर्ण वर्धा जिले में शोक की लहर फैल गई। किंतु इस असामयिक दुखद निधन से उनकी धर्मपत्नी संध्या, बेटी अश्विनी, बेटा अमित एवं भाई सुनील ने उनके मरणोपरांत नेत्रदान उनकी अंतिम इच्छानुसार नेत्र मित्र परिवार के सहयोग से किया गया, ताकि दृष्टिहीनों को दृष्टि मिल सके।

लिखें वही, जिस के नीचे अपने हस्ताक्षर कर सकें।
सोचें वही, जो बेहिचक बोल सकें। बोलें वही, जिस का जवाब सुन सकें।

प्रथम पुण्य स्मरण

(26.10.1948 - 03.01.2019)
तिथी त्रयोदशी मार्गशीर्ष

जिनकी स्मृति, संस्कार, आदर्श एवं विचार
हमारा मार्गदर्शन करते थे, करते हैं और करते रहेंगे

स्वर्गीय श्रीमती उर्मिला माहेश्वरी

धर्मपत्नी श्री रामकुमार माहेश्वरी (टावरी)

भावपूर्ण श्रद्धासुमन

टावरी परिवार, नई दिल्ली

माहेश्वरी समाज के सभी बन्धुओं को नववर्ष की

हार्दिक शुभकामनाएँ

एवं

आभार

महिला संगठन की उन सभी बहनों का,
जिनके सहयोग व स्नेह ने
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
के वर्तमान सत्र को
ऐतिहासिक बना दिया.

कल्पना गगड़ानी

अध्यक्ष
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

www.rathi.com

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E), Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

Reaching 7500 villages, 9 million people.
Over 100 million Polio vaccinations.
5,000 medical camps / 20 hospitals:

1 million patients treated. 100,000 persons tested on 32 health parameters through Health Cubed. Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant. More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India.

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students. Mid-day meals provided to 74,000 children. Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland. Fostering the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas.

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets. 45,000 women empowered through 4500 SHGs. 200,000 farmers on board our agro-based training projects.

MODEL VILLAGES

We have adopted 300 villages for transformation into model villages. Of these over 90 villages have already reached the model village stature. And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spear-headed by Mrs. Rajashree Birla.

Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 January, 2020

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com